Every Fortnight
August I 2014

# बच्चे

मूल्य ♦ दस रुपए

विशेष चित्रकथा

अदृश्य आदमी

राजस्थान पत्रिका प्रकाशन
वर्ष- 29 अंक- 2 1-15 अगस्त, 2014 पृष्ठ- 68

# राखियां

सावन का उपहार राखियां,
नेहों का त्यौहार राखियां।

जाति-धरम, भाषा ना माने,
जाने सच्चा प्यार राखियां।

बहनों की रक्षा की खातिर
भइया की तलवार राखियां।

हंसी-ठहाके, सौगातों में
खुशियों की बौछार राखियां।

करती हैं छू करके पावन
हैं गंगा की धार राखियां।

रचती हैं कच्चे धागों से,
रिश्तों का संसार राखियां।

इन्द्रधनुष बन के छाती हैं
जब आतीं बाजार राखियां।

–डॉ. हरीश निगम

वर्ष- 29 अंक-2

अगस्त (प्रथम) 2014, जयपुर

## कहानियां

पैसों का पेड़- 8-9
सच्चा भाई- 10-11
केरनान के साथ चांद की यात्रा- 13-15

## प्रतियोगिताएं

प्रतियोगिता परिणाम- 58
ज्ञान प्रतियोगिता- 59
रंग दे प्रतियोगिता- 60

## विविध

आया राखी का त्योहार- 5
रक्षाबंधन : क्या कहता है इतिहास- 6
कितने नामों वाला रक्षाबंधन- 7
सीख सुहानी- 12
गुदगुदी- 16-17
बोलें अंग्रेजी- 19
तथ्य निराले- 20-21
सैरसपाटा- 22-23
सामान्य ज्ञान- 24-25
खोज-बीन/बूझो तो- 26
बालहंस न्यूज- 43
माथापच्ची- 44-45
क्यों और कैसे/कमाल है- 46
क्रॉसवर्ड पजल्स- 47
बालमंच- 48
नॉलेज बैंक- 49
आर्ट जंक्शन- 50-51
अंतर बताओ- 52
बिंदु से बिंदु- 53
किड्स क्लब- 54-55
छिपकलियों की अजब-गजब दुनिया- 56-57
ढूंढो तो...- 61
कैसा लगा- 66

## विशेष चित्रकथा

अदृश्य आदमी- 27 से 42
(पहला भाग)

संपादकीय सम्पर्क

**बालहंस (पाक्षिक)**
राजस्थान पत्रिका प्रकाशन,
5-ई, झालाना संस्थानिक क्षेत्र,
जयपुर (राजस्थान) पिन-302 004
दूरभाषः 0141-3005857
e-mail: balhans@epatrika.com

संपादक
**आनन्द प्रकाश जोशी**

उप संपादक
**मनीष कुमार चौधरी**

संपादकीय सहयोग
**किशन शर्मा**

चित्रांकन
**प्रतिमा सिंह**

*पृष्ठ सज्जा:* शेरसिंह
*फोटो एडिटिंग:* संदीप शर्मा

ग्राहक शुल्क

कृपया ग्राहक शुल्क (सब्सक्रिप्शन) की राशि बैंक ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से **बालहंस, जयपुर** के नाम भिजवाएं।
वार्षिक- 240/-रुपए
अर्द्धवार्षिक- 120/-रुपए

अब बालहंस एक क्लिक पर, log on करें : balhans.patrika.com
फेसबुक पर पढ़िये: www.facebook.com/patrikabalhans

सब्सक्रिप्शन एवं वितरण संबंधी जानकारी के लिए 0141-3005790 पर संपर्क करें।

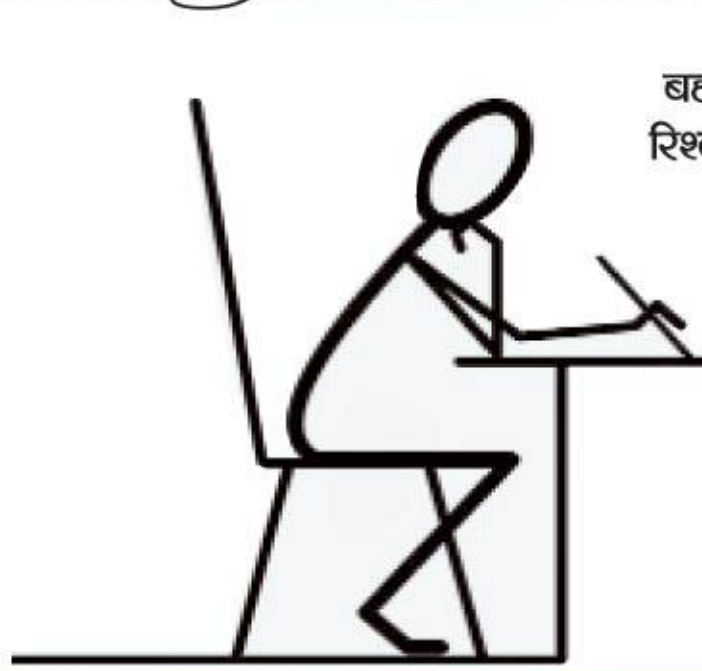

बहन चाहे सिर्फ प्यार-दुलार, नहीं मांगती बड़े उपहार;
रिश्ता बना रहे सदियों तक, मिले भाई को खुशियां हजार।

## संपादकीय

**दोस्तो,**

राखी का त्योहार नजदीक आते ही हर भाई-बहन का मन पुलक उठता है। भाई अपनी बहन के हाथों स्नेह का धागा बंधवाकर खुद को निहाल मानता है, तो वहीं बहन अपने भैया से यह संकल्प लेती है कि वह उसकी कदम-कदम पर रक्षा करेगा। राखी बहन के पवित्र प्रेम और रक्षा की डोरी है। राखी की डोरी में ऐसी शक्ति है जो हर मुसीबत से भाई की रक्षा करती है। बहनें भाइयों को राखी बांधकर ईश्वर से दुआ मांगती है कि उनके भाई सदा सुरक्षित रहें। चलिये पर्व-त्योहार से अलग कुछ रोमांच की बात। इस अंक में दो अंकों में समाप्य लंबी चित्रकथा हम दे रहे हैं, जो एक अदृश्य आदमी पर आधारित है। विज्ञान और उसके करिश्मे को दर्शाती कथा का पहला भाग इस बार।

तुम्हारा बालहंस

# आया राखी का त्योहार

**भाई-बहन** के प्यारे से रिश्ते का प्यारा-सा त्योहार है, रक्षाबंधन। रक्षाबंधन का बहनें सालभर इंतजार करती हैं। भाई भी अपने गांव, शहर या देश से दूर बसी बहन की प्रेम में पिरोई राखी का बड़ी बेसब्री से इंतजार करते हैं। वर्ष में केवल यह एक ऐसा दिन होता है, जब किसी की भी कलाई सूनी अच्छी नहीं लगती। कलाई पर बंधी रंगबिरंगी राखियों के शृंगार का अलग ही रूप होता है। कलाई का शृंगार एक दिन ही नहीं, ज्यादातर भाई कई-कई दिन कलाई पर रखते हैं।

हर त्योहार का सालभर अपना अलग मजा है। त्योहार को ज्यादा मनोरंजक व प्रभावी बनाने के लिए कुछ क्रिएटिव तो होना ही चाहिए। राखी के त्योहार का जितनी बेसब्री से इंतजार किया जाता है, उतने जोश से इसकी तैयारी भी की जानी चाहिए। खुशियों से भरे इस त्योहार के लिए ड्रेस तो विषेष होती ही है, ड्रेस के साथ एसेसरीज भी खास होती हैं। और हो भी क्यों न! त्योहार से पहले भैया का कैमरा जो सेट रहता है, हर खुशी के पल को संजोने के लिए। अपनी सजावट के साथ-साथ त्योहार की बाकी तैयारी भी करनी चाहिए। जैसे मौसी-बुआ आदि इस दिन परिवार सहित आती हैं तो उनके लिए विशेष भोजन का प्रबंध। घर को कुछ संवारेंगे, तो देखने वालों को अच्छा लगेगा।

बाजार तो तरह-तरह की रंगबिरंगी राखियों से सजा होता है। हर वर्ष नए नमूने की लुभावनी राखियां बाजार में आती हैं। बच्चों की मनपसंद कार्टून करेक्टर वाली, ईष्ट देवता वाली, फूलों-सी महकती राखी, डिजिटल टॉय वाली राखी, घड़ी वाली राखी, रुपए व डॉलर लगी राखी, मोती, सितारों से सजी राखी, खिलौने से सजी राखी। पर ये सब राखियां एकदम फीकी लगती हैं, जब बहना अपने प्यारे से भैया के लिए कोमल हाथों से बनाती है क्रिएटिव राखी।

हर बहन को पता होता है कि भाई कैसी राखी पसंद करता है। एकदम धागेनुमा, तो वैसी ही बनाएं। चमकीली, बड़ी सी राखी, तो वैसी ही बनाएं। राखी बनाना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। घर में रखे छुटपुट सामान से ही तैयार हो जाएगी। इसके अलावा बाजार से राखी का सामान लाकर अपनी सोचसमझ के हिसाब से राखी सजाएं। राखी बनाकर उसे किसी कोने में चुपके से रख दें। रक्षाबंधन के त्योहार पर ही निकालें। राखी की थाली में सजी-धजी राखी देखकर भैया देखते रह जाएंगे।

राखी की सबसे जरूरी तैयारी होती है, राखी की थाली की सजावट। बस, कुछ बात होती है राखी की खाली में खास। अक्सर त्योहार के वक्त थाली में कुछ कम रखा होने के कारण ऐन मौके पर ढूंढ़ शुरू होती है। इसलिए सुबह सबसे पहले राखी की थाली सजा लें। थाली में रोली से सतिया बनाएं। उस पर घी का दीपक रखें। साथ में दियासलाई रखें। छोटी सी कटोरी में मिश्री, कुछ फूल, मोली, राखी, चावल, केसर, भैया की मनपसंद मिठाई आदि रखें। भैया चाहे तो राखी की थाली में रख सकते हैं, बहना के लिए चाकलेट का प्यारा-सा तोहफा। इस पवित्र और स्नेहभरे रिश्ते के प्रतीक पर्व को मनाने में कंजूसी बिल्कुल नहीं चलेगी। आखिर बहन किसकी है!

**-नरेन्द्र देवांगन**

# रक्षाबंधन क्या कहता है इतिहास

**बहना** ने भाई की कलाई से प्यार बांधा है, प्यार के दो तार से संसार बांधा है...। भाई की कलाई पर राखी बांधने का सिलसिला बेहद प्राचीन है। रक्षाबंधन का इतिहास सिंधु घाटी की सभ्यता से जुड़ा हुआ है। वह भी तब जब आर्य समाज में सभ्यता की रचना की शुरुआत मात्र हुई थी।

रक्षाबंधन पर्व पर जहां बहनों को भाइयों की कलाई में रक्षा का धागा बांधने का बेसब्री से इंतजार है, वहीं दूरदराज बसे भाइयों को भी इस बात का इंतजार है कि उनकी बहना उन्हें राखी भेजे। उन भाइयों को निराश होने की जरूरत नहीं है, जिनकी अपनी सगी बहन नहीं है, क्योंकि मुंहबोली बहनों से राखी बंधवाने की परम्परा भी काफी पुरानी है।

असल में रक्षाबंधन की परम्परा ही उन बहनों ने डाली थी जो सगी नहीं थीं। भले ही उन बहनों ने अपने संरक्षण के लिए ही इस पर्व की शुरुआत क्यों न की हो, लेकिन उसी बदौलत आज भी इस त्योहार की मान्यता बरकरार है।

रक्षाबंधन की शुरुआत का सबसे पहला साक्ष्य रानी कर्णावती व सम्राट हुमायूं हैं। मध्यकालीन युग में राजपूत व मुस्लिमों के बीच संघर्ष चल रहा था। रानी कर्णावती चित्तौड़ के राजा की विधवा थीं। उस दौरान गुजरात के सुल्तान बहादुरशाह से अपनी और अपनी प्रजा की सुरक्षा का कोई रास्ता न निकलता देख रानी ने हुमायूं को राखी भेजी थी। तब हुमायूं ने उनकी रक्षा कर उन्हें बहन का दर्जा दिया था।

दूसरा उदाहरण अलेक्जेंडर व पुरू के बीच का माना जाता है। कहा जाता है कि हमेशा विजयी रहने वाला अलेक्जेंडर भारतीय राजा पुरू की प्रखरता से काफी विचलित हुआ। इससे अलेक्जेंडर की पत्नी काफी तनाव में आ गई थीं। उसने रक्षाबंधन के त्योहार के बारे में सुना था। सो, उन्होंने भारतीय राजा पुरू को राखी भेजी। तब जाकर युद्ध की स्थिति समाप्त हुई थी, क्योंकि भारतीय राजा पुरू ने अलेक्जेंडर की पत्नी को बहन मान लिया था।

पौराणिक इतिहास का एक अन्य उदाहरण कृष्ण व द्रोपदी को माना जाता है। भगवान कृष्ण ने दुष्ट राजा शिशुपाल को मारा था। युद्ध के दौरान कृष्ण के बाएं हाथ की अंगुली से खून बह रहा था। इसे देखकर द्रोपदी बेहद दुखी हुईं और उन्होंने अपनी साड़ी का टुकड़ा चीरकर कृष्ण की अंगुली में बांधा, जिससे उनका खून बहना बंद हो गया। तभी से कृष्ण ने द्रोपदी को अपनी बहन स्वीकार कर लिया था। वर्षों बाद जब पांडव द्रोपदी को जुएं में हार गए थे और भरी सभा में उसका चीरहरण हो रहा था, तब कृष्ण ने द्रोपदी की लाज बचाई थी।

# कितने नामों वाला रक्षाबंधन

**भाई-बहन** के स्नेह के प्रतीक राखी का दिन पूरे देश में अलग-अलग तरह से मनाया जाता है, चाहे मूल भावना भले ही सब जगह एक हो। मॉरीशस, नेपाल और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में भी इस पर्व को सेलिब्रेट किया जाता है।

नेपाल में राखी का त्योहार सावन की पूर्णिमा को मनाया जाता है। लेकिन यहां इसे राखी न कहकर जनेऊ पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। इस दिन घर के बड़े लोग अपने से छोटे लोगों के हाथों में एक पवित्र धागा बांधते हैं। राखी के अवसर पर यहां एक खास तरह का सूप पीया जाता है, जिसे कवाती कहा जाता है।

देश के पूर्वी हिस्से उड़ीसा में राखी को गमहा पूर्णिमा के नाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घर के गायों और बैलों को सजाते हैं, और एक खास तरह की डिश, जिसे मीठा और पीठा कहा जाता है, बनाते हैं। राखी के दिन उड़ीसा में मीठा और पीठा को अपने दोस्तों और रिश्तेदारों में बांटा जाता है। यही नहीं, इस दिन राधा-कृष्ण की प्रतिमा को झूले पर बैठाकर झूलन यात्रा मनायी जाती है।

महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा में राखी को नराली पूर्णिमा के नाम से मनाया जाता है। इस दिन नारियल को समुद्र देवता को भेंट किया जाता है। नराली शब्द मराठी से आया है और नराली को नारियल कहा जाता है। समुद्र देवता को नारियल चढ़ाने के कारण ही इसे नराली पूर्णिमा कहा जाता है।

उत्तराखंड के कुमाऊं इलाके में रक्षाबंधन को जानोपुन्यु कहा जाता है। इस दिन लोग अपने जनेऊ को बदलते हैं। जनेऊ एक पवित्र धागा है, जो यहां के लोग पहनते हैं।

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड में इसे कजरी पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। यह किसानों और महिलाओं के लिए एक खास दिन होता है।

गुजरात के कुछ हिस्सों में रक्षाबंधन को पवित्रोपन के नाम से मनाया जाता है। इस दिन गुजरात में भगवान शिव की पूजा की जाती है।

पश्चिम बंगाल में रक्षाबंधन को झूलन पूर्णिमा के नाम से मनाया जाता है। इस दिन भगवान कृष्ण और राधा की पूजा की जाती है, साथ ही महिलाएं अपने भाइयों के अच्छे जीवन के लिए उनकी कलाइयों पर राखी बांधती है।

तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश, गोवा, कोंकण और उड़ीसा में भी लोग राखी को बड़े धूमधाम से मनाते हैं। इस दिन लोग एक तरह के पवित्र धागे को बदलते हैं और तरह-तरह के पकवान बनाते और खाते हैं।

# पैसों का पेड़

**पैसों का पेड़! भई खूब। ऐसा पेड़ मिल जाए तो कहने ही क्या। आप कहेंगे कि कैसा मजाक है, भला पैसों का पेड़ भी होता है? पर एक महात्मा जी ने एक नौजवान को ऐसे ही पेड़ के दर्शन कराये और उससे खूब पैसे भी बरसे। कहानी पढ़िये और पेड़ से पैसे कैसे बरसते हैं, यह जानिये।**

**तपोवन** में एक महात्मा तपस्या में वर्षों से लीन थे। उनकी एक विशेषता यह थी कि वे प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार को आस-पास के गांवों के लोगों को उपदेश देते थे और उनकी समस्याओं का समाधान भी करते थे। लोगों में उनकी लोकप्रियता बहुत थी।

एक नौजवान महात्मा जी के उपदेशों को सुनने के लिए हर महीने जाता था। लोग अपनी बातें भी उनके सामने रखते और महात्मा जी तुरन्त उनका निदान भी करते। नौजवान ने कभी भी उनसे अपने बारे में कुछ नहीं पूछा।

माह के ऐसे ही मंगलवार को तपोवन में महात्मा जी की कुटिया के पास भीड़ जमा थी। उपदेश देने के बाद महात्मा की दृष्टि उस युवक पर पड़ी। युवक ने महात्मा जी को प्रणाम किया। उन्होंने इशारा करके उस युवक को अपने पास बुलाया और पूछा, 'बच्चा! मैं देख रहा हूं कि तुम बड़ी श्रद्धा के साथ हर महीने मेरे पास आते हो, किंतु कभी अपनी समस्या मेरे सामने नहीं रखी...। □या बात है?'

युवक बोला, 'महात्मा जी मेरी समस्या बड़ी है और उसका समाधान आपके पास नहीं है, इसीलिए मैंने आप से कुछ नहीं कहा।'

'ऐसी कौन-सी बात है जिसका समाधान हमारे पास नहीं है। शायद तु□हें हम पर विश्वास नहीं है।' महात्मा ने कहा।

वह बोला, 'महात्मा जी ऐसा कोई पेड़ है जो पैसे बरसाता हो?' महात्मा जी उसका प्रश्न सुनते ही आश्चर्य में पड़ गये। कुछ देर वे खामोश रहे तो फिर युवक ने कहा, 'देखा! महात्मा जी आपके पास में मेरी बात का उ□ार नहीं है न!'

महात्मा जी मुस्कराये और बोले, 'बेटा, तुम एक पेड़ की बात करते हो, मैं पैसों का बाग बता सकता हूं, जिसके एक-एक पेड़ से पैसा बरसता है।' यह सुनकर युवक हैरान रह गया। वह पैर पकड़कर बोला, 'महाराज बताइये ना ऐसा बाग।' महात्मा जी बोले, 'बेटा, ऐसे बाग को देखने के लिए तुझे क से ख वर्ष तक इंतजार करना पड़ेगा। □या तुम इतना इंतजार कर सकते हो?'

'□यों नहीं महाराज..... मैं इससे भी अधिक इंतजार कर सकता हूं,' युवक ने कहा। महात्मा ने फिर कहा, 'इसकी एक शर्त है.....।'

'कैसी शर्त महात्मा?' वह बोला।

'देखो, तु□हें मेरी कुटिया के पास पड़ी खाली जमीन पर कुछ पौधे लगाने होंगे और उनकी देखभाल करनी होगी। जब वे बड़े हो जाएंगे तो मैं तु□हें पैसे लटकते हुए दिखाऊंगा और तुम फिर उसे झाड़ भी सकते हो,' महात्मा जी ने कहा।

युवक तैयार हो गया। महात्मा जी अपनी तपस्या छोड़कर उस युवक को चमत्कार दिखाने की तैयारी में लग गये। जैसे-जैसे महात्मा जी कहते गये, वह करता चला गया। जमीन को जोता, फिर पौधे लगाये। उन्हें सींचा तो वे पौधे धीरे-धीरे पेड़ों का रूप धारण करने लगे। एक दिन ऐसा आया कि सारे बाग में बड़े-बड़े पेड़ फलों से लदे खड़े थे। युवक ने पूछा, 'महात्मा जी आपके कहे अनुसार मैंने लगभग पन्द्रह साल आपकी जमीन पर काम किया, किंतु पेड़ों पर रुपए-पैसे लगने की बजाय फल लग गये.....आपका वचन तो झूठा निकला.....।'

महात्मा बोले, 'बच्चे जरा ठहरो, अभी पैसे बरसते हैं इन पेड़ों से.....।' युवक ने देखा कि अचानक ही एक गाड़ी आकर वहां पर रुकी। उसमें से एक सेठ जी निकले। उनके साथ दो-चार आदमी और थे। शायद सेठ जी के मुनीम थे। सेठजी ने महात्मा जी को प्रणाम कर आशीर्वाद लिया और कहा, 'महात्माजी आपके आदेश पर मैं आ गया हूं। जैसा आपने कहा था, मैं करने के लिए तैयार हूं।'

महात्मा ने सेठ जी को सारा बाग दिखाया तो सेठ जी बड़े प्रसन्न हुए और उन्होंने बाग के पेड़ों का ठेका ले लिया और फलों को तोड़कर शहर में बेचने का फैसला कर लिया। पैसे देने के लिए सेठजी ने महात्मा जी को बैग दिया तो वे बोले, 'पुत्र, मुझे इन पैसों से □या लेना-देना....। ये सब इस युवक के परिश्रम का कमाल है।' महात्मा की ओर देखकर युवक ने महात्मा से पूछा, 'महात्मा जी मैं कुछ समझा नहीं..... इतने रुपए मैं सेठ जी से □यों लूं?' वे फिर मुस्कराये और बोले, 'पगले ये पैसे तु□हारे बाग के पेड़ों से बरसे हैं....।'

'वो कैसे महाराज?' युवक ने बड़े आश्चर्य से पूछा।

'अरे मूर्ख, ये पेड़ अब फल देने लगे हैं और इन फलों को सेठ जी खरीद रहे हैं। फलों के बदले पैसे मिलना ही पेड़ों से पैसा बरसना कहलाता है।' महात्मा जी उसे समझाया। नौजवान समझ गया कि उसने पन्द्रह साल तक जो मेहनत की है उसका फल इस रूप में उसे मिला है। पैसा पेड़ों से मेहनत करके बरसाया जा सकता है। उसे अपनी बात का उ□र आज मिल चुका था। उसने महात्मा जी के चरण स्पर्श किये और फिर से मेहनत में जुट गया।

– गोविन्द भारद्वाज

कहानी

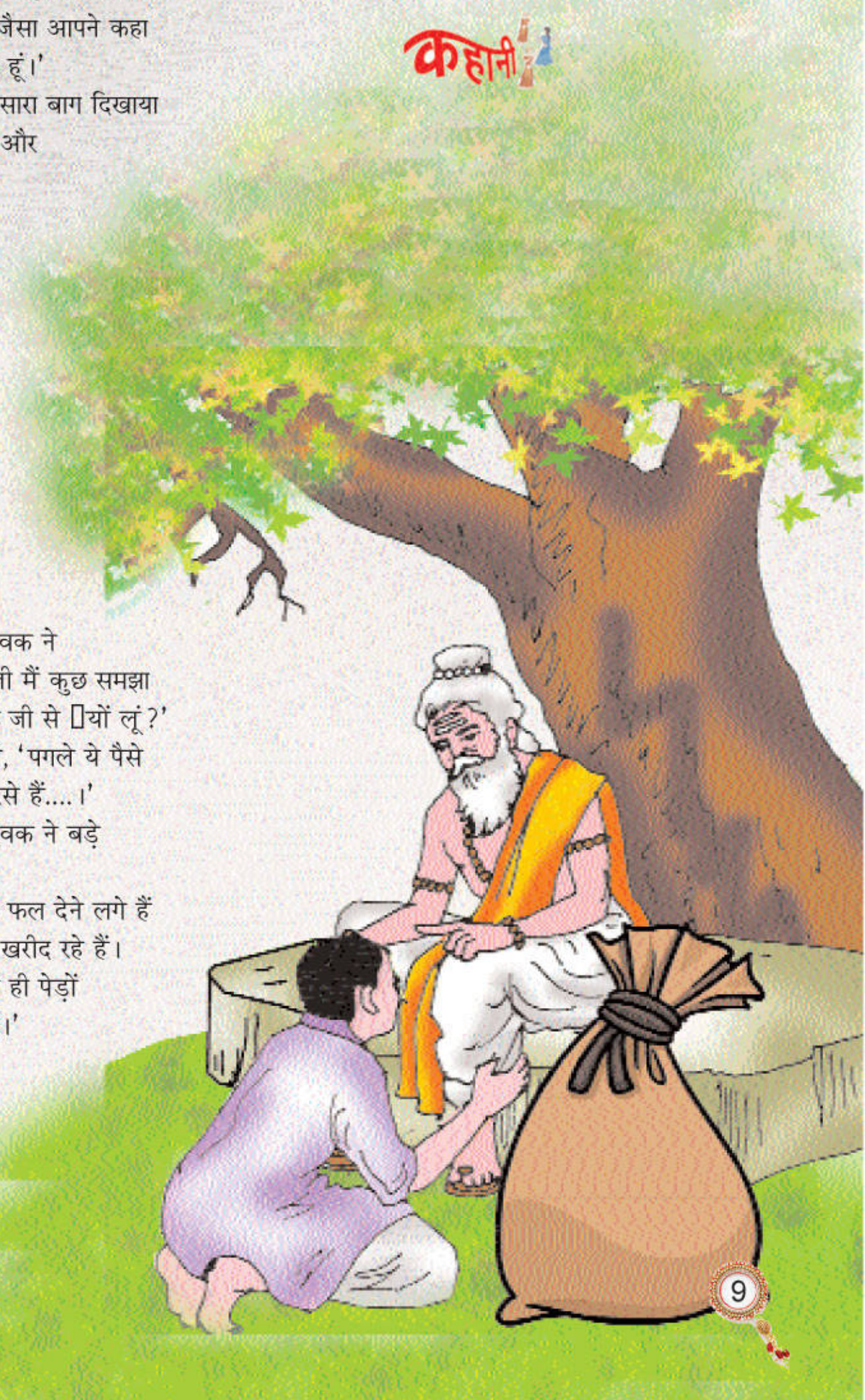

# सच्चा भाई

**चिंकी** आज बहुत उदास थी। रह-रह कर उसे रोना आ रहा था। कभी ड्रॉइंगरूम, कभी बेडरूम, कभी बाहर लॉन में जाकर वो आंसू पोंछ के आती। मां से उसकी उदासी छिपी न रह पायी। मां ने प्यार से पूछ ही लिया कि आखिर □या बात थी। वो □यों चुपचाप रोए जा रही थी? मां के पूछने पर चिंकी फफक-फफक कर रो पड़ी।

उसने मां से कहा कि आज रक्षाबंधन है। उसकी सभी सहेलियां अपने-अपने भाईयों की कलाई पर राखी बांधेगी, उनको मिठाई □िलाएंगी और उनकी ल□बी उम्र की दुआएं मांगेंगी। पर चिंकी का तो कोई भाई-बहिन ही नहीं था। बाबूजी के गुजरने के बाद वो और मां अकेले ही रहते थे। चिंकी नौ साल की हो चुकी थी और हर राखी पर उसको ऐसे ही रोना आता।

रिमझिम, गुन्न, मिट्ठू, विमी... उसकी सभी सहेलियां अपने भाईयों को राखी बांधने की बात उससे कह चुके थे, पर चिंकी को उनके भाईयों को राखी नहीं बांधनी थी। जब भी उसकी सहेलियां अपने भाईयों का दिया हुआ राखी का गि□ट उसे दिखातीं, चिंकी परेशान हो जाती। उसे गुस्सा आता कि भगवान जी ने उसे भी भाई □यों नहीं दिया।

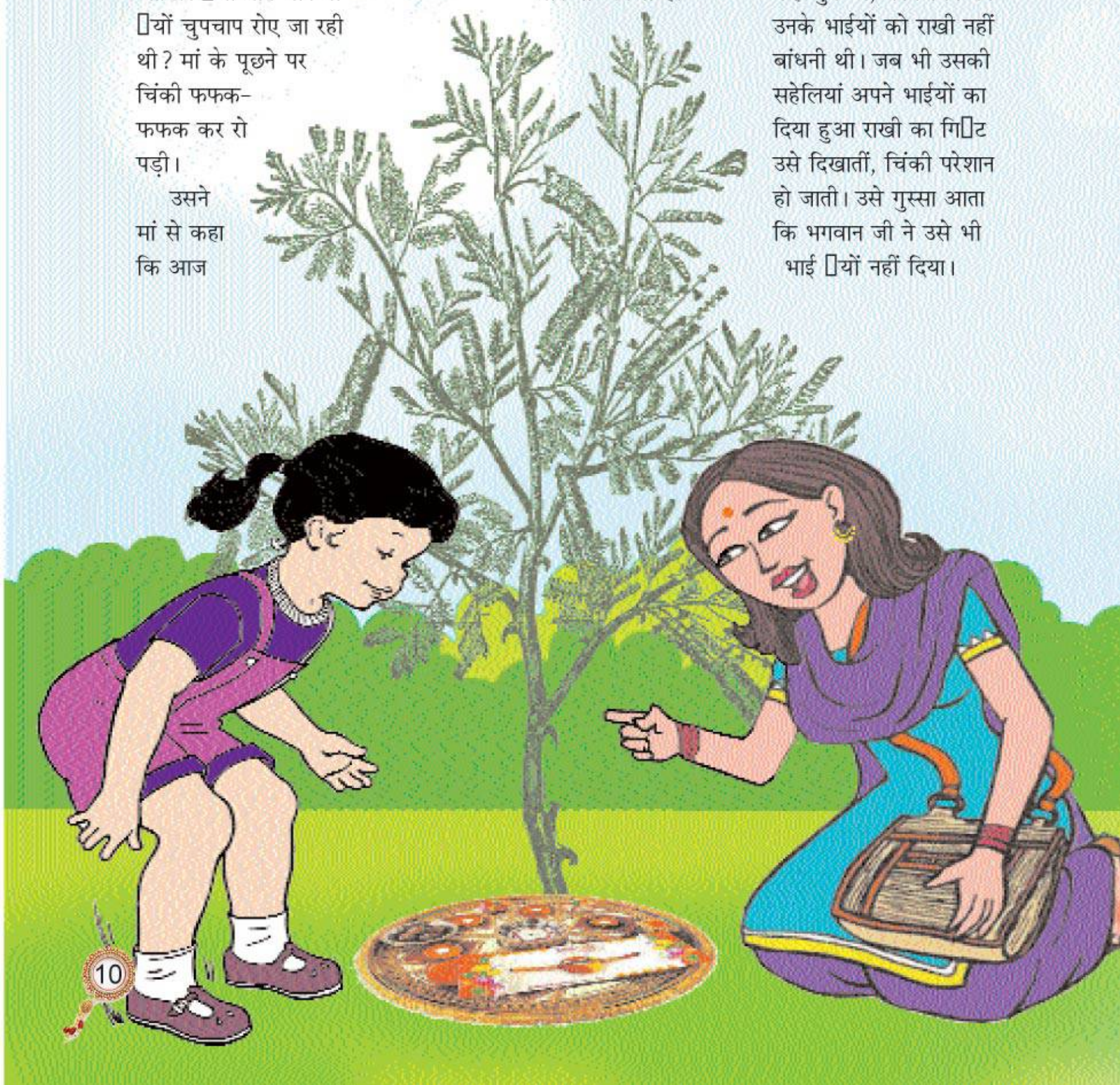

कहानी

मां से उसका दुख देखा नहीं गया। वो बाजार गई और कुछ ले के आयी। एक बड़ा-सा डि□बा था। चिंकी को उन्होंने नहा-धोकर तैयार होने को कहा।

नये कपड़े पहन कर चिंकी तैयार हो के आयी। मां ने तब तक थाली में राखी, रोली, लच्छा, मिठाई, चावल... सब रख लिए थे। चिंकी को आश्चर्य हुआ। मां उसके लिए □या बाजार से भाई ले आयी थी? वो सोच रही थी।

मां ने चिंकी को घर के पिछवाड़े में बने गार्डन में चलने को कहा। वहां गड्ढा खुदा पड़ा था। शायद मां ने पहले से ही खोद रखा था। बाजार से लाए ड□बे में एक नीम का पौधा मां ने निकाला और जमीन में रोप दिया।

चिंकी चुपचाप देख रही थी। पौधे की ल□बाई उसी के बराबर थी। अब मां ने चिंकी को थाली पकड़ाते हुए कहा, 'लो राखी बांधो, आज से यह नीम का पेड़ ही तु□हारा भाई है।' चिंकी असमंजस में थी। उसने मां की ओर देखा। मां ने चिंकी के हाथ पकड़कर पौधे के तने पर टीका करवाया। डाल पर लच्छा पहनवाया और राखी बंधवाई। फिर मिठाई चिंकी के मुंह में डाल दी ।

मां चिंकी के लिए गि□ट भी लायी थी। सुन्दर-सा पेंसिल-बॉ□स था। चिंकी का रोना तो थम गया था, पर खुश वो अब भी नहीं थी। एक पेड़ उसका भाई कैसे बन सकता था, वो समझ नहीं पा रही थी।

मां ने समझाया कि रक्षाबंधन पर हम सभी अपने भाईयों को राखी बांध कर उनसे अपनी रक्षा का वचन लेते हैं न! जैसे बहुत साल पहले रानी कर्मवती ने हुमायूं को राखी भेजकर लिया था।' चिंकी ने सिर हिलाया।

'पेड़ भी तो हमारी रक्षा करते हैं। गर्मी, ठंड, अकाल, बाढ़... सभी से हमें बचाते हैं। इन्हीं से हमें जीवनदायी ऑ□सीजन मिलता है। हमारी धरती का तापमान इनसे ही कंट्रोल में रहता है। हमें छाया, खाना, दवाईयां, तेल, साबुन, लकड़ी, रबर, पर□यूम... सभी पेड़ों से ही मिलता है। आज ग्लोबल वार्मिंग से धरती गर्म हो रही है तो वह इन पेड़ों के कटने की वजह से ही तो है। बारिश को लाने में भी इन पेड़ों का ही योगदान है।'

चिंकी बड़े ध्यान से सुन रही थी। उसे अब एक पेड़ को भाई बनाने पर गर्व होने लगा था।

'पर मां... यह और भाईयों की तरह हंस-बोल तो नहीं सकता ना,' चिंकी ने पूछा।

'□यों नहीं,' मां बोली।

'शोध बताते हैं कि पेड़ों में जान होती है। अच्छे वातावरण और प्यार से रखने पर वो जल्दी पनपते हैं, उनमें भी भावनाएं होती हैं। वे चल नहीं सकते तो □या....। आप उन्हें महसूस करो वे भी प्रतिक्रिया देंगे,' मां ने बताया। मां विज्ञान की अध्यापिका थीं और सारे आंकड़े उन्हें मुंहजबानी याद थे।

'ये बेचारे वृक्ष हमें इतना कुछ दे के भी कुछ नहीं मांगते हैं और हम बेवजह इन्हें कभी जरूरत के लिए, तो कभी वैसे ही मार डालते हैं।'

'नहीं मां, यदि यह पेड़ मेरी रक्षा कर सकता है, मुझे जीवन दे सकता है, तो मैं भी फर्ज निभाऊंगी। अपने भाई को मरने नहीं दूंगी। खाद और पानी से रोजाना उसका मुंह मीठा करवाऊंगी,' चिंकी बोली।

'प्रदूषण से यदि ये हमें बचाते हैं तो मैं भी इनकी बहिन बनूंगी,' चिंकी ने गार्डन में जाकर नीम के पौधे को चूम लिया। उसकी आंखों से आंसू बह रहे थे। पर ये आंसू अब खुशी के थे। उसे एक सच्चा भाई जो मिल गया था।

# देने का आनंद

**किसी** नगर में एक गुरु का आश्रम था। एक बार गुरुजी अपने एक शिष्य (जो एक सम्पन्न परिवार से था) के साथ कहीं जा रहे थे। रास्ते में उन्होंने एक जगह पर देखा कि पुराने हो चुके एक जोड़ी जूते वहां उतरे पड़े हैं।

जूते संभवतः पास के खेत में काम कर रहे गरीब मजदूर के थे, जो अब अपना काम खत्म कर घर वापस जाने की तैयारी कर रहा था। शिष्य को मजाक सूझा। उसने अपने गुरु से कहा, 'गुरुजी, क्यों न हम ये जूते कहीं छिपाकर झाड़ियों के पीछे छिप जाएं। जब वह मजदूर इन्हें यहां न पाकर परेशान होगा, तो बड़ा मजा आएगा।' यह सुनकर गुरु ने गंभीर स्वर में कहा, 'किसी गरीब के साथ इस तरह का भद्दा मजाक करना ठीक नहीं है। अगर तुम्हें मजदूर की प्रतिक्रिया देखना ही है, तो कुछ अलग भी किया जा सकता है। क्यों न हम इन जूतों में कुछ सिक्के डाल दें और छिपकर देखें कि इसका मजदूर पर क्या प्रभाव पड़ता है।'

शिष्य ने ऐसा ही किया। इसके बाद वे दोनों पास की झाड़ियों में छिप गए। मजदूर जल्द ही अपना काम खत्म कर घर जाने के लिए वहां आ खड़ा हुआ। मगर उसने जैसे ही अपना एक पैर जूते में डाला, उसे किसी कठोर चीज का आभास हुआ। उसने जल्दी से जूता हाथ में लिया और उसके भीतर झांककर देखा तो पाया कि उसमें कुछ सिक्के पड़े हैं। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ और वह सिक्कों को हाथ में लेते हुए गौर-से उलट-पलटकर देखने लगा। फिर उसने आस-पास निगाह दौड़ाई, मगर उसे वहां कोई नजर नहीं आया। किसी को न पाकर उसने सिक्के अपनी जेब में डाल लिए। अब उसने पहनने के लिए दूसरा जूता उठाया, किंतु उसमें भी सिक्के पड़े थे। यह देखकर मजदूर भाव-विह्वल हो गया। उसने हाथ जोड़कर ऊपर की ओर देखते हुए कहा, 'हे ईश्वर, समय पर मिली इस सहायता के लिए उस अनजान सहायक का लाख-लाख धन्यवाद। उसकी दया के कारण आज मेरी बीमार पत्नी को दवा और भूखे बच्चों को भरपेट रोटी मिल सकेगी।'

मजदूर की बातें सुनकर शिष्य की आंखें भर आईं। तब गुरुजी ने उससे कहा, 'क्या तुम्हारी मजाक वाली बात की अपेक्षा जूते में सिक्का डालने से तुम्हें कम खुशी मिली?' शिष्य बोला, 'आपने आज मुझे जो पाठ पढ़ाया है, उसे जीवनभर नहीं भूलूंगा। आज मैं समझ गया हूं कि लेने की अपेक्षा देना अधिक सुखदायी है। देने का आनंद असीम है।

*सीख : हमें हमेशा दूसरों की तन-मन-धन से सहायता करनी चाहिए।*

सीख सुहानी

# परोपकार से मिलता है पुण्य

**एक** रात जब बहुत जोर का तूफान आ रहा था, एक बौना गांव में आया। बारिश के कारण उसके वस्त्र पूरी तरह भीग चुके थे और वह परेशान, थका हुआ ठंड के कारण कांप रहा था। इस करुणाजनक दशा में वह गांव में दर-दर शरण मांगता फिरता रहा, परंतु किसी ने उस बेचारे पर दया नहीं की।

उसी गांव में एक गड़रिए का मकान था। वह सदाचार को बहुत महत्त्व देता था। जब उसने उस बौने की खड़खड़ाहट सुनी तो वह तुरंत दरवाजे पर पहुंचा और उसे देखते ही बोला, 'भीतर आओ मित्र। इस घर में तुम्हारा स्वागत है। आग के सामने अपने कपड़े सुखा लो और कुछ खा लो।' बौने को उसके इस प्रेमपूर्ण व्यवहार से बड़ा संबल मिला। उसने अंदर आकर अपने गीले वस्त्रों को निचोड़ा और उन्हें अग्नि पर सुखाया।

जब कपड़े सूख गए तो उसने गड़रिए के साथ बैठकर भोजन किया और थोड़ी देर विश्राम के बाद चलने की तैयारी करने लगा। इस पर निर्धन गड़रिए ने कहा, 'मित्र, इस तूफानी रात में तुम्हें बाहर नहीं जाना चाहिए। आज रात तुम यहीं विश्राम करो। इसे अपना ही घर समझो।' बौना उसके इस सद्व्यवहार से तृप्त और अभिभूत था। उसने कहा, 'नहीं भाई, मुझे जरूरी काम है, जाना आवश्यक है। किन्तु मैं आपके इस प्रेमपूर्ण व्यवहार को कभी नहीं भूल सकूंगा। प्रेममय व्यवहार ही सबसे बड़ा धर्म है। आज तो मैं जाता हूं, किन्तु कल आप देख लेना कि मैं आपकी कृपा को भूला नहीं हूं।' इतना कहकर वह रात्रि के अंधकार में विलीन हो गया।

गड़रिया सोचता रह गया कि आखिर वह कौन था? मानव या देवता? यही सोचते-सोचते उसकी आंख लग गई। अगले दिन सुबह गांव में भगदड़ मची थी। तूफान उग्र हो चुका था। पास की नदी में पानी वेग से बढ़ रहा था। बढ़ते-बढ़ते पानी इतना बढ़ा कि गांव के सभी घर बह गए, सिर्फ उस गड़रिए के घर को छोड़कर, जिसने बीती रात बौने को शरण दी थी।

*सीख : यदि आप दूसरों की मदद करेंगे तो परमात्मा भी विपत्ति में आपकी सहायता जरूर करेगा।*

# केरनान के साथ चांद की यात्रा

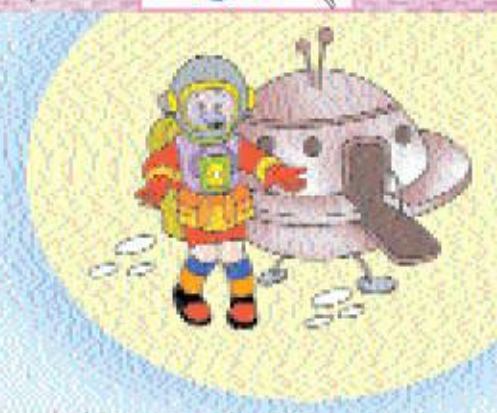

**मुझे** रात के समय आकाश को निहारना बहुत अच्छा लगता है। खासकर चांद को। रोज रात को जब मैं चांद को अपनी छत से देखता तो वहां पहुंचने की सोचने लगता। अपनी इस इच्छा की पूर्ति के लिए मैं टेलीविजन पर चांद से जुड़े हर कार्यक्रम को देखता और इससे जुड़ी हर जानकारी को किताबों से इकट्ठा करता रहता। चांद के बारे में मिलने वाली हर जानकारी मेरी उत्सुकता को और भी बढ़ा देती थी।

एक रात की बात है। मैं चांद की सतह पर कदम रखने वाले ग्यारहवें और दुनिया के अंतिम अंतरिक्ष यात्री इयुजिन केरनान के बारे में पढ़ रहा था। किताब पढ़ते-पढ़ते जाने कब आंख लग गई पता ही नहीं चला। कुछ देर बाद मेरे कमरे में एक आहट-सी हुई। मैंने पाया कि मेरे कमरे में कोई है। मैं डर के मारे हड़बड़ाहट में उठ गया। मैंने जैसे ही कमरे में रोशनी की, मेरी खुशी का पारावार न रहा। मेरे सामने इयुजिन केरनान खड़े थे। मैं केरनान को देखकर हैरान था। चांद की सतह पर पांव रखने वाला अंतिम अंतरिक्ष यात्री आज मेरे बिल्कुल नजदीक खड़ा था। इससे पहले कि मैं कुछ कह पाता, केरनान ने मुझसे पूछा, '□या मेरे साथ चांद की यात्रा पर चलोगे?'

मैंने झट् से हां कर दी। यह तो मेरे लिए सपना साकार होने वाली बात थी। मेरे हां करते ही केरनान मुझे बाजू से पकड़कर अपने साथ कमरे के बाहर ले आए। केरनान मेरे मनपसंद अंतरिक्ष यात्रियों में से एक है। मैंने केरनान के बारे में बहुत कुछ पढ़ रखा था। मुझे यह भी पता था कि केरनान अपनी पिछली यात्रा के दौरान अपना कैमरा चांद की सतह पर ही भूल आए थे।

मैंने केरनान से इस बार की यात्रा के बारे में पूछा तो केरनान ने मुझे बताया कि मैं इस बार किसी खोज के मकसद से नहीं, बल्कि अपने निजी काम के सिलसिले में चांद पर जा रहा हूं।

'कैसा निजी काम सर?' मेरा सवाल था।

पृष्ठ संख्या 14-15 पर जारी...

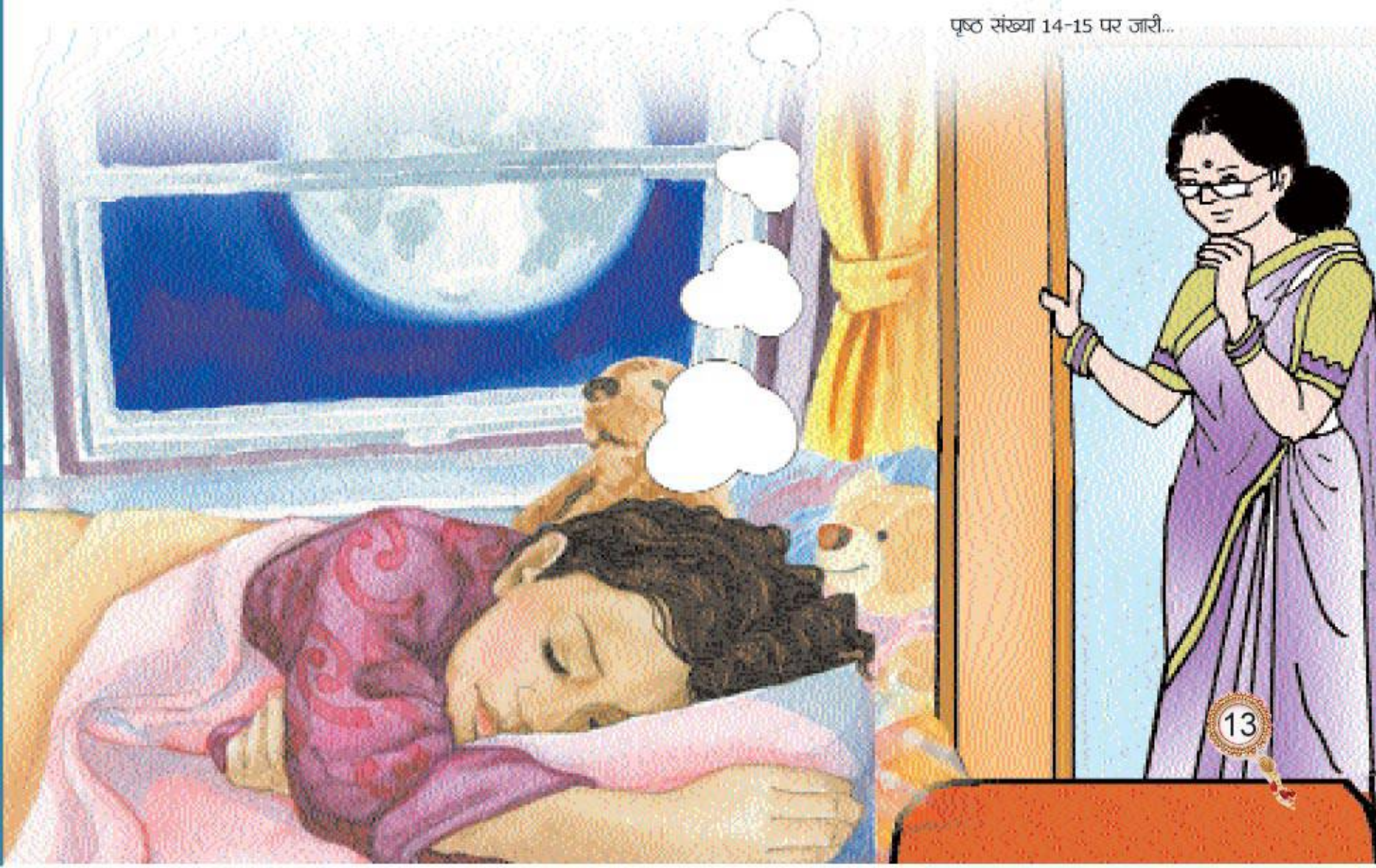

पृष्ठ संख्या 13 से जारी...

मैं उसे लाने चांद पर जा रहा हूं। यह कैमरा मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस कैमरे में मेरी वे सारी अनमोल यादें हैं जिन्हें मैं कभी खोना नहीं चाहता।'

'बिल्कुल सर। परंतु आप कैमरा वहां कैसे भूल गये?'

'मैं चांद की धरती पर पहुंचकर अपने आप को सबसे भाग्यशाली मान रहा था। चांद की सतह पर पहुंचकर मैं इसमें ऐसा खो गया था कि वापिस आते समय मुझे अपने कैमरे का जरा भी ध्यान नहीं रहा। पता नहीं यह कैसे हो गया। जब हमारा यान पृथ्वी की ओर बढ़ चुका था, तब मुझे कैमरे की याद आयी। लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। हमारा वापिस मुड़ना अब संभव न था। लेकिन आज मैं जब अपनी चंद्र-यात्रा की एक फोटो एलबम तैयार करने की सोच रहा हूं तो इसके साकार रूप के लिए उन फोटो का होना मेरे लिए अति आवश्यक है।'

'जी, यह तो है। सर क्या मैं आपसे एक बात पूछ सकता हूं।'

'पूछो।' केरनान ने सहज होते हुए कहा।

'आपने इस यात्रा में अपने साथ मुझे ही क्यों चुना सर?'

'तुम मुझे बहुत पढ़ते हो। चांद पर जाने से पहले जैसे मैं चांद के बारे में सोचता था, वैसे ही मेरी तरह तुम भी सोचते हो। इसलिए मैंने इस यात्रा के लिए अपने साथ तुम्हें चुना। हम दोनों की खूब पटेगी।'

केरनान की बातों से मैं अपने को गौरवान्वित महसूस कर रहा था। थोड़ी ही देर में हम दोनों स्पेस सूट पहनकर मेरे आंगन में खड़े अंतरिक्ष यान में बैठ गए। यान अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त था। यान हमारे मन की तरंगों को समझकर काम कर रहा था। केरनान ने बताया कि अब अत्याधुनिक यान आ चुके हैं, लेकिन हमारे समय में इतनी सुविधाएं नहीं थीं।

'जी सर, यह तो अवश्य हुआ है।' मैंने उनकी बात का समर्थन किया।

'केरनान सर, क्या मैं आपसे एक बात पूछ सकता हूं?' थोड़ा हिचकते हुए मैं फिर बोला।

'जरूर-जरूर....,' केरनान बोले।

'सर, जब आप चांद की तरफ जा रहे थे तो आपको इस अनजान-सी दुनिया के बारे में डर नहीं लग रहा था क्या?'

मेरी इस बात पर केरनान हंसे और बोले, 'बिल्कुल, मुझे उस वक्त बहुत डर लग रहा था। लेकिन मेरे इरादों के आगे शायद डर बहुत छोटा पड़ गया था।' हम बातें किए जा रहे थे और यान हमें अपनी गति से चांद के नजदीक लाता जा रहा था। ऐसा लग रहा था, मानो हम अभी इन टिमटिमाते तारों को छू जाएंगे।

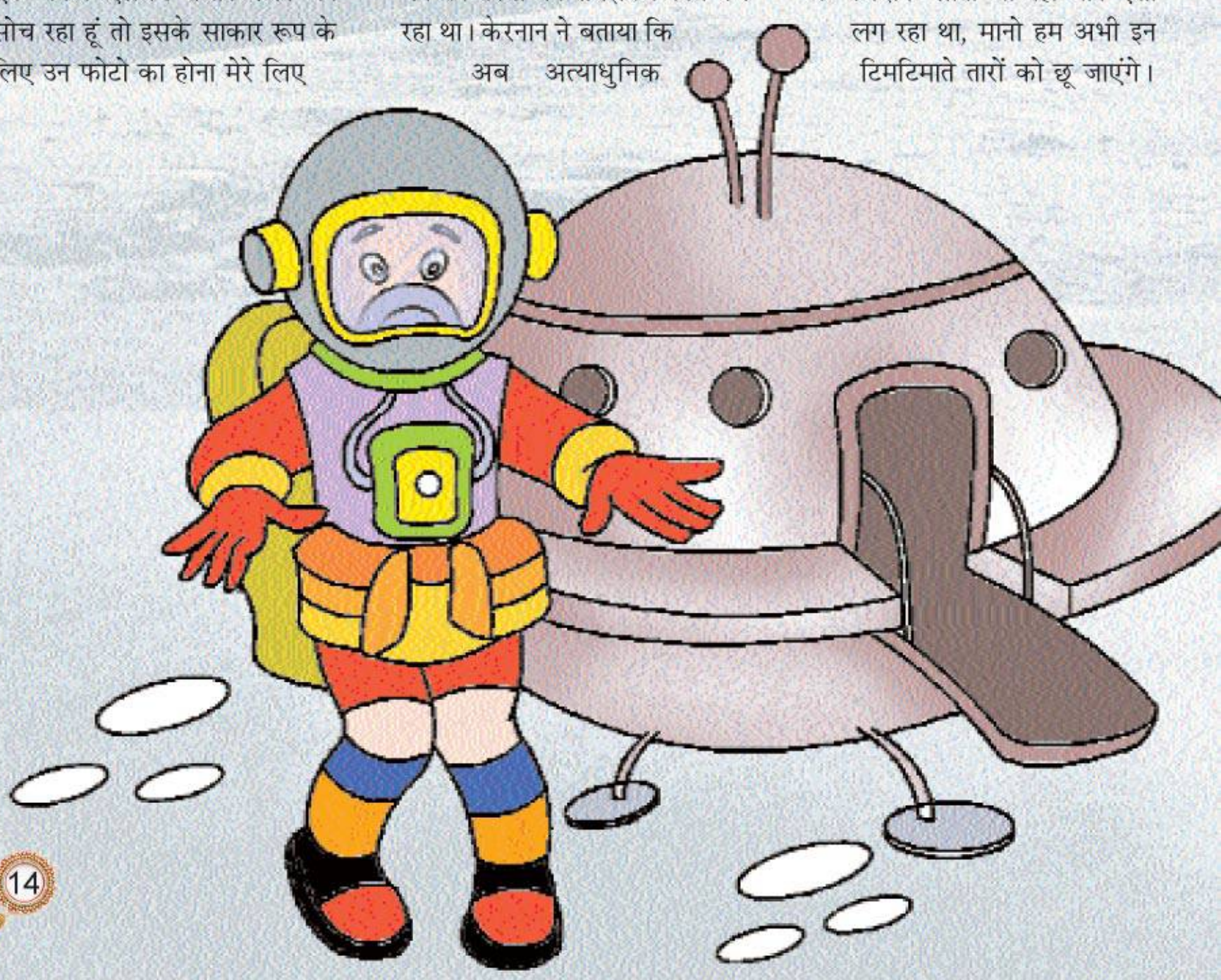

पूरा अंतरिक्ष तारों की जगमगाहट से दीवाली की रात की तरह जगमगा रहा था। यह प्रकाश अंतरिक्ष में होने वाले तारों के विस्फोट के कारण होता है जो लगातार चलता रहता है। इस ऊंचाई से पृथ्वी हल्की पीली और काली दो रंगों की एक सुंदर गेंद की तरह नजर आ रही थी। सूर्य का एक ओर से गिरता प्रकाश पृथ्वी के एक हिस्से को रोशन किए हुए था, जबकि दूसरा हिस्सा घोर अंधकार में डूबा हुआ था। केरनान ने मुझे बताया कि जहां इस व□त रोशनी है, वह अमेरिका वाला हिस्सा है और वहां अभी-अभी सुबह हुई है। पृथ्वी के जिस तरफ घना अंधेरा है, वह एशिया महाद्वीप है जिसमें तु□हारा भारत भी है। इस व□त वहां रात है। सचमुच यह दृश्य बहुत ही खूबसूरत था।

अब हमारा यान चांद की सतह के ऊपर था। फिर धीरे-धीरे हमारा यान चांद की सतह पर उतर गया। मेरी खुशी का ठिकाना न था। आज मेरा सपना पूरा हो चुका था। आज मेरे पांव चांद की जमीन को छू रहे थे। चांद पर गुरुत्वाकर्षण बल पृथ्वी से कम है। इसलिए जब हम पैर नीचे रख रहे थे तो वे उस जगह के बजाय चार-पांच कदम दूर ही पड़ रहे थे।

मेरे लिए ये अविस्मरणीय पल थे। चांद पर छोटे-बड़े गड्ढे दिखाई पड़ रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे किसी जमाने में ये तालाब पानी से लबालब रहे होंगे। लेकिन आज ये पूरी तरह से सूख गए थे। केरनान ने मुझे बताया कि ये गड्ढे उल्काओं के गिरने के कारण हुए हैं। केरनान मुझे हरसंभव जानकारी देते जा रहे थे। केरनान ने मुझे यह भी बताया कि चांद के वातावरण में हवा पृथ्वी के वातावरण से बहुत ही ज्यादा कम है, जिसमें सोडियम, पोटाशियम जैसी असामान्य गैसें भी हैं।

मैं हर बात को ध्यान से सुन व समझ रहा था। लेकिन साथ ही साथ मुझे इस अनजान-सी जगह पर एक अजीब-सा डर भी लग रहा था। लग रहा था कि कहीं कोई खतरनाक एलियन हमें अपना निशाना न बना ले। लेकिन केरनान का साथ मेरे डर को छूमंतर किए जा रहा था। केरनान और मैं उस जगह की तलाश कर रहे थे, जहां वह कैमरा उनकी पिछली यात्रा में छूटा था।

इतने वर्ष पहले के कैमरे के मिलने की संभावना बहुत थोड़ी दिख रही थी। लेकिन हमने उ□मीद नहीं छोड़ी थी। हमें यहां काफी समय बीत चुका था, लेकिन हम अभी तक उस जगह को ही तलाश नहीं पाए थे जहां पिछली बार केरनान का यान उतरा था। मैं इस अजीब-सी दुनिया को देख-देखकर हैरान था। रेतीला सुनसान-सा अंतहीन मैदान एक भय पैदा कर रहा था। लेकिन साथ ही साथ मैं चांद की इस अनोखी दुनिया को अपने कैमरे में भी कैद किए जा रहा था। हम यान से काफी आगे निकल आए थे।

कहानी

अभी केरनान ने मुश्किल से ही एक कदम आगे रखा होगा कि वह चिल्लाए, 'वह देखो मेरे देश का झंडा, जो अपनी पिछली यात्रा के दौरान मैंने यहां गाड़ा था। अब हमें कैमरा यहीं-कहीं ही मिल जाएगा।'

केरनान की आंखों में खुशी की चमक थी। हम कैमरे को यहां-वहां झंडे के इर्द-गिर्द ढूंढ़ने लगे थे। झंडे की हल्की-सी दूरी पर मुझे एक उभार-सा दिखा। मैं फटाफट मिट्टी को हटाने लग गया। यह कैमरा ही था। अपने कैमरे को देखकर केरनान की खुशी का ठिकाना न था। यह केरनान के लिए एक अनमोल खजाने जैसा था। हमारा काम हो गया था। चांद पर थोड़ी देर और टहलने के बाद हम चांद को बाय-बाय कहकर यान की तरफ बढ़ चले थे।

काम खत्म करके हमारा यान पृथ्वी की ओर तेज गति से बढ़ रहा था। मैं बहुत खुश था और अपनी इस चंद्र-यात्रा के बारे में अपने मित्रों को बताने के लिए उत्सुक भी। परंतु न जाने □यों इस सफर के बीच मुझे एक डर सताने लगा था।

'□या हम पृथ्वी तक सुरक्षित पहुंच भी जाएंगे या नहीं? कहीं कल्पना चावला के यान की तरह हमारा यान तो नहीं जल जाएगा।'

मैं अभी यह सोच ही रहा था कि पायलट ने हमें सूचना दी कि यान में आग लग गई है। मैं बहुत डर गया था। अब हमारा पृथ्वी पर पहुंचना नामुमकिन था। डर के कारण मैं बेहोश हो चुका था।

'उठो बेटा, आज स्कूल नहीं जाना □या?'

मां की आवाज मेरे कानों में सुनाई पड़ रही थी। मां की आवाज से मेरी आंख खुल गई। देखा कि मैं अपने बिस्तर पर लेटा था। मुझे समझते जरा भी देर नहीं लगी कि चांद की यात्रा मात्र मेरा स्वप्न ही था। लेकिन इस स्वप्न ने मुझे एक मकसद जरूर दे दिया था।

मैंने ठान लिया था कि मैं बड़ा होकर चांद पर अवश्य अपने कदम रखूंगा और चांद से जुड़ी नई जानकारी इकट्ठी करूंगा, तथा अपने प्रिय अंतरिक्ष यात्री का कैमरा जरूर ढूंढ़ लाऊंगा। इसके लिए मुझे और ज्यादा पढ़ने की आवश्यकता थी। नाश्ता करने के बाद चांद की कल्पना संग मेरे कदम स्कूल की तरफ बढ़ते चले जा रहे थे।

-पवन चौहान

एक ईसाई युवती पादरी के सामने अपने अवगुण स्वीकार करने लगी- 'मैं घमंडी होने का पाप करती हूं, मैं दर्पण के सामने खड़ी होकर सोचा करती हूं कि मैं कितनी सुन्दर हूं।'
पादरी- 'ये कोई पाप नहीं है बेटी, यह तो तुम्हारी गलतफहमी है।'

शालु- मम्मी तुम्हें याद है वो प्लेट जिसकी तुम्हे हमेशा चिंता लगी रहती थी कि टूट न जाय।
मम्मी- हां क्यों?
शालु- तुम्हारी चिंता खत्म हुई, क्योंकि वह प्लेट टूट गई।

दो दोस्त मोटर-साइकल पर तेज रफ्तार से जा रहे थे। उन्हें एक ट्रैफिक पुलिस वाले ने रोका और कहा, 'तुम ये क्या कर रहे हो, अगर एक्सीडेंट हो गया तो?'
दोनों दोस्त बोले- 'आप चिंता मत कीजिए कांस्टेबल साहब, भगवान हमारे साथ है।'
कांस्टेबल- 'ओह! इसका मतलब एक मोटर-साइकल पर तीन आदमी! चलो चालान कटाओ।'

सुरेश- जानते हो, मेरी पत्नी बड़ी अजीब है, वह किसी भी विषय पर घंटों बोल सकती है।
नरेश- पर मेरी पत्नी तो और भी अजीब है, वह बिना किसी विषय के ही घंटों आराम से बोल सकती है।

ज्योतिषी- आज तुम्हारी पत्नी को धन की अवश्य प्राप्ति होगी।
मनन- आप सच कह रहे हैं महाराज, आज मैं अपना बटुआ घर पर ही भूल आया हूं।

खरगोश और शेर एक रेस्त्रां में पहुंचे और एक ही टेबल शेयर करने के लिए बैठ गए।
खरगोश- वेटर, मेरे लिए कुछ गाजरें ले आओ।
वेटर- जी सर, और शेर के लिए क्या लाऊं?
खरगोश- शेर को भूख नहीं है।
वेटर- ऐसा क्यों, सर?
खरगोश- तुम्हें क्या लगता है कि यदि शेर को भूख लगी होती तो क्या मैं इसके साथ यहां बैठा होता...।

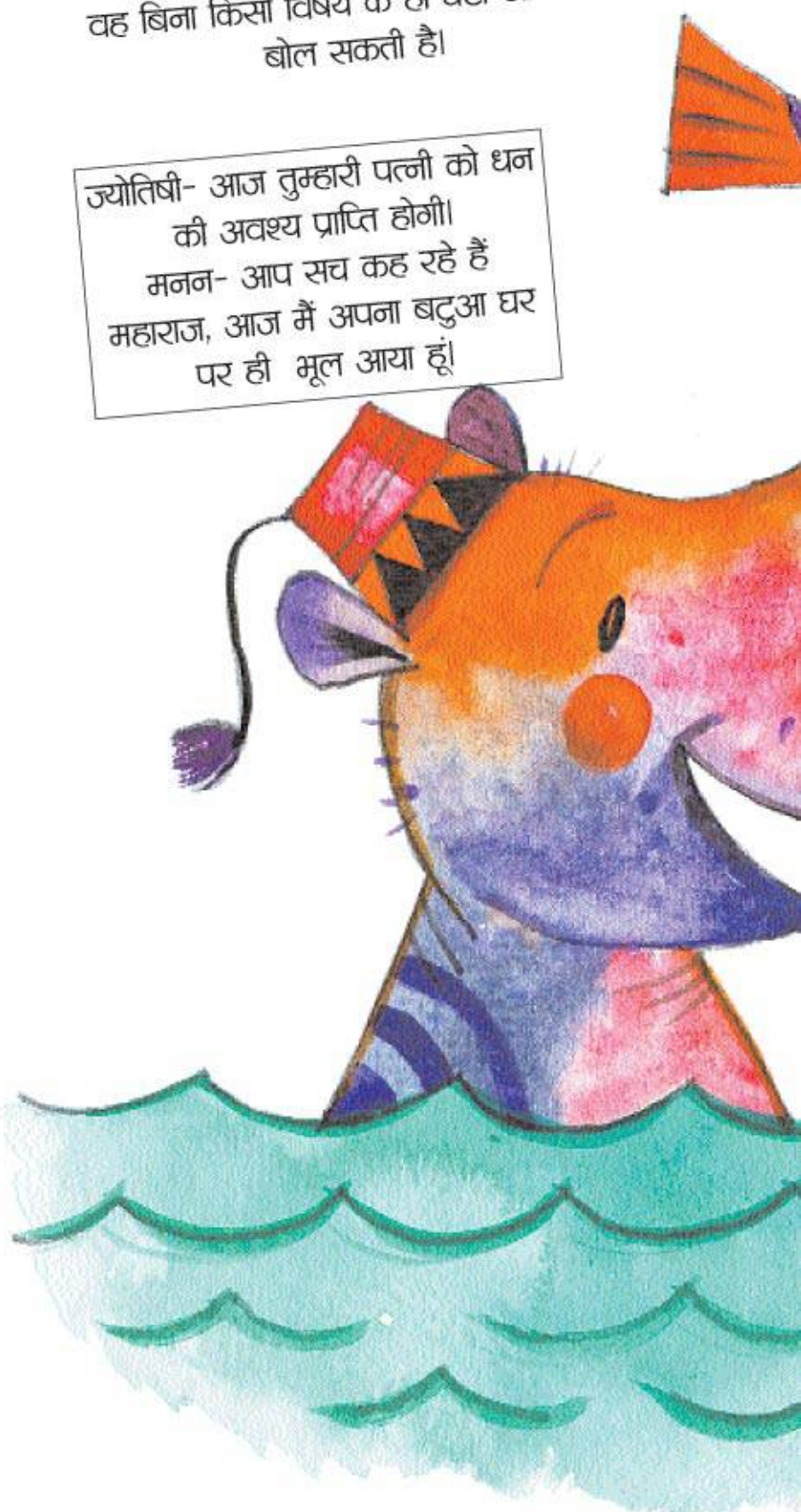

लेखक अपने मित्र से बोला- एक नॉवल लिखने में मुझे पूरा एक साल लग जाता है।
मित्र- बिना मतलब वक्त बरबाद करते हो, बीस रुपए में तो लिखा-लिखाया नॉवल मिल जाता है।

रवि- मेरे पड़ोसी का बच्चा गुम गया था।
मनोज- अरे! फिर तुमने क्या किया?
रवि- मैंने उनको कह दिया कि गूगल सर्च कर लो।

गोलू और भोलू दोनों नाव में जा रहे थे। अचानक नाव में छेद हो गया और पानी नाव के अन्दर आने लगा।
गोलू-अब क्या करें? नाव में तो पानी भरने लगा है।
भोलू-ड़रने की क्या बात है। हम एक और छेद कर देते हैं, एक छेद से पानी अन्दर आयेगा और दूसरे छेद से पानी निकल जायेगा।

आसपास लगी भीड़ में से एक आदमी ने पूछा- भले मानस, तू इसे पीट रहा है और तू ही रोते भी जा रहा है?
दुबला- पतला आदमी रोते-रोते बोला-मैं यह सोचकर रो रहा हूं कि अगर यह आदमी उठ गया तो मेरी क्या हालत करेगा?

मनोज- अमरीका में एक ऐसा कम्प्यूटर बना है जो मानव की तरह है।
मंजू- तुम्हारा मतलब है कि वह मानव की तरह सोच सकता है।
मनोज- नहीं, गलती करने पर सारी जिम्मेदारी दूसरे कम्प्यूटर पर डाल देता है।

टीपू अध्यापक से- क्या आप मेरे सच बोलने पर मुझे सजा देंगे?
अध्यापक- नहीं, बिल्कुल नहीं।
टीपू- तो ठीक है, मैंने आज होमवर्क नहीं किया...।

महक- गलियों में खेल-खेल कर बच्चे कितने गन्दे हो जाते हैं।
मानसी- हां, कल मुझे आठ बच्चों के मुहं धोने पड़े तब जाकर अपने बच्चे को पहचान सकी।

मजदूर- गधे की तरह काम करवाया और मजदूरी सिर्फ बीस रुपया...कुछ तो न्याय करो।
मालिक- ठीक है, यह न्याय मांगता है तो इससे रुपए ले लो और इसके आगे घास डाल दो।

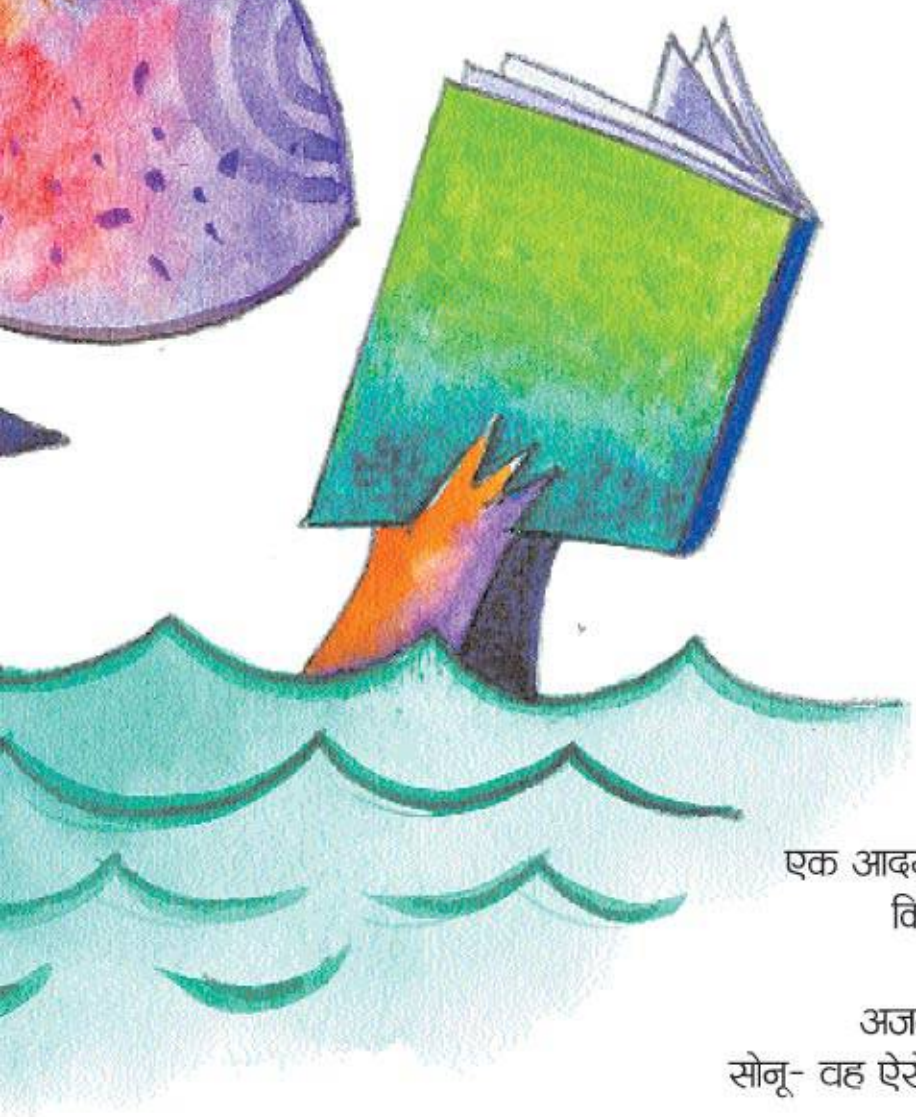

कुमार- यह मेरे मित्र की कब्र है, इसके पास जो कुछ भी था, वह सब अनाथ आश्रम को दे गया था।
सूरज- धन्य है तुम्हारा मित्र, वैसे अनाथ आश्रम को दिया क्या है?
कुमार- चार बेटे और एक बेटी।

एक आदमी दो साल का बच्चा गोद में लिए घूम रहा था।
किसी ने उससे पूछा- ये तुम्हारा कौन है?
सोनू- यह मेरा दूर का सगा भाई है।
अजनबी- अरे दूर का और फिर सगा भाई है।
सोनू- वह ऐसे कि मेरे और इसके बीच आठ भाई-बहन और हैं।

S: Splendid and
I : Incredible
S: Siblings
T: Towering our life with
E: Exuberance and
R: Responsiveness at all times!

HAPPY RAKSHA BANDHAN!

## Rakhi Quotes

THERE'S NO OTHER LOVE LIKE
.THE LOVE FOR A BROTHER
THERE'S NO OTHER LOVE LIKE
THE LOVE FROM A BROTHER

"After a girl is grown, her little brothers - now her protectors - seem like big brothers"

Sister is someone who is
caring and sharing...
sister can understand things
you never said...
sister can understand pain
which is not visible to anyone...
I love my sister

You never say no,
You never say thats impossible
And you never say you can t.
That s my Bro,
A superman who make thins
Possible and who make paths
smoother.
I love you

R - Re-affirming love and affection
A - A prayer for long life & success
K - Keeping memories alive
H - Happiness and laughter
I - Innumerable shared stories

Spoken English Practice Lesson- 210

*बच्चो, तुहें रोजाना अपने घर-स्कूल में अंग्रेजी बोलना चाहिए। इससे अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ तो बनेगी ही, साथ ही तुहारी अंग्रेजी बोलने में होने वाली हिचकिचाहट भी दूर होगी और कॉन्फिडेंस भी बढ़ेगा। यहां तुहें रोजाना घर-बाहर बातचीत में काम में आने वाले वाय दिए जा रहे हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और*

क. तुम या पढ़ते हो?
What do you study?
व्हाट डू यू स्टेडी?

ख. तुम कहां पढ़ते हो?
Where do you study?
व्हेअर डू यू स्टेडी?

फ. तुम किस स्कूल में हो?
Which school are you at?
व्हिच स्कूल आर यू एट?

ब. तुम किस स्कूल में जाते हो?
What school do you go to?
व्हाट स्कूल डू यू गो टू?

भ. तुम किस साल में पढ़ते हो?
Which year are you in?
व्हिच ईयर आर यू इन?

म. मैं विश्वविद्यालय में अपने प्रथम वर्ष में हूं।
I'm in my first year at university.
आई एम इन माई फर्स्ट ईयर ऐट यूनिवर्सिटी।

ख्र. या तुहारी कोई परीक्षा आ रही है?
Do you have any exam coming up?
डू यू हैव एनी एग्जाम कमिंग अप?

त. मैं अभी ही स्नातक हुआ हूं।
I've just graduated.
आई हैव जस्ट ग्रेजूएटेड।

-. या तुम विश्वविद्यालय गये थे?
Did you go to university?
डिड यू गो टू यूनिवर्सिटी।

क. मैं विश्वविद्यालय नहीं गया।
I didn't go to university.
आई डिडन्ट गो टू यूनिवर्सिटी।

## Antonyms

| | |
|---|---|
| Vowel-स्वर | Consonant-व्यंजन |
| War-युद्ध | Peace-शांति |
| Warm-गर्म | Cool-ठंडा |
| Waste-बर्बाद | Save-बचाना |
| Wet-गीला | Dry-सूखा |

## Word-Power

- Attribute-विशेषता, उारदायी ठहरना Auspices-आश्रय, तावधान
- Authorize-अधिकृत Maturity-परिपवता
- Concert-संगीत समारोह Journal-समाचार पत्र
- Distinct-स्पष्ट, अलग Furthermore-इसके अलावा

## English-Hindi Phrases

During this period- इस अवधि में।
Duration of sanction- मंजूरी की अवधि।
During the course of discussion- चर्चा के दौरान।
During the term of office- कार्यकाल में, पदावधि में।
Early action in the matter is requested-
अनुरोध है कि इस मामले में शीघ्र कार्रवाई करें।

## Synonyms

Answer-
Reply,
Respond,
Retort,
Acknowledge.

**IDIOM**

**Brand New-** Absolutely New (Flamante)
He was finally able to buy a brand new car.

- डॉल्फिन का वैज्ञानिक नाम है डेल्फिनिडे।
- दुनिया के सभी महासागर, खारे पानी या साफ पानी की झीलों में डॉल्फिन पाई जाती है। केवल कैस्पियन और सेंट्रल एशिया स्थित खारे पानी की एरल झील में डॉल्फिन नहीं मिलती।
- डॉल्फिन कुशल तैराक होती है। इनकी एक प्रजाति बॉटलनोज डॉल्फिन तीस किलोमीटर प्रति किलोमीटर की रफ्तार से तैर सकती है।
- डॉल्फिन की औसत उम्र तकरीबन 20 साल होती है।
- बोटलनोज डॉल्फिन की औसत उम्र 40 से 50 साल होती है।

- एक ज्वालामुखी में राख को 50 किलोमीटर से भी ऊपर फेंकने की शक्ति होती है।

चिंपांजी 300 अलग-अलग संकेतों को समझने की बुद्धि रखते हैं।

लाइटर में द्रवित ब्यूटेन गैस भरी जाती है।

चन्द्रमा के सिर के ठीक ऊपर आने पर उसके गुरुत्वाकर्षण के कारण आपका वजन जरा-सा कम हो जाता है।

आलू की खेती में आलू के छोटे- छोटे टुकड़ों को रोपित किया जाता है, इसलिए आलू के पौधे अपने पूर्वज पौधों के क्लोन होते है।

विश्व का सबसे बड़ा पक्षी शुतुरमुर्ग है, जबकि सबसे छोटा किवी है। दोनों उड़ने में अक्षम है।

मनुष्य के पेट में पाया जाने वाला टेपवर्म नामक कृमि 22.9 मीटर तक लंबा हो सकता है।

मानव शरीर में लगभग 60 प्रतिशत जल होता है। मस्तिष्क में 85 प्रतिशत जल है। रक्त में 79 प्रतिशत जल है और फेफड़ों में लगभग अस्सी प्रतिशत जल होता है।

वयस्क मनुष्य के शरीर में 206 हड्डियां पायी जाती हैं। जबकि नवजात शिशु के शरीर में 300 हड्डियां होती हैं। उम्र बढ़ने के साथ ही कई हड्डियां आपस में जुड़ जाती हैं। हड्डियां केल्सियम और फास्फोरस से बनी होती हैं। सबसे छोटी हड्डी कान की हड्डी स्टेपीज है।

## तथ्य निराले

मानव शरीर की सबसे मजबूत मांसपेशी जीभ होती है, जबकि सबसे मजबूत अस्थि जांघ की अस्थि फीमर होती है।

मानव शरीर का सबसे कठोर पदार्थ दांत के ऊपर पाया जाने वाला एनामिल होता है।

आप भोजन के बिना एक माह से अधिक जीवित रह सकते हो, परन्तु जल के बिना आप एक सप्ताह से अधिक जीवित नहीं रह सकते।

कुछ जीवों (जैसे जैली फिश) में उनका 90 प्रतिशत से अधिक शरीर का भार जल से होता है।

मिस्र में 138 पिरामिड हैं, लेकिन इनमें से गीजा का सिर्फ एक विशालकाय पिरामिड ही विश्व के सात आश्चर्यों की सूची में है।

कांटेदार साही का हृदय एक मिनट में तीन सौ बार धड़कता है।

**दोस्तो, क्वालालंपुर को 'ट्रू ली एशिया' कहा भी कहा जाता है। यहां कि मल्टीलेन वाली चौड़ी सड़कें और दोनों तरफ लहलहाते हरे-भरे पेड़ों की शाखाएं देखकर लगता है, मानो अभी-अभी किसी ने इन पर ब्रश से रंग किया। इस बार चलते हैं, कुदरती नजारों वाले शहर क्वालालंपुर की सैर पर...**

**गजब की इमारतें-** यहां का 'केएल टावर' ब्ख्र मीटर ऊंचा है। पाइनेपल की तरह दिखने वाले इस टॉवर पर एक ऑ□जर्वेशन प्लेटफॉर्म है, जहां से आप दूरबीन के जरिए पूरे शहर का मनोहारी नजारा देख सकते हैं। केएल टावर के ठीक नीचे बुकेट नानस फॉरेस्ट रिजर्व हैं। साढ़े दस हे□टेयर में फैले इस रिजर्व में स्त्र मीटर बोर्ड वॉक की सुविधा है।

**पेट्रोनास ट्विन टॉवर्स-** ब्भ्ख मीटर ऊंचे इन टॉवर्स को दुनिया की सबसे ऊंची इमारतों में गिना जाता है। दिलचस्प बात यह है कि हूबहू दिखने वाले इन दो टॉवरों को दरअसल दो अलग-अलग आर्किटे□ट्स ने डिजाइन किया है और इनमें इस्लामिक आर्किटे□चर की झलक देखने को मिलती है। स्टेनलेस स्टील से तैयार इस बिल्डिंग की ब्क्वीं मंजिल पर दोनों बिल्डिंगों को जोड़ने वाली स्काई लॉबी है, जहां से आप पूरे □वालालंपुर को एक नजर में देख सकते हैं।

□वालालंपुर की ऐतिहासिक इमारतें भी पर्यटकों को हमेशा से आकर्षित करती रही हैं। इन हवेलियों को देखते हुए न सिर्फ उस समय के इतिहास को जानने का एक सुनहरा अवसर मिलता है, बल्कि उन पलों में खुद की मौजूदगी का भी अहसास होता है। ऐसी ही एक हवेली है, सुल्तान अ□दुल समद बिल्डिंग, जिसे ब्रिटिश काल के दौरान बतौर हेड ऑफिस इस्तेमाल किया जाता था। इसमें बने ब्क मीटर लंबे □लॉक टॉवर और गुंबद भी खासे आकर्षक हैं।

इसके बाद 'मलयेशिया मॉन्युमेंट' देखना भी एक अलग अनुभव है। इसे उन वीर शहीदों के याद में बनाया गया है, जो वर्ष क-भ के क□युनिस्ट दंगों के दौरान मारे गए थे।

# क्वालालंपुर

'मरडेका स्कवेयर' यह वह जगह है, जहां पहली बार ब्रिटिश राज खत्म होने पर मलयेशिया का ध्वज फहराया गया था। इसलिए इसका नाम 'मरडेका' (आजादी) पड़ा। यहां पर लगा □लैग पोल दुनिया का सबसे लंबा □लैग पोल बताया जाता है और मलेशिया के सभी राष्ट्रीय दिवस यहीं मनाए जाते हैं। यहां का 'इस्ताना नेगेरा किंग ऑफ मलेशिया' महल ख एकड़ में फैला, हरे-भरे पेड़ों और दो झीलों से घिरा हुआ है। यह महल इस्ताना हिल पर स्थित है। रॉयल मीटिंग, डिप्लोमैटिक विजिट, आफिशियल फं□शन और किसी सेरेमनी के दौरान यहां का नजारा देखने लायक होता है।

**समुद्री दुनिया का रोमांच-** □वालालंपुर कन्वेंशन सेंटर में अंडरग्राउंड बने ए□वेरियम में पहाड़ियों से लेकर रहस्यमयी रेन फॉरेस्ट, पल-पल नजारा बदलते समुद्री छोर, गहरा नीला समुद्र से लकदक एक अलग व रोमांचक संसार है। यह ए□वेरियम साठ हजार स□वायर फीट में फैला है, जिसमें फ्फ हजार से ज्यादा पानी में रहने वाले जीव-जंतुओं को देखा जा सकता है। इस ए□वेरियम में मलेशियन कोस्ट की भी एक झलक देखने को मिलेगी, जहां आपको तमाम समुद्री जीव देखने को मिलेंगे। इस ए□वेरियम को देखने का रोमांच तब और बढ़ जाता है, जब इसे देखने के लिए बनाई गई सुरंगनुमा गैलरी से गुजरना होता है। यहां पर नाइट जू भी है, जहां रात को बाहर आने वाले जीवों को देखा जा सकता है।

**आस्थाएं भी हैं गहरी-** यहां के लोगों की धार्मिक आस्थाएं काफी गहरी हैं। यही वजह है कि यहां बहुत सारे मंदिर हैं, जिनमें से बाटू केव्स सबसे लोकप्रिय है। □वालालंपुर के उ□र में क्फ किलोमीटर की दूरी पर लाइमस्टोन से बनी क्क्फ साल पुरानी गुफा है बाटू केव्स। इसके अंदर हिंदू देवी-देवताओं की कई प्रतिमाएं स्थित हैं। गुफा के छेदों से छनकर आ रही रोशनी में इन अलौकिक मूर्तियों को देखकर कोई भी रोमांचित हुए बिना नहीं रह सकता। यहां एक आर्ट गैलरी भी है, जहां कई पौराणिक मूर्तियों को संग्रहित किया गया है। यहां कई छोटी-बड़ी गुफाएं हैं। दूर से ही नजर आने वाली यहां क्ब फीट ऊंची भगवान कार्तिकेय की प्रतिमा भी नजर ठहर जाती है।

# बादल क्यों फटते हैं

**बादल** फटना बारिश होने का ए□सट्रीम फॉर्म है। इसे मेघविस्फोट या मूसलाधार वर्षा भी कहते हैं। मौसम विज्ञान के अनुसार जब बादल बड़ी मात्रा में पानी के साथ आसमान में चलते हैं और उनकी राह में कोई बाधा आ जाती है, तब वे अचानक फट पड़ते हैं। पानी इतनी तेज र□तार से गिरता है कि एक सीमित जगह पर कई लाख लीटर पानी एक साथ जमीन पर पड़ता है, जिसके कारण उस क्षेत्र में तेज बहाव वाली बाढ़ आ जाती है। बादल फटने के कारण होने वाली वर्षा लगभग क मिलीमीटर प्रति घंटा की दर से होती है।

कुछ ही मिनटों में दो सेंटीमीटर से अधिक वर्षा हो जाती है, जिस कारण भारी तबाही होती है। यह तो तुम जानते ही हो कि जब नॉर्मल बारिश होती है तो धीरे-धीरे धरती उसे सोखती जाती है। लेकिन बादल फटने पर पानी इतनी ज्यादा मात्रा में गिर पड़ता है कि वह गिरते ही तेजी से निचले इलाकों की ओर बहने लगता है। जब उसे जगह नहीं मिलती तो वहां बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है। एक तो पानी का वेग बहुत तेज होता है, दूसरे इतने ही वेग से कभी-कभी ओले भी गिरने लगते हैं।

पानी के भारी फोर्स के कारण रास्ते में आने वाली चीजें ध्वस्त होती चली जाती हैं। बादल फटने के कारण मौसम विज्ञानी बताते हैं कि हमारे देश में हर साल मानसून के समय पानी से भरे हुए बादल उ□ार की ओर बढ़ते हैं। जिनके लिए हिमालय पर्वत एक बड़े अवरोधक के रूप में आता है। इसीलिए तुमने बादल फटने की ज्यादातर घटनाएं पहाड़ों की ही सुनी होंगी। इसके अतिरि□त, ये बादल जरा-सी भी गर्मी बर्दाश्त नहीं कर पाते। यदि गर्म हवा का झोंका उन्हें छू जाए तो उनके फट पड़ने की आशंका बन जाती है। दोस्तो, बादलों के फटने को और बारीकी से जानने के लिए तु□हें यह भी जानना होगा कि बादल कितनी तरह के होते हैं।

**आपने** वर्षा से पहले या वर्षा के दौरान आसमान में बिजली चमकती तो अवश्य देखी होगी। जब आकाश में बादल छा जाते हैं और तेज हवा चलती है तो बिजली चमकती है। बिजली वर्षा आने से पहले या वर्षा के बीच में भी चमकती हुई देखी जाती है। आओ जानें कि बिजली चमकती □यों है?

बादलों में नमी होती है। यह नमी बादलों में जल के बहुत बारीक कणों के रूप में होती है। हवा और जलकणों के बीच घर्षण होता है। घर्षण से बिजली पैदा होती है और जलकण आवेशित हो जाते हैं। यानी चार्ज हो जाते हैं। बादलों के कुछ समूह धनात्मक तो कुछ ऋणात्मक आवेशित होते हैं। धनात्मक और ऋणात्मक आवेशित बादल जब एक-दूसरे के समीप आते हैं तो टकराने से अति उच्च शर्□त की बिजली उत्पन्न होती है। इससे दोनों तरह के बादलों के बीच हवा में विद्युत-प्रवाह गतिमान हो जाता है। विद्युत-धारा के प्रवाहित होने से रोशनी की तेज चमक पैदा होती है। आकाश में यह चमक अकसर दो-तीन किलोमीटर की ऊंचाई पर ही उत्पन्न होती है।

बादलों की आकृति और उनकी पृथ्वी से ऊंचाई के आधार पर इन्हें कई वर्ग में बांटा गया है। पहले वर्ग में आते हैं, लो □लाउड्स। ये पृथ्वी से ज्यादा नजदीक होते हैं। इनकी ऊंचाई लगभग ढाई किलोमीटर तक होती है। इनमें एक जैसे दिखने वाले भूरे रंग के बादल, कपास के ढेर जैसे कपासी (□यूमुलस), गरजने वाले काले रंग के रुई जैसे (□यूमलोनिंबस), भूरे-काले रंग के वर्षा वाले स्ट्रेट बादल (नि□बोस्ट्राटस) और भूरे-सफेद रंग के स्ट्रेट-कपास जैसे (स्ट्रेटो□यूमुलस) बादल आते हैं।

बादलों में दूसरा वर्ग है, मध्य ऊंचाई वाले बादलों का। इनकी ऊंचाई ढाई से साढ़े चार किलोमीटर तक होती है। इस वर्ग में दो तरह के बादल हैं आल्टोस्ट्राटस और आल्टो□युमुलस। तीसरा वर्ग है, उच्च मेघों का। इनकी ऊंचाई साढ़े चार किलोमीटर से ज्यादा रहती है। इस वर्ग में सफेद रंग के छोटे-छोटे साइरस बादल, लहरदार साइरो□युमुलस और पारदर्शक रेशेयुक्त साइरोस्ट्राटस बादल आते हैं।

इन बादलों में कुछ हमारे लिए फायदेमंद हैं, तो कुछ डिजास्टर बनकर आते हैं। बादल फटने की घटना के लिए □युमुलोनिंबस बादल जि□मेदार हैं। इन बादलों को गौर से देखो तो ये बड़े खूबसूरत लगते हैं। ऐसा लगता है, जैसे आकाश में कोई बहुत बड़ा गोभी का फूल तैर रहा हो। इनकी लंबाई चौदह किलोमीटर तक होती है। □युमुलोनिंबस बादलों के बरसने की र□तार इतनी तेज होती है कि मानो आसमान से पूरी नदी उतर आई हो।

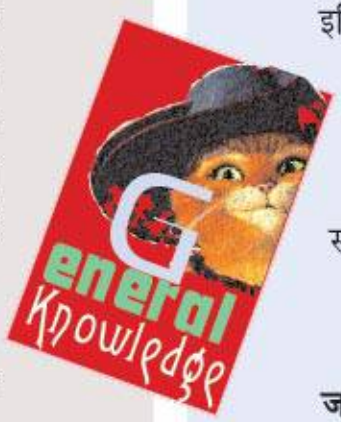


इस चमक के उत्पन्न होने के बाद हमें बादलों की गरज भी सुनाई देती है। बिजली और बादलों की गर्जना के बीच गहरा रिश्ता है। बिजली चमकने के बाद ही बादल गरजते हैं। वास्तव में हवा में प्रवाहित विद्युत-धारा से बहुत अधिक गरमी पैदा होती है। हवा में गरमी आने से यह अत्यधिक तेजी से फैलती है और इसके लाखों करोड़ अणु आपस में टकराते हैं। इन अणुओं के आपस में टकराने से ही गरज की आवाज उत्पन्न होती है।

प्रकाश की गति अधिक होने से बिजली की चमक हमें पहले दिखाई देती है। ध्वनि की गति प्रकाश की गति से कम होने के कारण बादलों की गरज हम तक देर से पहुंचती है।

# सोमालिया

दुनिया के देश

**सोमालिया** के इतिहास की जानकारी करते हैं तो मालूम होता है कि वर्ष क्त्म् में स्वेज नहर खुलने के बाद यूरोपीय शा□तियों ने यहां रुचि लेना प्रार□भ किया। वर्ष क-ख में सोमालिया ब्रिटेन व इटली के उपनिवेशों का समूह था। सन् क-ब्क में ब्रिटेन ने इस पर पूर्णरूपेण अधिकार जमा लिया। वर्ष क-म में सोमालिया को स्वतंत्रता प्राप्त हुई।

इथियोपिया व सोमालिया के मध्य ओगादेन के प्रकरण पर ल□बा संघर्ष क-त्त- के शांति समझौते के बाद खत्म हुआ। क--' में नए संविधान को अंगीकृत किया गया।

**आधिकारिक नाम-** ज□हुरियादा-दिमुकरातिया-ई-सोमालिया। **राजधानी-** मोगादिशु। **मुद्रा-** सोमाली शिलिंग।

**मानक समय-** जीएमटी से प घंटे आगे।

**भाषा-** सोमाली (आधिकारिक) अरबी, अंग्रेजी।

**जनसं□या-** त्भ,-क,म्ख-

**क्षेत्रफल-** म,फ्त्र,म्भ्त्र **स्थिति-** हिंद महासागर के तट पर उ□ारी अफ्रीका में स्थित है। **जलवायु-** मरुस्थलीय प्रकार की है।

**मानचित्रानुसार-** उ□ारी भाग पहाड़ी है, शेष मैदानी एवं मरुस्थलीय है। **प्रमुख नदियां-** ज्यूबा, रोबेले। **सर्वोच्च शिखर-** सुरुद अद। **प्रमुख बड़े शहर-** बायदोआ, हरगीसा, बुराओ।

**निर्यात-** चारकोल, पशुधन, मछली, केला। **आयात-** तैयार माल, पेट्रोलियम उत्पाद, भोज्य पदार्थ, निर्माण सामग्री। **प्रमुख उद्योग-** पेट्रोलियम शोधन, चीनी एवं भोज्य पदार्थ उत्पादन। **प्रमुख फसलें-** गन्ना, केला, चारा, म□का, अंगूर। **प्रमुख खनिज-** यूरेनियम, टिन, जिप्सम, लौह अयस्क।

**शासन प्रणाली-** गणतंत्रात्मक। **संसद-** पीपुल्स असे□बली।

**राष्ट्रीय ध्वज-** नीले व सफेद रंग पर तारे का चिह्न।

**स्वतंत्रता दिवस-** क जुलाई, क-म

**प्रमुख धर्म-** इस्लाम। **प्रमुख हवाई अड्डे-** मोगादिशु, बरबरा और इरिगावो स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे। **प्रमुख बंदरगाह-** बरबरा, मार्का, किस्मायो, मोगादिशु। **इंटरनेट कोड-** .so

# खोज-बीन

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स | इ | श | ब | जि | ह | की | सु | व | रा |
| उ | र | थि | सू | ण | था | मि | स्र | ड | पू |
| ला | इं | दा | यो | सो | ली | नू | ड | इ | सू |
| ई | क | डो | फा | पि | बि | न | ज | स | डा |
| स | आ | ना | मी | बि | या | द | टिं | शि | न |
| कु | र्की | वि | री | नि | डि | अं | गो | ला | र |
| बु | न | य | जा | जं | या | म | क | त्रि | स |
| म | स | तं | ब | शि | बु | रुं | डी | स | चौ |
| वा | ध | ना | ले | जे | त | पे | ह | ल | न |
| सी | न | म | सो | मा | लि | या | य | क | मा |

## कैसे हल करें

इस ग्रिड में 10 अफ्रीकी देशों के नाम दिए गए हैं। नाम बाएं से दाएं, ऊपर से नीचे ओर व तिरछे हो सकते हैं।

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| स | इ | श | ब | जि | ह | की | सु | व | रा |
| उ | र | क्वा | सू | ण | को | लं | बि | या | पू |
| सू | इं | दा | डो | द | ने | नू | ड | इ | चि |
| री | क | डो | री | र | कं | ला | ज | स | ली |
| ना | आ | अ | ने | बे | ए | द | टिं | शि | मो |
| म | स | वि | जें | जु | डि | ब्रा | गा | पु | र |
| र | न | य | ने | टी | या | म | जी | त्रि | स |
| म | स | वे | ब | शि | ना | ली | पीं | ल | चौ |
| वा | बो | लि | वि | या | त | पे | ह | ल | न |
| सी | न | म | गु | प | ट | जी | रू | क | मा |

## कैसे हल करें

इस ग्रिड में 10 दक्षिण अमरीकी देशों के नाम दिए गए हैं। नाम बाएं से दाएं, ऊपर से नीचे की ओर व तिरछे हो सकते हैं।

## हल

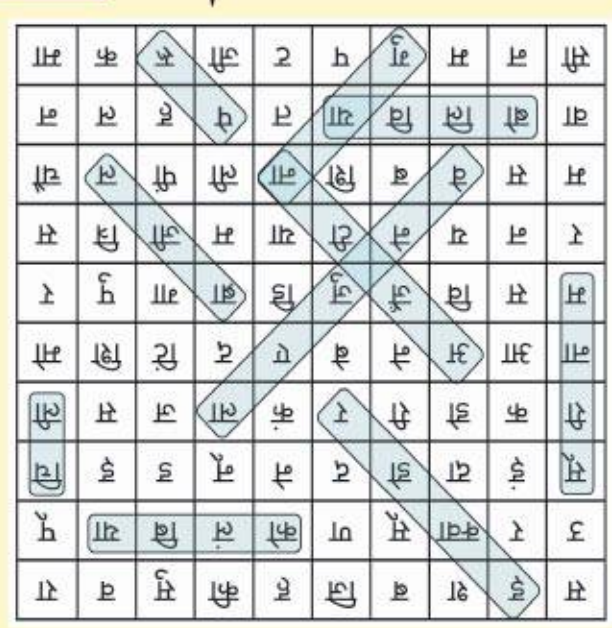

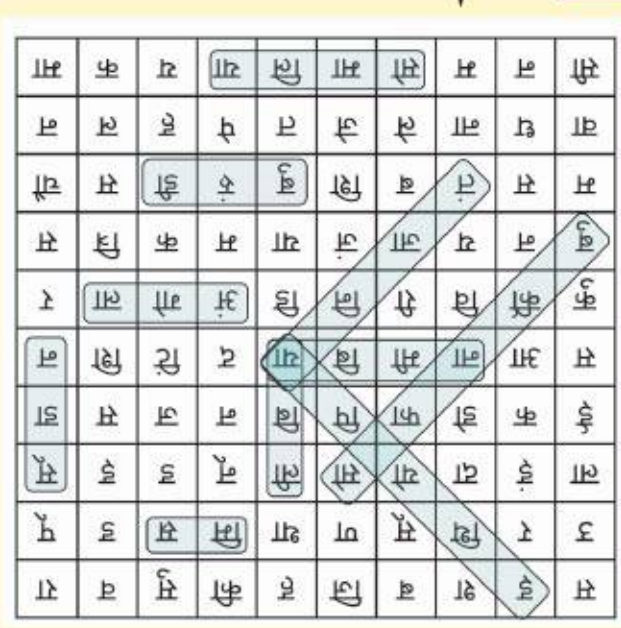

## बूझो तो...!

1. रंग-बिरंगा है गोल शरीर
करता हमेशा हवा से बात।
भोजन इसका बड़ा है निराला
खाता हवा और सौ-सौ लात।

2. अकड़ है टेढ़ा दंभक दार
बड़े काम का यह औजार।
लोहे का है जी इसका दांत
मगर काठ का सारा गात।

3. शीश कटने पर मल हो जाऊं
पेट कट जाए तो कल।
मेरा नाम बता दे तो जल्दी
अथवा फिर आगे चल।

4. पहले तो हरा-भरा फिर लाल
मेहमानी की है एक मिसाल।
एक बेल पर वह लगता है
महंगे दामों पर बिकता है।

5. लाल-लाल है पर गोल-मटोल
नहीं है उसका कोई महंगा मोल।
जो भी उसको रोजाना खाता
सेहत अपनी वह खूब बनाता।

6. एक भाषा जगत की ऐसी
जिसमें नहीं मात्रा कोई।
कौन-सी भाषा है बतलाओ
अगर तुम में अक्लमंद है कोई।

### उत्तर

1. पुटबॉल
2. हल
3. कमल
4. पाल
5. टमाटर
6. अंग्रेजी

# अदृश्य आदमी

पहला भाग

प्रस्तुतिः वेणु वारियथ

**दोस्तो,** बालहंस में समय-समय पर लंबी चित्रकथाएं दी जाती रही हैं। तुम्हें ये बहुत लुभाती भी हैं। इसी शृंखला में साइंस फिक्शन पर आधारित दो अंकों में समाप्य चित्रकथा 'अदृश्य आदमी' हम लेकर आये हैं। कथा में थोड़ा विज्ञान है, थोड़ा रहस्य है, कुछ ज्ञान है, तो मनोरंजन भी है। पहले भाग के 15 पृष्ठ इस बार दिये जा रहे हैं। शेष 15 पृष्ठ अगले अंक में दिये जाएंगे। आप चाहें तो मध्य के 16 पृष्ठ दोनों अंकों से निकालकर अलग से कॉमिक्स भी बना सकते हैं।

इंग्लैण्ड में बर्फीली ठंडी रात में एक युवा वैज्ञानिक ग्रिफिन (ग्रिफ) बेचैन होकर अपने लैब में चहल-कदमी कर रहे हैं।
मैंने इतनी खोजें की हैं। लेकिन मेरी महत्त्वाकांक्षी खोज जब तक पूरी नहीं होगी, कि मैं एक अदृश्य आदमी बनूं।
वाह! क्या मनोरंजक आइडिया है!
मैं सभी को देख सकूंगा और कोई मुझे नहीं देख पायेगा।
वाह! वास्तव में यह तो बड़ा मजेदार और रोमांचकारी रहेगा।
ग्रिफिन अपनी टेबल की ओर चल दिए।

उसने एक बार फिर अपनी रिसर्च रिपोर्ट का अध्ययन किया।
अभी तक तो सभी कुछ ठीक है।
अब मेरी इच्छा पूरी होने का समय आ गया है।
ग्रिफिन एक बार फिर सोच-विचार करने लग जाता है।
यदि मैं अदृश्य हुआ तो कुछ भी कर सकूंगा। कहीं भी जा सकूंगा। किसी के साथ लूट-पाट कर सकूंगा। यहां तक कि किसी को मार भी सकूंगा। हुं...है तो मजेदार...
अरे! इस महिला का बैग किसने छीन लिया!
यहां तक कि मैं लोगों को डरा-धमका कर अपनी तरफ कर सकूंगा।
हा...हा...हा...

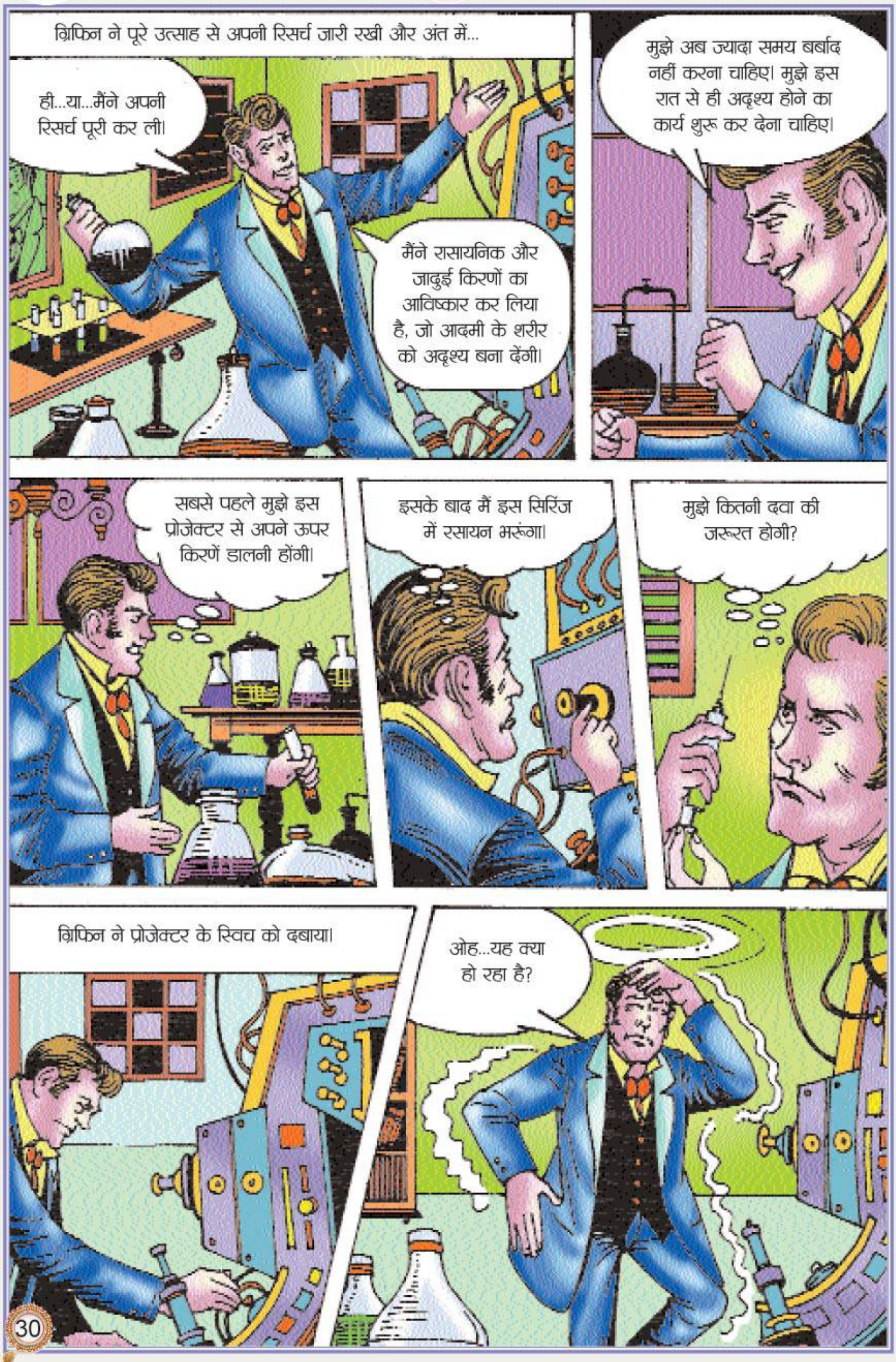
ग्रिफिन ने पूरे उत्साह से अपनी रिसर्च जारी रखी और अंत में...
ही...या...मैंने अपनी रिसर्च पूरी कर ली।
मैंने रासायनिक और जादुई किरणों का आविष्कार कर लिया है, जो आदमी के शरीर को अदृश्य बना देंगी।
मुझे अब ज्यादा समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। मुझे इस रात से ही अदृश्य होने का कार्य शुरू कर देना चाहिए।
सबसे पहले मुझे इस प्रोजेक्टर से अपने ऊपर किरणें डालनी होंगी।
इसके बाद मैं इस सिरिंज में रसायन भरूंगा।
मुझे कितनी दवा की जरूरत होगी?
ग्रिफिन ने प्रोजेक्टर के स्विच को दबाया।
ओह...यह क्या हो रहा है?

कुछ भी हो मैं पीछे नहीं हटूंगा। बचा हुआ रसायन भी अपने शरीर में चढ़ा लूंगा।
ग्रिफिन ने रसायन भरी सिरिंज उठायी।
ओह...बहुत दर्दनाक है।
जैसे ही ग्रिफिन के शरीर में रसायन पहुंचा...
ओह...मुझसे दर्द सहन नहीं हो रहा।
....और अगले ही क्षण ग्रिफिन फर्श पर गिर गया।

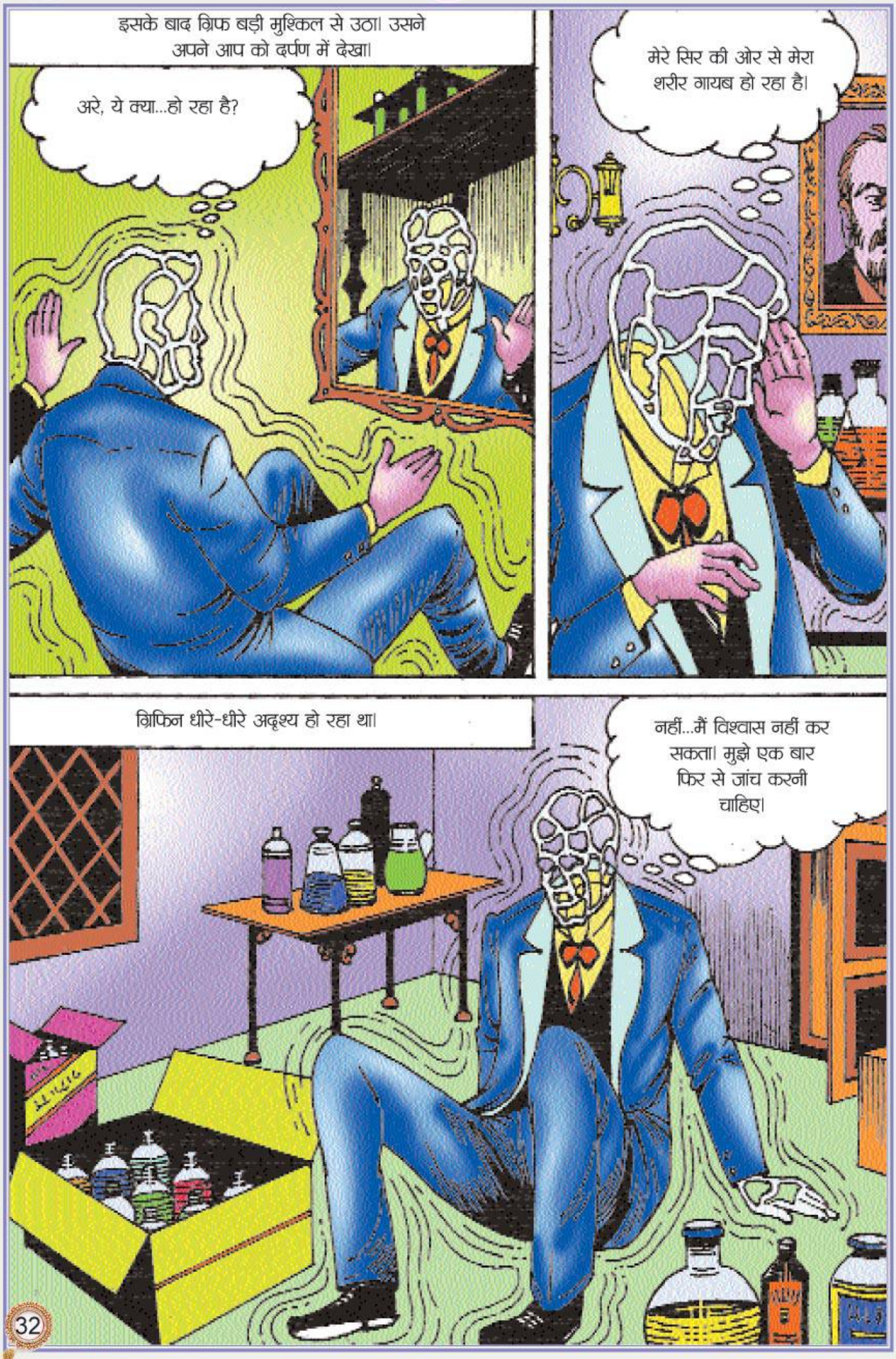
इसके बाद ग्रिफ बड़ी मुश्किल से उठा। उसने अपने आप को दर्पण में देखा।
अरे, ये क्या...हो रहा है?
मेरे सिर की ओर से मेरा शरीर गायब हो रहा है।
ग्रिफिन धीरे-धीरे अदृश्य हो रहा था।
नहीं...मैं विश्वास नहीं कर सकता। मुझे एक बार फिर से जांच करनी चाहिए।

उसने टेस्ट ट्यूब को अपने हाथ में लिया और दर्पण की तरफ देखा।
हां, ऐसा लगता है कि यह टेस्ट ट्यूब हवा में बिना किसी की सहायता से तैर रही है।
ग्रिफ खुशी के साथ तेजी से उठता है।
हा...हा...मुझे सफलता मिल गयी। ...और आखिरकार ग्रिफ ने सफलता प्राप्त कर ही ली...।
हां, अब मैं विश्व पर विजय प्राप्त कर लूंगा। आज से मुझे किसी से भी डरने की जरूरत नहीं है। ही...या...
इसके बाद उसने एक अन्य चीज महसूस की।
ये क्या! मेरे मुंह की मिठाई अभी भी दिखाई दे रही है।

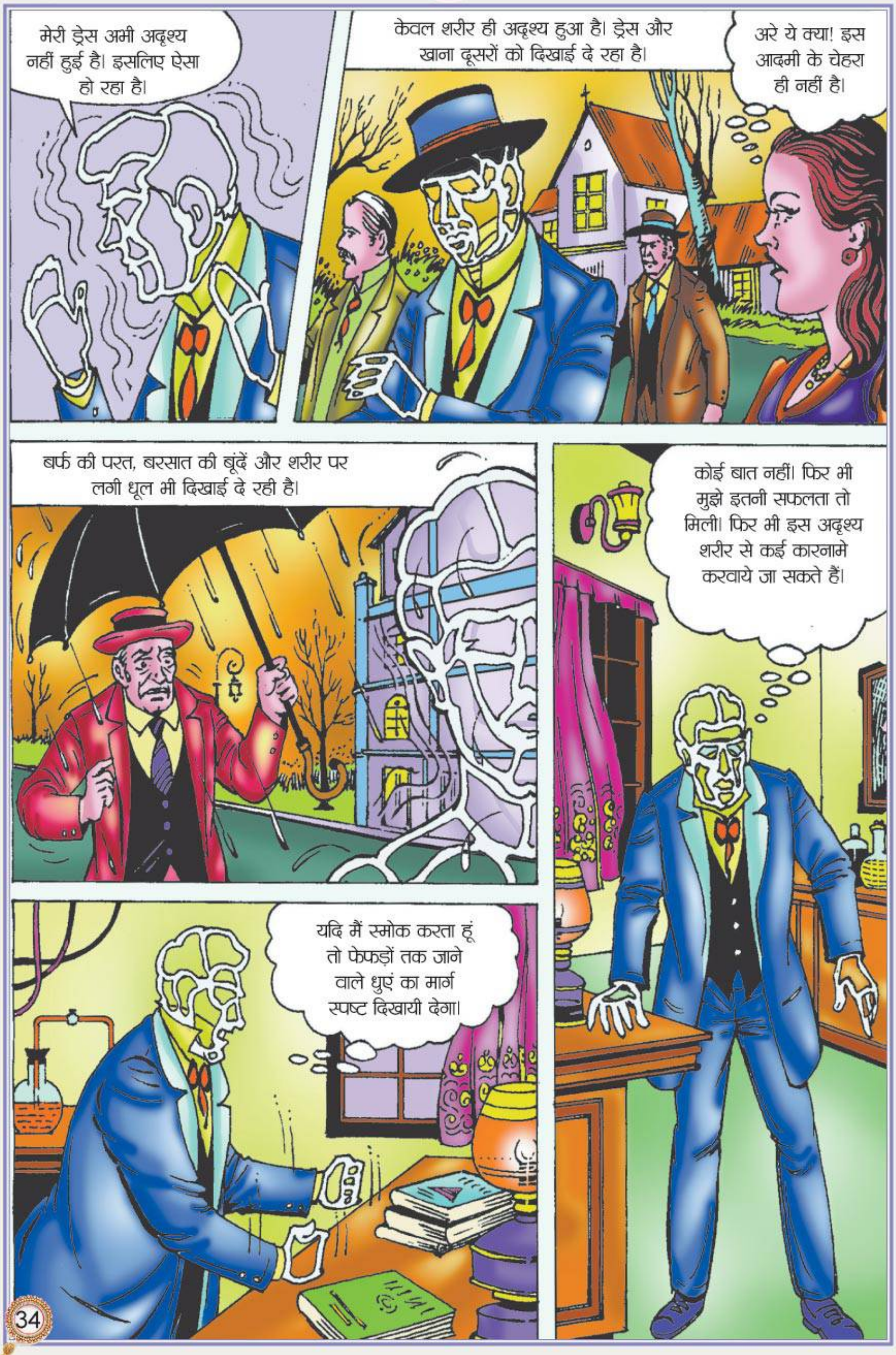
मेरी ड्रेस अभी अदृश्य नहीं हुई है। इसलिए ऐसा हो रहा है।
केवल शरीर ही अदृश्य हुआ है। ड्रेस और खाना दूसरों को दिखाई दे रहा है।
अरे ये क्या! इस आदमी के चेहरा ही नहीं है।
बर्फ की परत, बरसात की बूंदें और शरीर पर लगी धूल भी दिखाई दे रही है।
कोई बात नहीं। फिर भी मुझे इतनी सफलता तो मिली। फिर भी इस अदृश्य शरीर से कई कारनामे करवाये जा सकते हैं।
यदि मैं स्मोक करता हूं तो फेफड़ों तक जाने वाले धुएं का मार्ग स्पष्ट दिखायी देगा।

लगभग सुबह का समय था। ग्रिफिन सारे कपड़े उतार कर बाहर आ गया।
देखो, मैं इस खड़ी साइकल के धक्का मारता हूं।
ओय...ओय...मेरी साइकल...
हा...हा...पेपर बॉय को काफी आश्चर्य हुआ।
इसके बाद वह एक कॉफी हाउस पहुंचा।
मैं इस कॉफी को उठाता हूं। बहुत मजा आएगा।
THE TIMES
और अगले पल...
अरे ओ... मेरा कप...!
भागो...!
भूत...भूत...
हा...हा...ग्रिफ ने अभी अपना खेल शुरू ही किया है।
THE TIMES

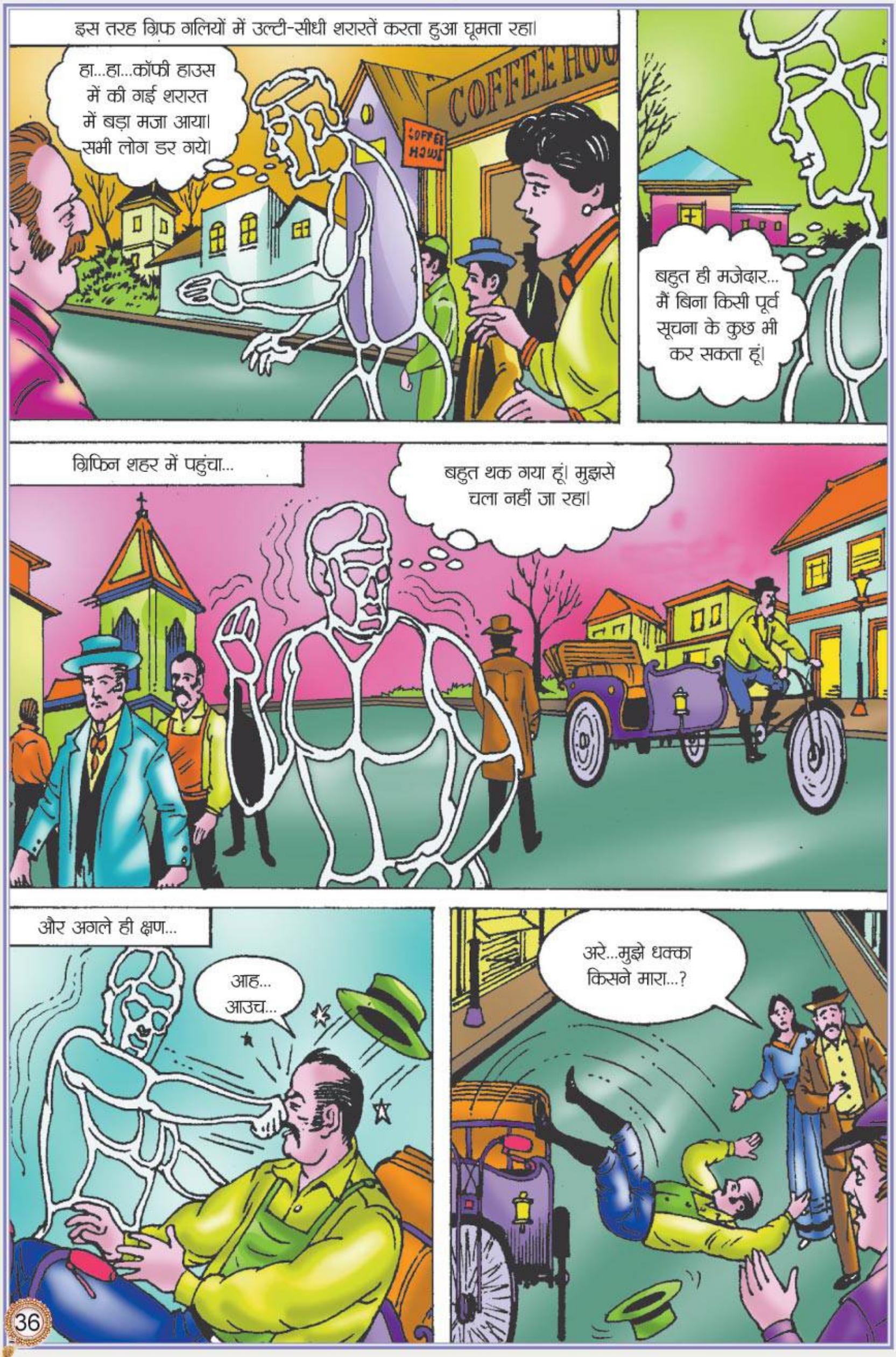
इस तरह ग्रिफ गलियों में उल्टी-सीधी शरारतें करता हुआ घूमता रहा।
हा...हा...कॉफी हाउस में की गई शरारत में बड़ा मजा आया। सभी लोग डर गये।
COFFEE HOUSE
बहुत ही मजेदार... मैं बिना किसी पूर्व सूचना के कुछ भी कर सकता हूं।
ग्रिफिन शहर में पहुंचा...
बहुत थक गया हूं। मुझसे चला नहीं जा रहा।
और अगले ही क्षण...
आह... आउच...
अरे...मुझे धक्का किसने मारा...?

देखो, रिक्शा अपने आप चल रहा है।
ऐसा कोई भूत-दैत्य ही कर सकता है।
मेरा आविष्कार वास्तव में आश्चर्यजनक रहा।
इसके बाद ग्रिफ एक महिला का बैग छीन कर भाग गया।
अरे...अरे... मेरा बैग...
उस दिन का अखबार अदृश्य आदमी की खबरों से भरा हुआ था।
और जल्दी ही पुलिस-पत्रकार उस अदृश्य आदमी की खोज में जुट गये। उसने पेंट, कोट और मास्क पहन कर शहर छोड़ दिया।
अब वे मुझे नहीं पहचान पाएंगे...।
F ENGLAND

होटल के मालिक ने ग्रिफ को एक कमरा दे दिया।
इसका चेहरा इस तरह का क्यों है...?
क्या...! वह अपना चेहरा ढंक कर स्मोकिंग कर रहा है?
अगले दिन ग्रिफिन का सामान रेल्वे स्टेशन से लाया गया।
मैं तुम्हारा इंतजार करते-करते थक गया। इसे जल्दी मेरे कमरे में ले चलो।
अचानक एक कुत्ता ग्रिफ की तरफ झपटा और उसे काट लिया।
ग्रिफ बाहर आया और ड्राइवर पर चिल्लाया।
आ...ह...

वह जल्दी से अपने कमरे की ओर दौड़ा।
मुझे कमरे में जल्दी से जल्दी पहुंचना चाहिए।
उसकी पेंट और हाथों के दस्ताने फट चुके थे।
होटल का मालिक काफी चिंतित हो रहा था।
बेचारे को कुत्ते ने काट लिया है। हमें डॉक्टर को बुलाना चाहिए।
थोड़ा इंतजार करो, मुझे देखने दो...
लेकिन जब वह कमरे में पहुंचा तो ग्रिफ उस पर चिल्लाया और बाहर चले जाने को कहा।
हुं...म...कमरे से बाहर चले जाओ।
शश्श...! वह कुत्ता मेरा सारा रहस्य खोल सकता है।
और शीघ्र ही पूरे शरीर पर पट्टियां बंधे हुए आदमी की कहानी पूरे शहर में फैल गयी।
वह अपना मुंह छिपा कर क्यों घूम रहा है?
लगता है वह कोई अपराधी है।
वह निश्चित ही दुष्ट-चालाक जादूगर है।

फादर बटिंग के घर में चोर घुस आता है। उसकी आवाज से उनकी नींद खुल जाती है।
ऐसा लगता है वहां कोई है।
उसकी आवाज सुनाई दे रही है लेकिन कोई दिख नहीं रहा।
देखो, किसी ने मोमबत्ती जलायी है। और यहां के पैसे भी गायब हैं।
क्या...!
अगले दिन अदृश्य आदमी के कमरे में...
ओह...कुर्सी उड़ रही है, कपड़े भी उड़ रहे हैं...आश्चर्यजनक!
दोनों डर गये। वे कमरे से बाहर भाग गये। और कुछ देर बाद...
हैलो...
यह क्या है...? देखो..., वह आदमी...!
क्या...!

उन्होंने हिम्मत दिखायी और...
तुमने होटल का किराया नहीं चुकाया। तुरंत निकालो किराया...।
अदृश्य आदमी ने पैसा निकाला।
ये लो तुम्हारा पैसा...।
तुम हमेशा अपना चेहरा ढंक कर क्यों रखते हो।
मुझे सच्चाई बताओ।
हुम्म...तुम्हारी यहीं जानने की इच्छा है ना कि मैं कौन हूं। ...क्या नहीं है? मैं तुम्हें बताता हूं।
जब उसने पट्टियां हटाईं...
देखो मेरा चेहरा...
?!
?!

*अदृश्य आदमी बना ग्रिफिन आगे और क्या-क्या करेगा। क्या वह अपने पूर्व रूप में आ पाएगा। क्या वह लोगों के लिए आतंक का पर्याय बन जाएगा। क्या वह कभी पकड़ा जा सकेगा? इन सब सवालों के जवाब अगले अंक के समापन भाग में मिलेंगे।*

*(अगले अंक में जारी व समाप्य)*

# गाय दौड़ाती है घोड़े की तरह

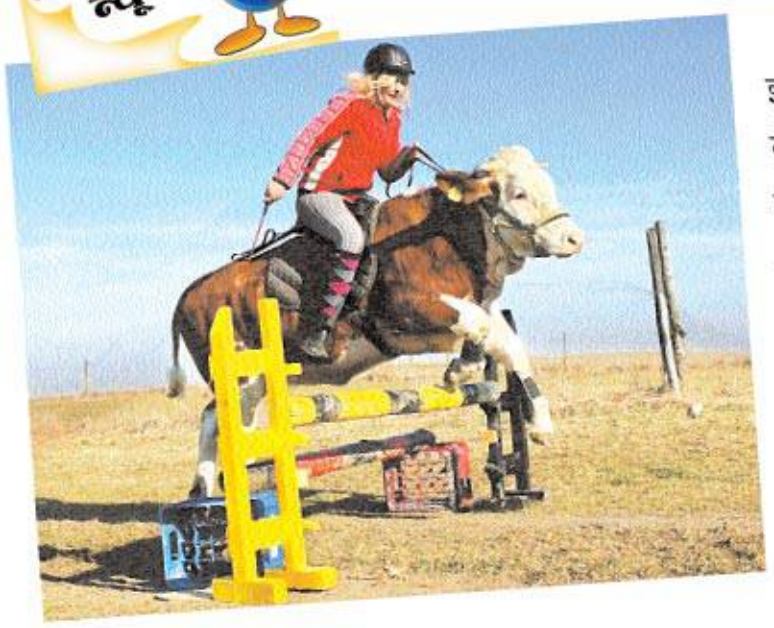

**हौसले** बुलंद हों तो मंजिल को पाना कोई मुश्किल काम नहीं। इसे साबित कर दिखाया है जर्मनी की एक किशोरी ने। घुड़सवारी का शौक रखने वाली इस किशोरी को उसके अभिभावकों ने घोड़ा खरीदकर देने से इंकार कर दिया, लेकिन उसने हि□मत नहीं हारी, और गाय को ही घोड़े की तरह दौड़ना-कूदना सिखा दिया। रेगिना मेयर नाम की पन्द्रह वर्षीय इस किशोरी ने प्रतिदिन घंटों की कड़ी मश□कत करके अपनी गाय ल्यूना को घोड़े की तरह उछलना-कूदना सिखाया।

अब रेगिना गाय की सवारी करके कहीं भी पहुंच जाती है। उसने ल्यूना को घोड़े की तरह बाधा दौड़ भी सिखाई है। दक्षिणी जर्मनी के लॉफेन इलाके में रहने वाली इस किशोरी का कहना है कि मुझे लगता ही नहीं कि यह गाय है। मैं तो इसे घोड़ा ही मानती हूं। ल्यूना का जन्म दो साल पहले रेगिना के फार्म में ही हुआ था।

## मगरमच्छ के साथ स्विमिंग

**ऑस्ट्रेलिया** के डार्विन में एक ऐसा थीम पार्क है जिसमें लोग अपनी जान की परवाह किये बिना जानलेवा मगरमच्छों के साथ स्विमिंग करते हैं। उनकी फोटो खींचते हैं। पार्क में आने वाले लोग दस फीट लंबे शीशे के बॉ□स में पानी के अंदर जाकर इन खतरनाक मगरमच्छों को इतने नजदीक से देखते हैं कि लगता है, उन्हें छू ही लिया। इस पिंजरे में सबसे बड़े मगरमच्छ की लंबाई क्त फीट और वजन स्त्र- किलोग्राम है।

यह प□का करने के लिए कि लोगों के पैसे बेकार न जाएं, बॉ□स के नीचे मांस के टुकड़े लटकाए जाते हैं, जिससे मगरमच्छ आसानी से इस बॉ□स के पास आ जाते हैं। शीशे का यह बॉ□स जमीन से करीब दो फीट ऊपर रहता है। इस पार्क में आने वाले लोग मगरमच्छ के साथ ख मिनट स्विमिंग करने के लिए तकरीबन स्त्र

## इतनी लंबी वेडिंग ड्रेस

**सत्रह** साल की रोमानियन मॉडल ए□मा ने वेडिंग ड्रेस पहनकर एक नया रेकॉर्ड बना डाला। ये ड्रेस तीन किलोमीटर लंबी है, जिसे सिलने में सौ दिन लगे।

जब वह वेडिंग ड्रेस पहनकर हॉट एयर बैलून में बैठकर रोमानिया की कैपिटल बुकारेस्ट के ऊपर उड़ीं तो उनकी वेडिंग ड्रेस के पीछे का हिस्सा हवा में ऐसा लहराया जैसे ट्रेन चल रही हो। इस वेडिंग ड्रेस की ट्रेन करीब तीन किलोमीटर तक लंबी फैल गई।

दरअसल ए□मा ने ड्रेस को इसी तरह डिजाइन करवाया था, ताकि उनकी टेल करीब तीन किलोमीटर लंबी नजर आए। ए□मा ने एक नया वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाया है, जिसे गिनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड में दर्ज किया गया है।

# माथापच्ची

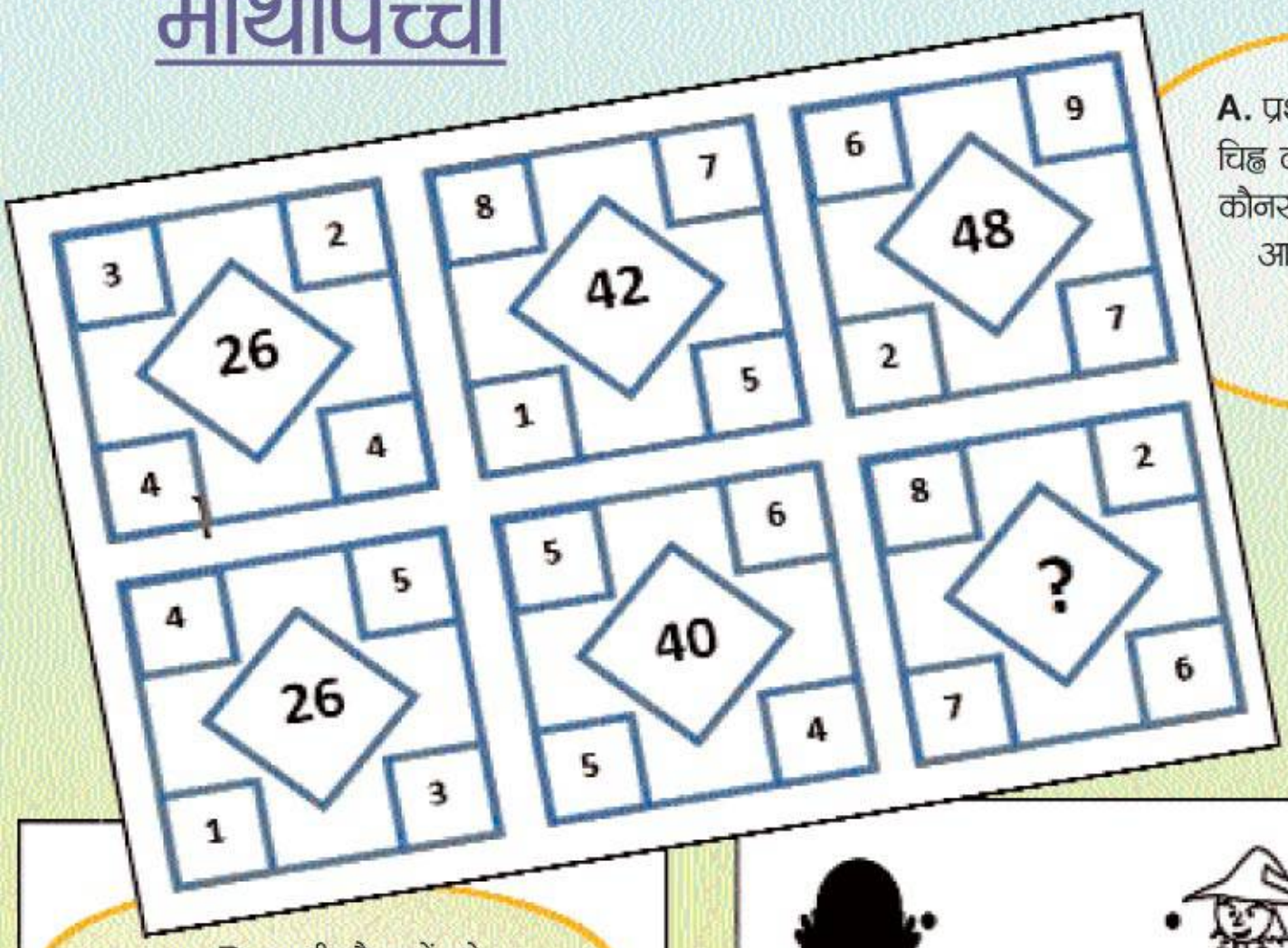


**A.** प्रश्नवाचक चिह्न की जगह कौनसी संख्या आएगी?

**B.** खाली चौखानों को संख्या से भरो।

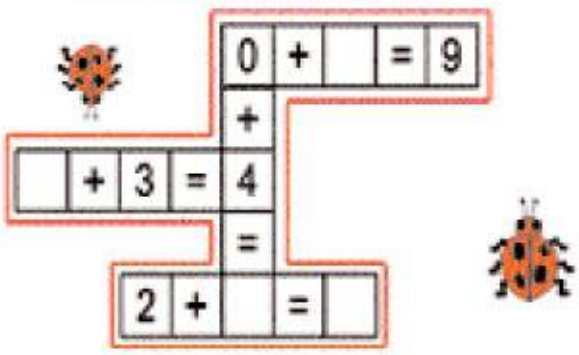


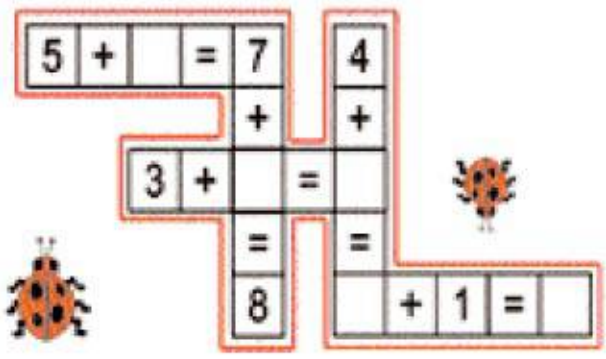

**C.** किसकी शैडो कौनसी है?

**Answer**

**D.**

in like a lion out like a lamb

**E.**

6 5 7

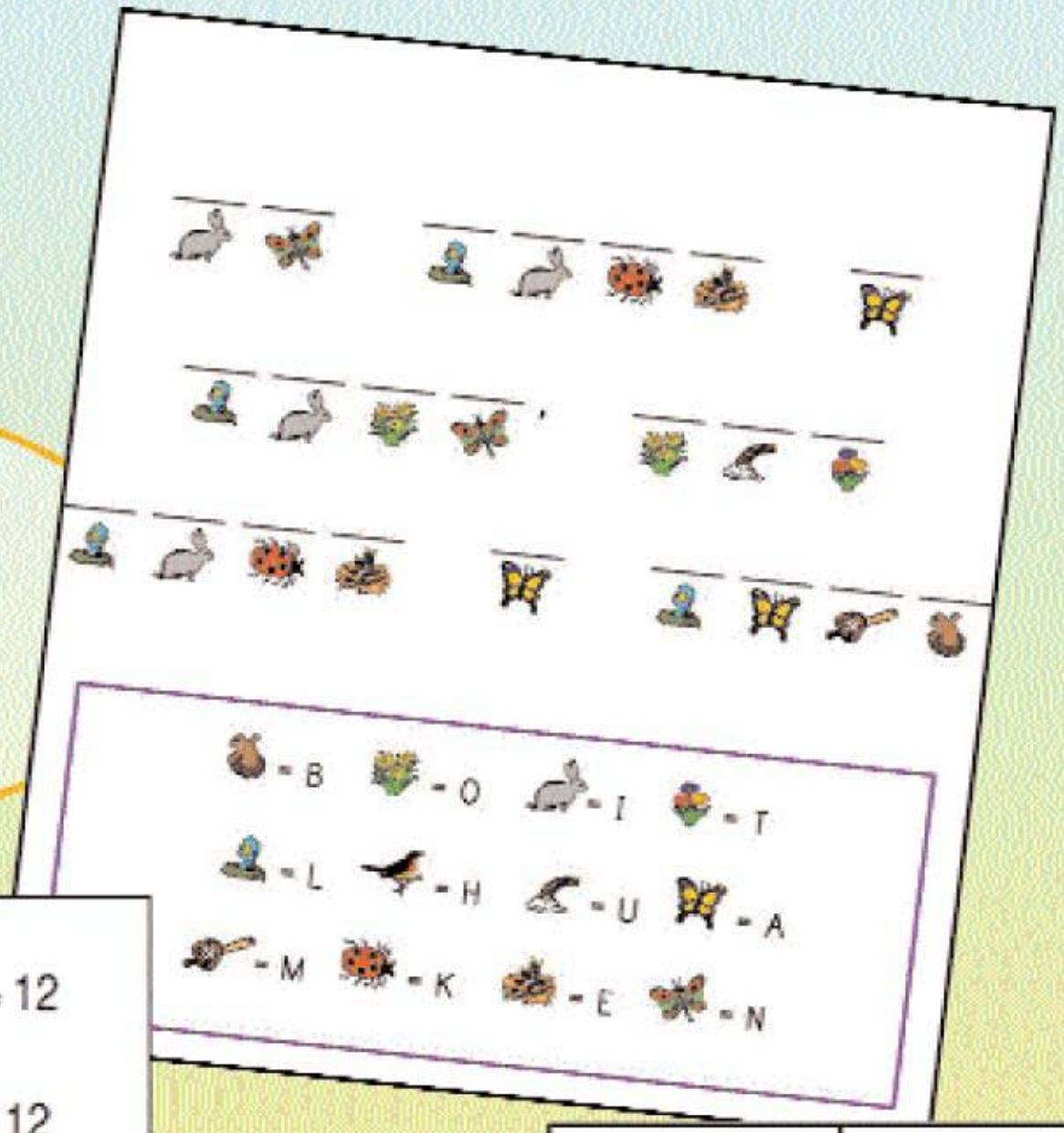


**D.** कोडवर्ड में लिखे मैसेज को पढ़िए।

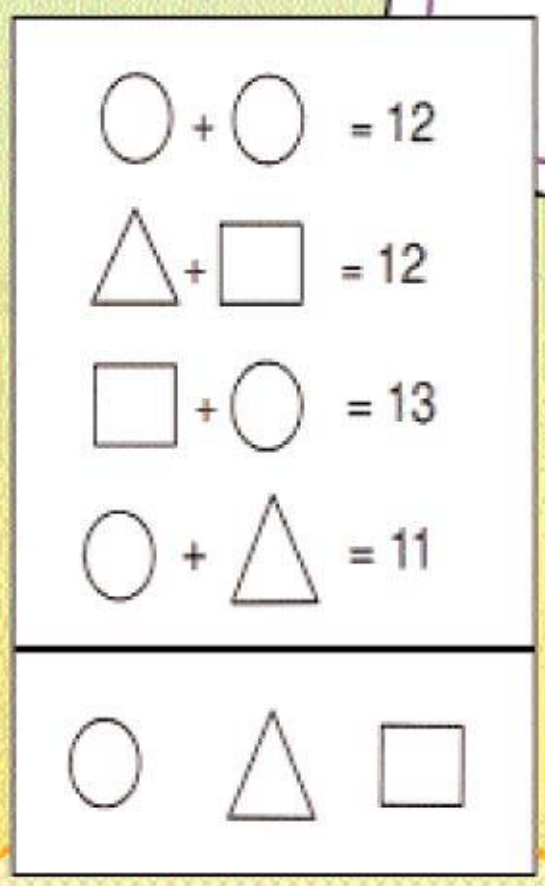


**E.** किस शेप की संख्या कितनी हैं?

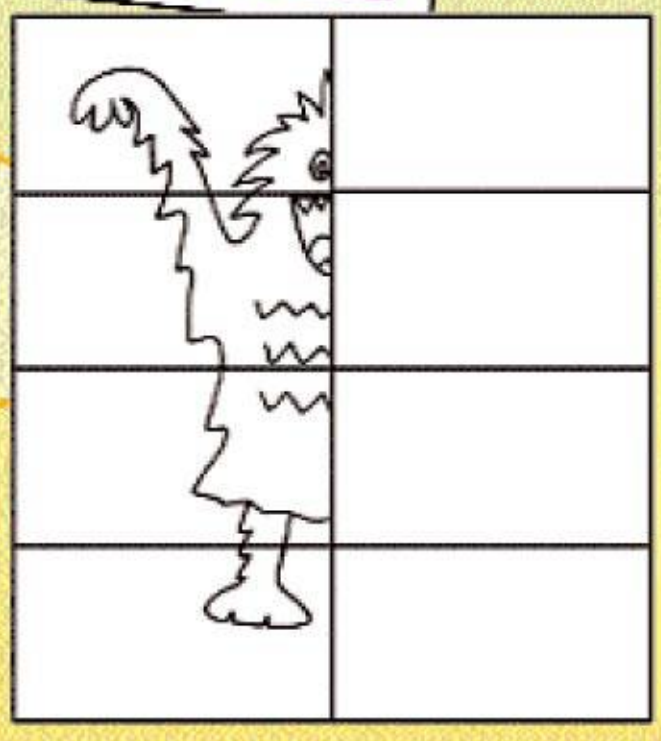

**F.** अधूरा चित्र पूरा करके रंग भरिए।

**A.**

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | + | 2 | = | 7 | | 4 | |
| | | | | + | | + | |
| 3 | + | 1 | = | 4 | | | |
| | | | | = | | = | |
| | | | | 8 | | 8 | + 1 = 9 |

**B.**

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 0 | + | 9 | = | 9 |
| | | + | | |
| 1 | + | 3 | = | 4 |
| | | = | | |
| 2 | + | 4 | = | 6 |

क्यों → और → कैसे?

# कागज पीला हो जाता है

**अक्सर** हम देखते हैं कि घर में रखे पुराने अखबारों व पुस्तकों का कागज समय बीतने के साथ-साथ अपना सफेद रंग छोड़कर पीला होने लगता है। कागज का इस तरह धीरे-धीरे पीला होते जाना वास्तव में ऑक्सीकरण (Oxidation) की क्रिया के कारण होता है। अधिकतर कागज का निर्माण वानस्पतिक तंतुओं (Plant Fibre) से होता है, जिनको ब्लीचिंग की क्रिया द्वारा पहले पूरी तरह सफेद कर लिया जाता है। समय बीतने के साथ ऐसी कोशिकाओं से निर्मित ये तंतु जो कभी जीवंत थे, धीरे-धीरे नष्ट होने लगते हैं। ऐसे में इनके अशक्त

होने के साथ ही वातावरण में मौजूद ऑक्सीजन व कार्बन डाई-ऑक्साइड के साथ संयोग करके नये यौगिक बना देती है। इनमें कुछ-एक पीले रंग के होते हैं।

इतना ही नहीं, इसके साथ-साथ एक और क्रिया भी चलती रहती है, जो कागज के पीले पड़ जाने का मुख्य कारण बनती है। इस क्रिया के पीछे मुख्य रूप से होता है- सूर्य का प्रकाश। कागज में मौजूद महीन रेशों के साथ सूर्य के प्रकाश में मौजूद अल्ट्रावॉयलेट किरणें रासायनिक क्रिया करके कागज की सफेदी को पीली रंगत में बदलने का काम ठीक उसी प्रकार करती है, जैसे गोरे रंग की त्वचा पर पड़कर यह उसे भूरी (Tan) रंगत में बदल देती है।

# गोटियों का टावर

***सामग्री***- कैरम बोर्ड की गोटियां और एक स्केल।

***शुरू करो***- सारी गोटियों को अपनी मेज पर किनारे की तरफ एक के ऊपर एक रखते हुए एक ऊंचा-सा टॉवर बना लो। फिर स्केल को मेज पर इस तरह रखो कि इसका लगभग आधा भाग मेज के बाहर की ओर निकला रहे। अब स्केल को इसके स्वतंत्र सिरे की तरफ से अपने बाएं हाथ की अंगुलियों से अच्छी तरह पकड़ो। फिर स्केल के उस भाग पर, जो मेज के किनारे और तुम्हारी अंगुलियों के बीच है, एक झटके साथ टॉवर की ओर जोरदार प्रहार करो।

ऐसे में होगा क्या, जानते हो? तुम्हारा स्केल टावर की सबसे नीचे वाली गोटी को टॉवर से अलग करते हुए बाहर निकाल देगा। जबकि पूरा का पूरा टॉवर वहीं खड़ा रहेगा।

पर हां, इसके लिए थोड़े से अभ्यास की जरूरत होगी। फिर ऐसा होते ही तुम टॉवर की गोटियां एक-एक करके बड़े आराम से निकालते हुए इसकी ऊंचाई बिना इसे छुए ही कम कर सकोगे।

***ऐसा कैसे होता है***- संसार की कोई भी रुकी हुई वस्तु गतिशील नहीं होना चाहती। जो जैसी स्थिति में है वैसे ही बनी रहना चाहती है, जब तक कि उस पर कोई बाहरी बल काम न करने लगे। इस प्रवृत्ति को जड़ता या इनर्शिया कहते हैं, जो लैटिन भाषा का शब्द है। इसका अर्थ होता है, आलसी। वस्तु की इन स्थितियों को बदलने के लिए जड़ता पर पार पाना पड़ता है। यानी एक समुचित बल लगाना पड़ता है। यहां टॉवर की जड़ता की तुलना में स्केल से लगाया गया बल इस पूरी टॉवर को स्थानान्तरित करने के काबिल नहीं होता। इसलिए सिर्फ एक गोटी ही स्थान छोड़ पाती है और बाकी सब बल के प्रभाव से पूरी तरह रहित होने के कारण वैसी की वैसी ही बनी रहती है।

- आइवर

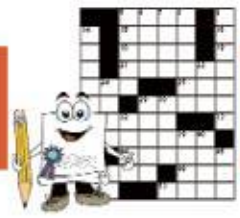

# CrossWord PuzzLeS

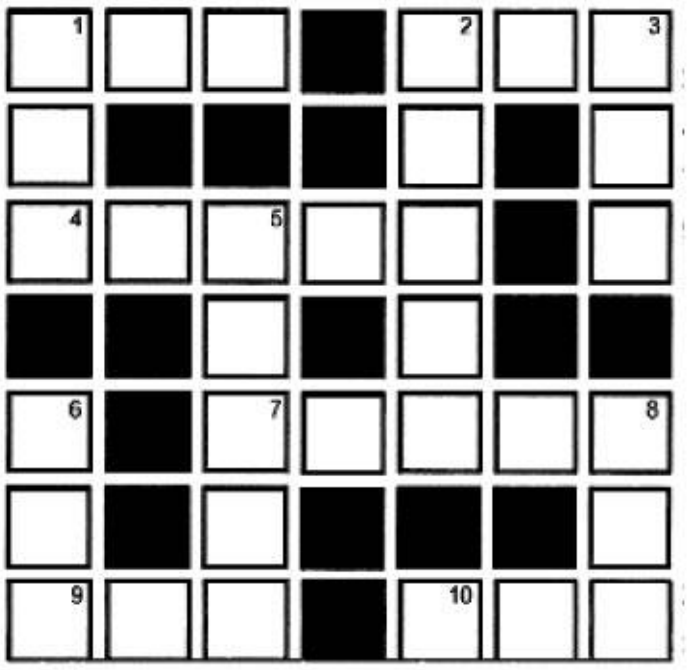

**बाएं से दाएं**

क. बिना काम का, आलसी, कामचोर (फ)।

ख. छोटा बगीचा, फुलवारी को यह भी कहते हैं (फ)।

ब. हमेशा बना रहने वाला, नश्वर (भ)।

स्त्र. हर तरफ से रक्षा करने वाला (भ)।

-. छकड़ा, गाड़ी (फ)।

क. गणना में प्रथम अंक का स्थान कहलाता

**ऊपर से नीचे**

क. बाहर निकलने का मार्ग, उद्गम स्थान, दरवाजा (फ)।

ख. चमक वाला, चमकीला (भ)।

फ. सुंदर, निर्मल कोमल (फ)।

भ. बहुत बड़ा परिवर्तन, उलट-फेर (भ)।

म. घड़ा, गगरी (फ)।

त. वास्तविक बात, लेप (फ)।

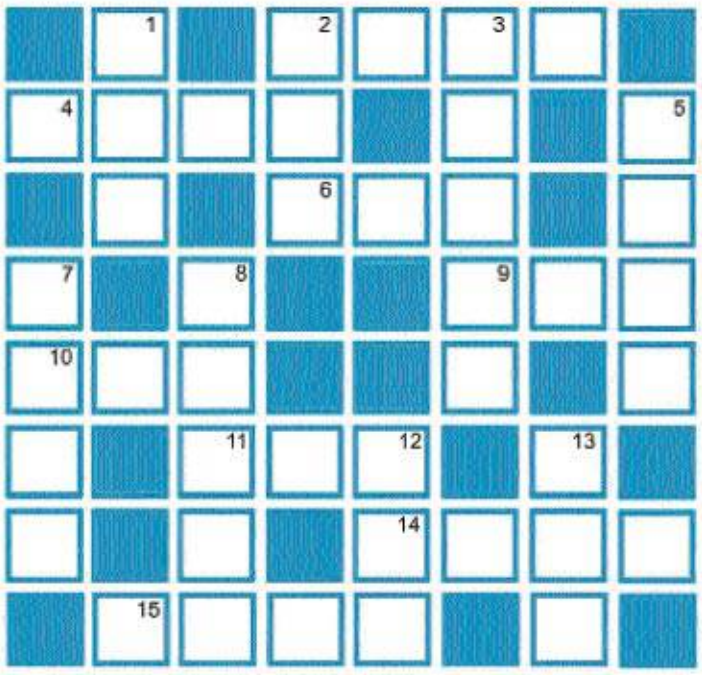

**ACROSS**

2. A stigma, A Stain or spot, A disgrace (4).

4. A trick, A stratagem, To entice (4).

6. A small thread with painted metal pieces for binding (3).

9. Part of circumference of circle (3).

10. The quarter towards which the wind blows (3).

11. A coloured fluid of writing with pen or for printing (3).

14. That causes a desire to scratch (4).

15. Mucus of the nose (4).

**DOWn**

1. Any greasy liquid which burns easily (3).

2. Agreement to risk money (3).

3. A part of the body (5).

5. The made of certain animals as of deer, antelope etc. (4).

7. Plan of a poem or story (4).

8. Period of a king's rule (5).

12. A small wooden tub, The outfit of necessaries (3).

13. Frozen water (3).

Answer

## कोयल बोली...

काली कोयल कूक-कूक कर
कानों में मिश्री रस घोले।
इस डाली से उस डाली पर
कूद-कूद कर जब वह बोले।

इसी तरह से प्यारे बच्चो
तुम भी मीठे स्वर में बोलो।
दिल में पहले बात तोल लो
फिर तुम अपने मुंह को खोलो।

कड़वी बात कहे यदि कोई
तो उस पर कभी ध्यान मत देना।
सत्यमार्ग पर चलना हरदम
गलती कभी न कोई करना।

-सौरभ सुनील, सिवान (बिहार)

बालमंच

शिवम कुमार सोनी
पड़रौनी, कुशीनगर (उ.प्र.)

आर्यन चावला, खंडेला, सीकर (राज.)

निकिता शर्मा
जयपुर (राज.)

## मुश्किलों में मुस्कराएं

भगवान दो ऐसा वरदान
बने हम देश के वीर महान।
चमके जैसे चांद सितारे
बन जाये हम देश के प्यारे।
फूल सरीखा खिल जाए देश
मुश्किलों में भी हम मुस्कराएं।
नहीं करें किसी से लड़ाई
मिल-जुल कर करें देश की भलाई।
हम से खुश रहे सारा देश
भगवान दो ऐसा वरदान।

-राजेन्द्र गोयल, सरदारपुरा, बाड़मेर (राज.)

## लिटिल स्टार

**अन्तरराष्ट्रीय** फिल्म समारोह में अपने अभिनय के लिए चर्चित एवं पुरस्कृत बाल कलाकार पार्थ भालेराव अब लिटिल स्टार बन चुका है। कांस फिल्म फेस्टिवल में उसकी अभिनीत मूवी, 'खालती डोका वरती पाय' में उसका प्रदर्शन सराहनीय रहा। इसी भांति बर्लिन फिल्म महोत्सव में अपनी फिल्म 'किला' के संदर्भ में उसे वाह-वाही मिली। इंटरनेशनल प्रेस में उसकी एक्टिंग को सराहना मिली। वह कहता है, 'फेस्टिवल की फिल्मों ने मेरा मार्ग प्रशस्त किया। नई समझ भी मेरे भीतर पैदा हुई। सुधार की संभावनाओं से मेरा साक्षात्कार हुआ। आर्ट फिल्में कलाकार को एक विस्तृत विजन देती हैं।'

*अमिताभ बच्चन के साथ पार्थ भालेराव*

पार्थ भालेराव को बचपन से ही एक्टिंग का शौक रहा है। परिवार के सदस्यों ने उसे मराठी कला मंच से जोड़ दिया। यहां उसने अभिनय की बारीकियां सीखीं। वह समर कैम्प में भी गया। जहां वह डांस की दिशा में आगे बढ़ा। मराठी फिल्मों में कई बार अवसर मिले। मगर वह हिन्दी फीचर फिल्म क्षेत्र में भाग्य आजमाना चाहता था। उसका यह सपना पूरा हुआ। फिल्म 'भूतनाथ रिटर्न्स' में। वह कहता है, 'भूतनाथ रिटर्न्स में मेरे रोल को पाने की उम्मीद में सैंकड़ों बाल कलाकारों ने स्क्रीन टेस्ट में भाग लिया। मुझे बताया गया कि बिग बी के अपोजिट मेरा रोल है, तो मैंने खूब होमवर्क किया। सैट पर भी मैंने जी-तोड़ मेहनत की। 'भूतनाथ रिटर्न्स' की सफलता ने बॉलीवुड को हम दोनों के रूप में नई-जोड़ी दे दी है।'

'भूतनाथ रिटर्न्स' में पार्थ भालेराव के अभिनय की सर्वत्र सराहना हुई है। उसका कहना है, 'भूतनाथ रिटर्न्स' से मेरा अभिनय स्तर सबके समक्ष आ गया है। बॉलीवुड में मेरे काम की चर्चा है। यह सब अमिताभजी के प्रेम व आशीर्वाद स्वरूप सहयोग का सुखद परिणाम है कि मैं आज नन्हा स्टार बन सका हूं।' पार्थ भालेराव पढ़ाई में बहुत अच्छा है। हमेशा एग्जाम में 'ए' ग्रेड लाता है। क्रिकेट उसका प्रिय खेल है। बाल पत्रिकाएं पढ़ना उसे अच्छा लगता है।

-राजू कादरी रियाज

## शब्द युग्म

**परजन-** शत्रु

**पर्जन्य-** बादल

**कोसल-** अवध

**कौशल-** निपुणता

**कोष-** खजाना, भण्डार

**कोस-** दो मील

**कदन्न-** बुरा मोटा अनाज

**कदन-** युद्ध, पाप, वध

**खोर-** गली, पशुओं की नांद

**खौर-** एक आभूषण, चंदन का आड़ा तिलक

## पर्यायवाची शब्द

**लोहा-** अयस, सार, लौहा

**विशाल-** विराट, वृहत, दीर्घ

**लक्ष्मण-** सौमित्र, रामानुज, शेष, लखन

**विनती-** प्रार्थना, निवेदन, ऊर्जा, गुजारिश

**विष्णु-** जनार्दन, चक्रपाणि, गोविन्द, चतुर्भुज

गेहूं के साथ घुन भी पीस जाता है।

When the buffaloes fight crops suffer.

घर का जोगी जोगना आन गांव का सिद्ध।

A prophet is not honoured in his own country.

घर में सूत न कपास,जुलाहे से लट्ठम लट्ठा।

Count not your chicken before they are hatched.

घर की आधी भली बाहर सारी नहीं।

Dry bread at home is better than sweet meat abroad.

घर का भेदी लंका ढावे।

Traitors are the worst enimies.

To turn one's coat- त्यागना

To dust one's coat- पीटना

To have cognizance of- जानकारी प्राप्त करना

To coin of one's own brain- मनगढ़ंत कल्पना

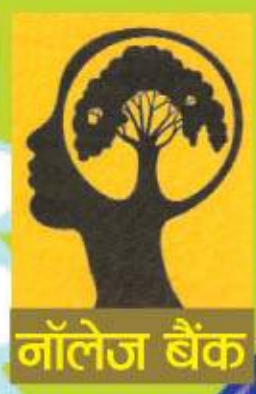

## अंतर है

**Mat-** चटाई

**Matt-** चमक रहित

**Maze-** चक्रव्यूह, भूल-भुलैया

**Maize-** म□का, मकई

**Meat-** मांस

**Meet-** मिलना

**Medal-** पदक

**Meddle-** हस्तक्षेप

## एक के तीन

Time-टाइम- समय- काल:

Beg-बेग- मांगना, प्रार्थना करना-याचनम्

Propose-प्रोपोज- प्रस्ताव करना- प्रस्तावनम्

Direct-डायरे□ट- निर्देश देना-प्रेरणाम्, निदेशनम्, प्रवर्तनम्

Apply-एप्लाई-लगाना, दर□वास्त करना-अनुप्रयोजनम्, आवेदनम्

## लोकोक्तियां

**यथा राजा तथा प्रजा-** जैसा नेता वैसी जनता।

**मेढकी को जुकाम-** मामूली आदमी द्वारा अपनी क्षमता का काम करने में भी नखरे करना।

**रस्सी जल गई पर बल न गया-** प्रतिष्ठा समाप्त हो जाने पर भी

## उर्दू/ हिन्दी

**खाइब-** हताश, निराश, वंचित

**खाक-** धूलि, रज, गर्द, मिट्टी

**खाकदान-** संसार, जगत, दुनिया

**खातिर-** हृदय, मन दिल, स□मान

**खाकसारी-** विनम्रता, विनती, आजिजी

## One Word

Study of light- **Optics.**

Study of Tissue- **Histology.**

Murder of a human being- **Homicide.**

Study of correct spelling of words- **Orthography.**

- जो समान न हो- **असम/असमान।**
- जिसको सहन न किया जा सके- **असह्य।**
- फेंक कर चलाये जाने वाले हथियार - **अस्त्र।**
- जो कहने-सुनने देखने में लज्जापूर्ण, घिनौना हो-

प्रस्तुतिः किशन शर्मा

art junction

# राखी पर भाई-बहन के गिफ्ट

## टोकरी

*राखी पर भाई के लिए अपने हाथ से बनाई हुई टोकरी में मिठाई लेकर जाएं।*

**सामग्री :** न्यूज पेपर, फेविकोल।

**विधि :** न्यूज पेपर को खोलकर कोने की तरफ से रोल करते हुए डंडी के आकार की छड़ियां बना लीजिए। इन्हें कोने पर फेविकोल से चिपका दें, ताकि खुले नहीं। अब इन्हें फूल की तरफ एक के ऊपर एक रखकर चकरी का आकार दे दें। बीच में चिपका दें ताकि वो हिले नहीं। बीच में से चटाई की तरफ बनाएं। बीच का बड़ा गोला बनाने के बाद उन्हें थोड़ा खींच कर बुनें, ताकि वो मटके का शेप ले लें। ऊपर लाकर सभी डंडियों को चिपका दें। आपकी टोकरी तैयार हो गई। इसमें फॉयल पेपर लगाकर भैया के लिए मिठाई रखें।

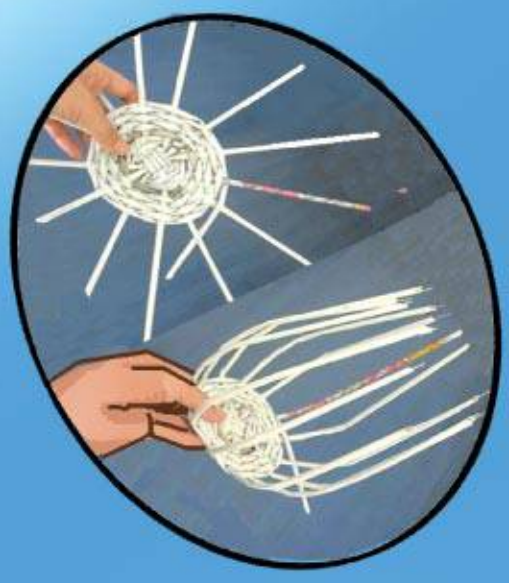

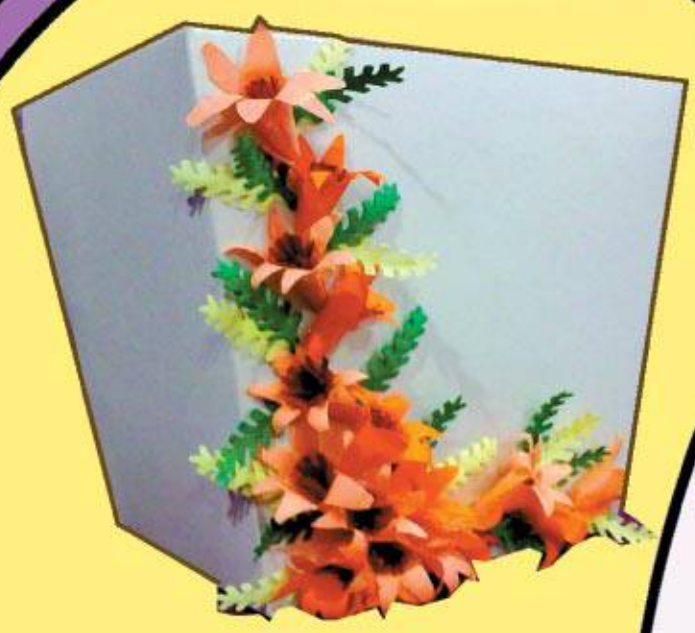

# गिफ्ट के लिए बॉक्स

**सामग्री :** क्राफ्ट पेपर, फेविकोल, कैंची, लेस, डोरी, मोटी शीट (चाहें तो बाजार से बना हुआ डिब्बा भी ला सकते हैं)।

**विधि :** क्राफ्ट पेपर से काटकर सुंदर-सुंदर फूल पत्तियां बनाएं। डिब्बे को चारों तरफ से क्राफ्ट पेपर चिपकाकर ढंक दें। ऊपर फूलों को मनचाहे आकार में चिपका दें। डिब्बे को आप चाहे जिस आकार में बना सकते हैं। तिकोना भी अच्छा लगेगा। बीच का भाग चौकोर रहने दें। चारों तरफ की शीट को तिकोनी काट दें। इन सबको ऊपर लाकर डोरी से बांध दें। सुंदर तिकोना डिब्बा तैयार है। इसमें आप अपने भाई के लिए रिटर्न गिफ्ट या भाई अपनी बहन के लिए गिफ्ट दे सकते हैं।

1. पीछे की मीनार गायब है।
2. बालों का डिजाइन अलग है।
3. तोते का पंख नहीं है।
4. मछली के चारों ओर पानी की बूंदें कम हैं।
5. छोटी वाली नाव में कोई नहीं बैठा।
6. मछली पकड़ने के कांटे में एक हुक कम है।
7. छोटी नाव में झंडा नहीं है।

उत्तर

1. सूरज की एक आईब्रो नहीं है।
2. पीछे उड़ रहे पक्षी में से एक गायब है।
3. पीछे की इमारत पर दो ही पेड़ लगे हैं।
4. आइसक्रीम पर झपट रही चिड़िया का पंख खराब है।
5. लड़के के कान का डिजाइन अलग है।
6. लड़के के आंसू कम बह रहे हैं।
7. लड़के के टी-शर्ट पर डिजाइन अलग है।
8. नेकर में एक नाड़ा लटक रहा है।
9. केकड़े के एक टांग नहीं है।
10. गिरी हुई आइसक्रीम में चम्मच नहीं है।
11. जूते में एक गोला कम है।

उत्तर

## अंतर बताओ

# बिन्दु से बिन्दु/ ठिकाना तो बताना

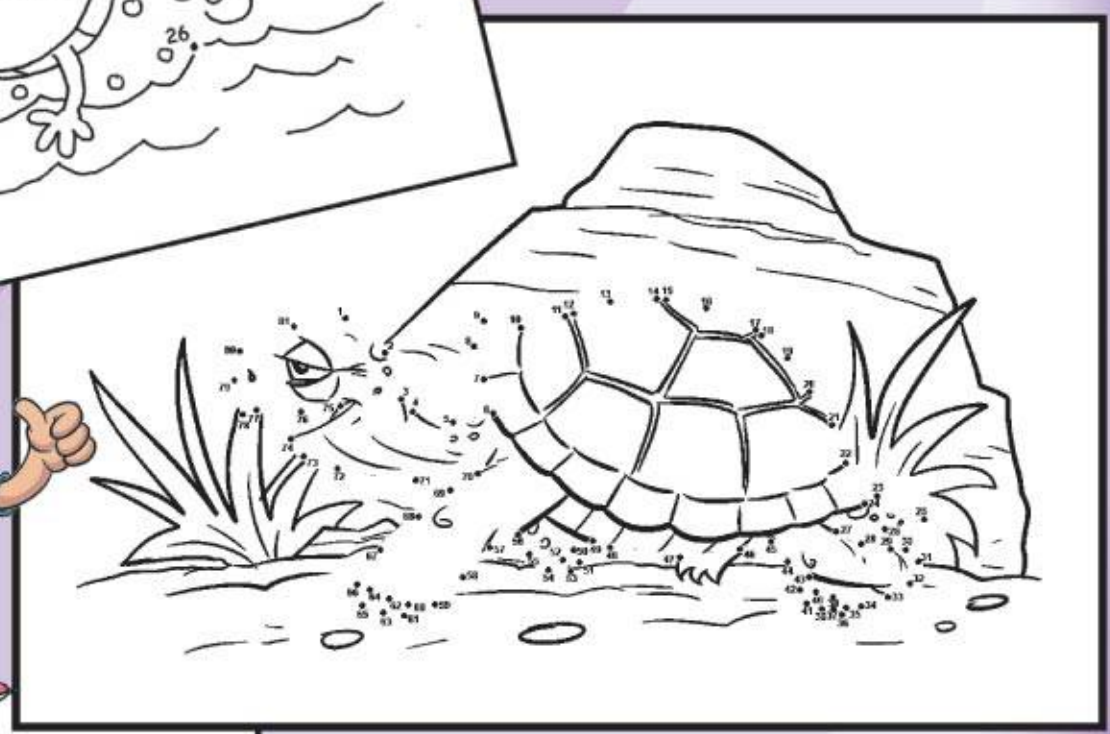

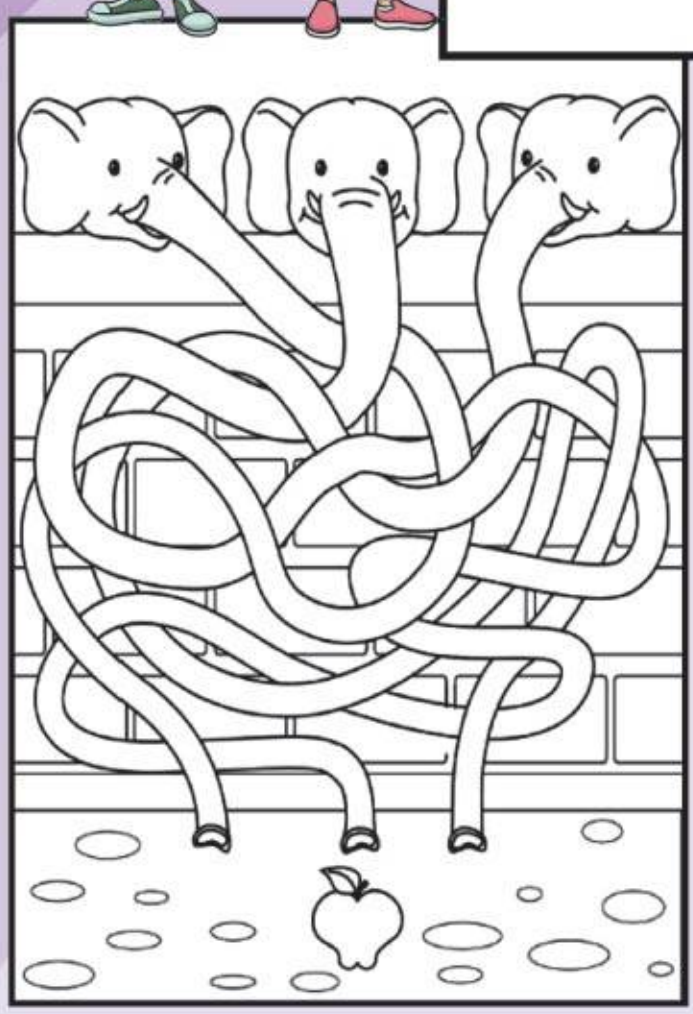

**दिशान्त टेलर**
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-उदयपुर (राज.)
रुचि-पढ़ना, क□प्यूटर।

**शुभम् सैनी**
उम्र- क्ख वर्ष
स्थान-जयपुर (राज.)
रुचि-क्रिकेट, पढ़ना।

**भूमिका मिश्रा**
उम्र- ख्र वर्ष
स्थान-जोधपुर (राज.)
रुचि-डांसिंग, पढ़ना।

**वैभव सिंह**
उम्र- म् वर्ष
स्थान-सुकई परसिया
रुचि-खेलना, पढ़ना।

**दीप राज**
उम्र- क्प वर्ष
स्थान-बेतिया (बिहार)
रुचि-पढ़ना, लिखना।

**जगदीश वा□भु**
उम्र- क्ख वर्ष
स्थान-सड़ेचा, बाड़मेर
रुचि-पढ़ना, क□प्यूटिंग।

**शताक्षी मेहरोत्रा**
उम्र- त्त वर्ष
स्थान-द्वारका, नई दिल्ली
रुचि-पढ़ना, खेलना, टीवी।

**अरमान खान**
उम्र- क्प वर्ष
स्थान-धनकौली, नागौर
रुचि-पढ़ना, खेलना।

**विवान टेलर**
उम्र- क वर्ष
स्थान-उदयपुर (राज.)
रुचि-डांसिंग, खेलना।

**हरिसिंह मीणा**
उम्र- क्क वर्ष
स्थान-लोरवाड़ा (राज.)
रुचि-पढ़ना, खेलना।

**स्नेहा छतरवाल**
उम्र- - वर्ष
स्थान-गोलूवाला (राज.)
रुचि-पेंटिंग, पढ़ना।

**शिवानी टेलर**
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-उदयपुर (राज.)
रुचि-पढ़ना, चित्रकारी।

**अरबाज खान**
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-धनकौली, नागौर
रुचि-खेलना, □यूजिक।

**तरन्नुम खान**
उम्र- क्क वर्ष
स्थान-धनकौली, नागौर
रुचि-डांसिंग, पढ़ना।

**गोगाराम**
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-चौहटन, बाड़मेर
रुचि-पढ़ना, लिखना।

**मो. मिनहाज अहमद**
उम्र- क्प वर्ष
स्थान-बायसी, पूर्णिया
रुचि-पढ़ना, क□प्यूटिंग।

**रामानंद पासवान**
उम्र- क्क वर्ष
स्थान-पलिया, गाजीपुर
रुचि-पढ़ना, खेलना।

**ठाकरा राम सऊ**
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-बाड़मेर (राज.)
रुचि-पढ़ना, खेलना।

**सुमन कुमार झा**
उम्र- क्फ वर्ष
स्थान-ईनायतपुर (बिहार)
रुचि-पढ़ना, टीवी।

**अरसल कमर**
उम्र- - वर्ष
स्थान-मुंगेर (बिहार)
रुचि-पढ़ना, खेलना।

**प्रकाश वा□भु**
उम्र- क वर्ष
स्थान-सड़ेचा, बाड़मेर
रुचि-खेलना, पढ़ना।

**अभिषेक सोनी**
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-ईटारसीगंज (म.प्र.)
रुचि-आर्टिस्ट्री, □यूजिक।

**आदित्यराज मेहरोत्रा**
उम्र- क्क वर्ष
स्थान-द्वारका (नई दिल्ली)

**सूरज राजक**
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-सारण
रुचि-पढ़ना, खेलना।

**भरत सैनी**
उम्र- त्त वर्ष
स्थान-सरदार शहर, चूरू
रुचि-डांसिंग, खेलना।

**आदित्य अखाड़े**
उम्र- स्त्र वर्ष
स्थान-नवागाम, सूरत
रुचि-ड्रॉइंग, पढ़ना।

**बालक दास**
उम्र- क्ख वर्ष
स्थान-भीलवाड़ा (राज.)
रुचि-पढ़ना, सहायता।

**दरखशां जहां**
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-आजोचक (बिहार)
रुचि-पढ़ना, टीवी।

**शिवम कुमार सोनी**
उम्र- क्ब वर्ष
स्थान-पडरौनी (उ.प्र.)
रुचि-पढ़ना, खेलना।

**श्रिया सिंह**
उम्र- स्त्र वर्ष
स्थान-सुकई परसिया
रुचि-पढ़ना, खेलना।

**मौ. जैद अंसारी**
उम्र- म वर्ष
स्थान-गोरखपुर (उ.प्र.)
रुचि-पढ़ना, खेलना।

**राजेश प्रजापत**
उम्र- क्फ वर्ष
स्थान-नारायणपुर (राज.)
रुचि-पढ़ना, खेलना।

# छिपकलियों की अजब-गजब दुनिया

छिपकली एक सरीसृप जीव है जो सांपों के बहुत ही करीब है। छिपकलियां मुख्य रूप से गर्म स्थानों में रहती हैं। बहुत सारी छिपकलियां रेगिस्तान और अर्द्धशुष्क इलाकों में पायी जाती हैं। कुछ जंगलों और मैदानों में रहती हैं। ज्यादातर जमीन पर रेंगती हैं। कुछ मिट्टी के नीचे रहती हैं, फिर भी ज्यादातर या तो पेड़ पर या पानी के भीतर रहती हैं। छिपकलियों का सिर आमतौर पर छोटा, गर्दन छोटी और पूंछ लंबी होती है। दुनियाभर में छिपकलियों की 4,600 से भी ज्यादा प्रजातियां पायी जाती हैं, जिनमें इगुआना, कैमेलेन, जेकॉ और जिला मॉन्स्टर प्रमुख हैं।

**आदतें :** ज्यादातर छिपकलियां कीड़े, मकड़ियां, बिच्छू आदि खाती हैं। इगुआना और कुछ प्रजातियां पौधे के रूप में मिलने वाले भोजन पर निर्भर रहती हैं। मानिटर और अन्य प्रकार की छिपकलियां जलचर, सरीसृप, पक्षी और स्तनधारियों का भी सेवन करते हैं। ड्रैगन ऑफ कोमोडो तो हिरन जितने बड़े जीवों को खाता है। छिपकलियां सांपों, पक्षियों और कई प्रकार के अन्य मांसाहारी पशुओं का शिकार बन जाती हैं। इगुआना को मनुष्य भी खाते हैं। कुछ को उनकी त्वचा यानी चमड़े के लिए मार दिया जाता है जिससे जूते, हैंडबैग और दूसरी चीजें बनती हैं। टेगू और कैमेलॉन जैसी कुछ छिपकलियों को पाला भी जाता है। ज्यादातर प्रकार की छिपकलियां बच्चे पैदा करती हैं, यानी बच्चे पैदा होने के लिए उनके अंडों को निषेचित किया जाना चाहिए। विपटेल जैसी कुछ छिपकलियों के बच्चे कई बार निषेचित हुए बगैर ही अंडे से बाहर निकल आते हैं। छिपकलियों की ज्यादातर प्रजातियां मिट्टी के नीचे दबे अंडों से ही मिलती हैं। कुछ नई प्रजातियों का जन्म मां के शरीर के भीतर के अंडे से ही होता है या कुछ पूर्ण विकसित होकर पैदा होती हैं। छिपकलियां आमतौर पर खुद को जन्म लेने से बचाती हैं।

**घोंसले :** छिपकलियां अपने शरीर का तापमान स्थिर रख पाने में अक्षम होती हैं। इस वजह से उन्हें गर्मियों में ठंडी जगहों पर और सर्दियों के दौरान किसी सुरक्षित जगह पर छिपना पड़ता है। छिपकलियां कई मील प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकती हैं और कई छिपकलियों की तेजी दुश्मनों से बचाव पर निर्भर करती है। कई छिपकलियां सुरक्षा की दृष्टि से रंगी हुई होती हैं। हॉर्न टोड और कई अन्य प्रकार की छिपकलियों में पायी जाने वाली सिंग और स्पाइन उनका बचाव करती हैं। काटने की क्षमता लगभग सभी छिपकलियों में पायी जाती है, लेकिन सिर्फ जिला मॉन्स्टर और मैक्सिकन बिडेड छिपकलियां ही जहरीली होती हैं। दुश्मनों को डराने और संदेह में डालने के लिए हॉर्न्ड टोड अपनी आंखों से खून निकालती हैं, जबकि फ्रिल्ड छिपकलियां अपनी गर्दन के आसपास त्वचा को फैला लेती हैं ताकि दुश्मनों को उनका आकार बड़ा दिखाई दे।

**संचार :** छिपकलियां सिर हिलाकर आपस में संचार करती हैं। कई बार सिर हिलाने का मतलब यह भी होता है कि नर छिपकली दूसरे जानवर से लड़ाई करने के लिए तैयार है। इसका मतलब यह भी हो सकता है कि वह अपने इलाके की रक्षा कर रहा है। कभी-कभी अपने साथी को आकर्षित करने के लिए भी सिर हिलाया जाता है। कुछ छिपकलियां कुछ कारणों से पुशअप भी करती हैं। वे अपनी अगली टांगों के साथ पुशअप करती हैं, ताकि अपने विरोधी के सामने उनका आकार बड़ा दिखाई दे। छिपकली की हर प्रजाति का सिर हिलाने का और पुशअप करने का तरीका अलग होता है। संचार करने के अन्य तरीकों में पूंछ हिलाना, जबड़ा खोलना, रंग बदलना, अपने डूलैप को बाहर निकालना या भीतरी अंगों को दिखाना शामिल है।

**रक्षा :** अपनी रक्षा करने के लिए आमतौर पर छिपकलियां भाग लेती हैं। लेकिन कुछ छिपकलियां इसके उलट अपने दुश्मन को देखते ही एक जगह स्थिर हो जाती हैं और रंग बदलकर खुद को छिपाने का प्रयास करती हैं। ग्लास छिपकली के पास पैर नहीं होते, वह हमलावर का ध्यान भटकाने के लिए पूंछ का इस्तेमाल करती है। मॉनिटर छिपकलियां काटने के लिए अपने जबड़े का

### □या छिपकलियां खतरे में हैं?

छिपकलियों की कुछ प्रजातियां खतरे में हैं और कुछ पर खतरा बरकरार है। कई इलाकों में छिपकलियों के आवास नष्ट किए जा चुके हैं। पुराने समय में छिपकलियों को उनके चमड़े के लिए मार दिया जाता था और इसका इस्तेमाल बटुए, हैंडबैग और दूसरी चीजें बनाने में किया जाता था। कुछ देशों में अभी भी खाने के लिए छिपकलियों को मारा जाता है या उनके अंडे खाए जाते हैं।

## रोचक तथ्य

- केमेलियन यानी गिरगिट पेड़ों पर रहने वाली छिपकली है जिसके पास रंग बदलने की क्षमता होती है और वह दोनों आंखों को अलग-अलग चला सकती है।
- ड्रैगन ऑफ कोमोडो या ओरा आकार में सबसे बड़ी जीवित छिपकली है। इसका नाम इंडोनेशिया के विभिन्न छोटे द्वीपों में से एक कोमोडो के नाम पर है जहां यह पायी जाती है।

- स्लोवॉर्म एक लिंबलेस छिपकली है जो यूरोप, पश्चिमी एशिया और अल्जीरिया के जंगलों और घास के मैदानों में पायी जाती है। इसमें एक कीड़े या सांप की तरह टेढ़ी-मेढ़ी गति करने की क्षमता होती है।
- फ्लाइंग ड्रैगन पेड़ों पर पायी जाने वाली छिपकली है जो हवा में उड़कर एक पेड़ से उड़कर दूसरे पेड़ तक जा सकती है।

नीचे दिये गए सवाल का सही जवाब दें, और एनिमल प्लेनेट से इनाम पाएं।

- **इनमें से किन छिपकलियों के पैर नहीं होते?**
  - (A) इगुआना
  - (B) फ्लाइंग ड्रैगन
  - (C) ग्लास लिजर्ड
  - (D) केमेलियन (गिरगिट)

Name.....

Address.....

City.....Pin.....Phone.....

Date of birth...../...../ .....

Email id.....

*एंट्री फॉर्म को पूरा भरें और इसे इस पते पर भेज दें-*

**Animal Planet- Balhans Contest**

P.O. Box No. 10534, New Delhi- 110 067

*छिपकलियों के बारे में और जानकारी के लिए एनिमल प्लेनेट पर हर शाम ८ बजे देखना न भूलें- एपी सफारी।*

**पिछली बार के सवाल - 'चिंपांजी क्या खाना पसंद करते हैं,' का सही जवाब है, ऊपर लिखे सभी विकल्प- मेवे, कीट और फल।**

**शर्तें :** कृपया प्रवेश पत्र में अपने विवरण भरें, सही जवाबों पर निशान लगाएं और ऊपर दिये गए पते पर सामान्य डाक से भेजें। इस प्रतियोगिता के छपने के दस दिन के अंदर डिस्कवरी क□यूनिकेशन्स इंडिया (डीसीआईएन) द्वारा प्राप्त सही एंट्रियों में से विजेताओं का चुनाव किया जाएगा। यदि कई एंट्री सही निकलती हैं, तो डीसीआईएन किन्हीं पांच प्रतियोगियों को रैंडम आधार पर चुनेगा और उन्हें विजेता घोषित करेगा। विजेताओं और प्रतियोगिता के नियमों के सिलसिले में डीसीआईएन का फैसला अंतिम और बाध्य होगा। इस प्रतियोगिता से जुड़े सारे नियम जानने के लिए कृपया देखें।

www.discoverychannel.co.in/animalplanet-balhans contest

# रंग दे प्रतियोगिता परिणाम

## जून द्वितीय- 2014

क. **वाणी अग्रवाल,** रतलाम (म.प्र.)
ख. **याशिका कौशल,** आबूरोड, सिरोही (राज.)
फ. **शुभम्,** हाजीपुर, वैशाली (बिहार)
ब. **ऋतु अरोड़ा,** जोधपुर (राज.)
भ. **जैसमीन मौर्य,** अजमेर (राज.)
म. **भावना लाड़ना,** जयपुर (राज.)
स्न. **राजेन्द्र तेजमल छाजेड़,** भुसावल, जलगांव (महाराष्ट्र)
त. **विवेक कुमार,** गोर□ानाथ, गोरखपुर (उ.प्र.)
-. **उर्मिला तिवारी,** सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग (प.बं.)

*(विजेताओं को सौ-सौ रुपए पुरस्कारस्वरूप भेजे जा रहे हैं)*

## सराहनीय प्रयास

क. **खुशी विश्वकर्मा,** गणेशपुर, बस्ती (उ.प्र.)
ख. **फरहान अहमद,** जफराबाद (उ.प्र.)
फ. **कुनिका शर्मा,** राजगढ़ (राज.)
ब. **स्वाति शर्मा,** अलवर (राज.)
भ. **दयालु बाजपेयी,** कानपुर (उ.प्र.)
म. **जावेद मोह□मद,** नागौर (राज.)
स्न. **शिखा कुमारी,** पूर्वी च□पारण (बिहार)
त. **समीर दायमा,** खण्डेला (राज.)
-. **देव श्रीमाल,** उदयपुर (राज.)
क. **लक्ष्मी कंसारा,** जोधपुर (राज.)
क्क. **प्रियंका गुप्ता,** सलेमपुर (उ.प्र.)
क्ख. **आदित्य आकाश,** मधुबनी (बिहार)
क्फ. **प्रिंस गुप्ता,** मैनपुरी (उ.प्र.)
क्ब. **मनीषा सुथार,** सूरतगढ़ (राज.)
क्भ. **सुहाना आरिफ,** जयपुर (राज.)

## ज्ञान प्रतियोगिता- 352 का परिणाम

क. **शिखा रोहित जैन,** दिल्ली
ख. **देवेश शर्मा,** कांवट, सीकर (राज.)
फ. **अनुराधा शर्मा,** जयपुर (राज.)
ब. **हुसैन रिजवान,** सवीना, उदयपुर (राज.)
भ. **संकुल गर्ग,** बरेली (उ.प्र.)
म. **आर्यन अग्रवाल,** मुज□फरनगर (उ.प्र.)
स्न. **ऋतिका तलवाड़िया,** बांसवाड़ा (राज.)
त. **माही खण्डेलवाल,** जयपुर (राज.)
-. **भूदेव शर्मा,** मनोहरपुर, जयपुर (राज.)
क. **दिव्यम निगम,** फैजाबाद (उ.प्र.)

**ज्ञान प्रतियोगिता- 352 का सही हल**

नियाग्रा फाल
क. इटली
ख. रूबल
फ. पेरिस
ब. येन
भ. सरस्वती

*(विजेताओं को सौ-सौ रुपए पुरस्कारस्वरूप भेजे जा रहे हैं)*

## बालहंस संग्रह प्रतियोगिता

*जून द्वितीय, 2014*

क. **रुकमणी,** भोपाल (म.प्र.)
ख. **रतन भाटी,** श्रीगंगानगर (राज.)
फ. **अंशुल मिश्रा,** नरहरपुर, सुल्तानपुर (उ.प्र.)

*(विजेताओं को सौ-सौ रुपए पुरस्कारस्वरूप भेजे जा रहे हैं)*

# ज्ञान प्रतियोगिता

## 355 परखो ज्ञान, पाओ इनाम

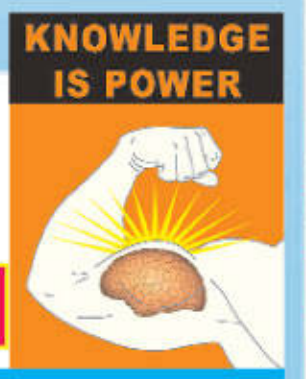


**क. दिसपुर किस प्रदेश की राजधानी है ?**

(अ) बिहार

(ब) गोवा

(स) असम

**ख. आपको भोपाल जाने के लिए किस प्रदेश में जाना होगा ?**

(अ) मध्य प्रदेश

(ब) छ□ीसगढ़

(स) उ□ार प्रदेश

**फ. वसुंधरा राजे का संबंध किस प्रदेश से है ?**

(अ) उ□ाराखंड

(ब) राजस्थान

(स) गुजरात

**ब. केदारनाथ किस प्रदेश में है ?**

(अ) उ□ाराखंड

(ब) उ□ार प्रदेश

(स) मध्य प्रदेश

**भ. चैन्नई किस प्रदेश की राजधानी है ?**

(अ) केरल

(ब) तमिलनाडु

(स) कर्नाटक

.....

.....

चित्रों में तीन मशहूर फुटबॉलर हैं। पहचानिए।

.....

**ज्ञान प्रतियोगिता– 355**

नाम.....

पता.....

.....पोस्ट.....

जिला.....

राज्य.....

**जीतो 1000 रुपए के नकद पुरस्कार**

चयनित दस प्रविष्टियों को क- क रुपए (प्रत्येक को सौ रुपए) भेजे जाएंगे।

हमारा पता बालहंस, राजस्थान पत्रिका प्रकाशन, 5-ई, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर (राजस्थान)

# रंग दे

**1000 रुपए के पुरस्कार**

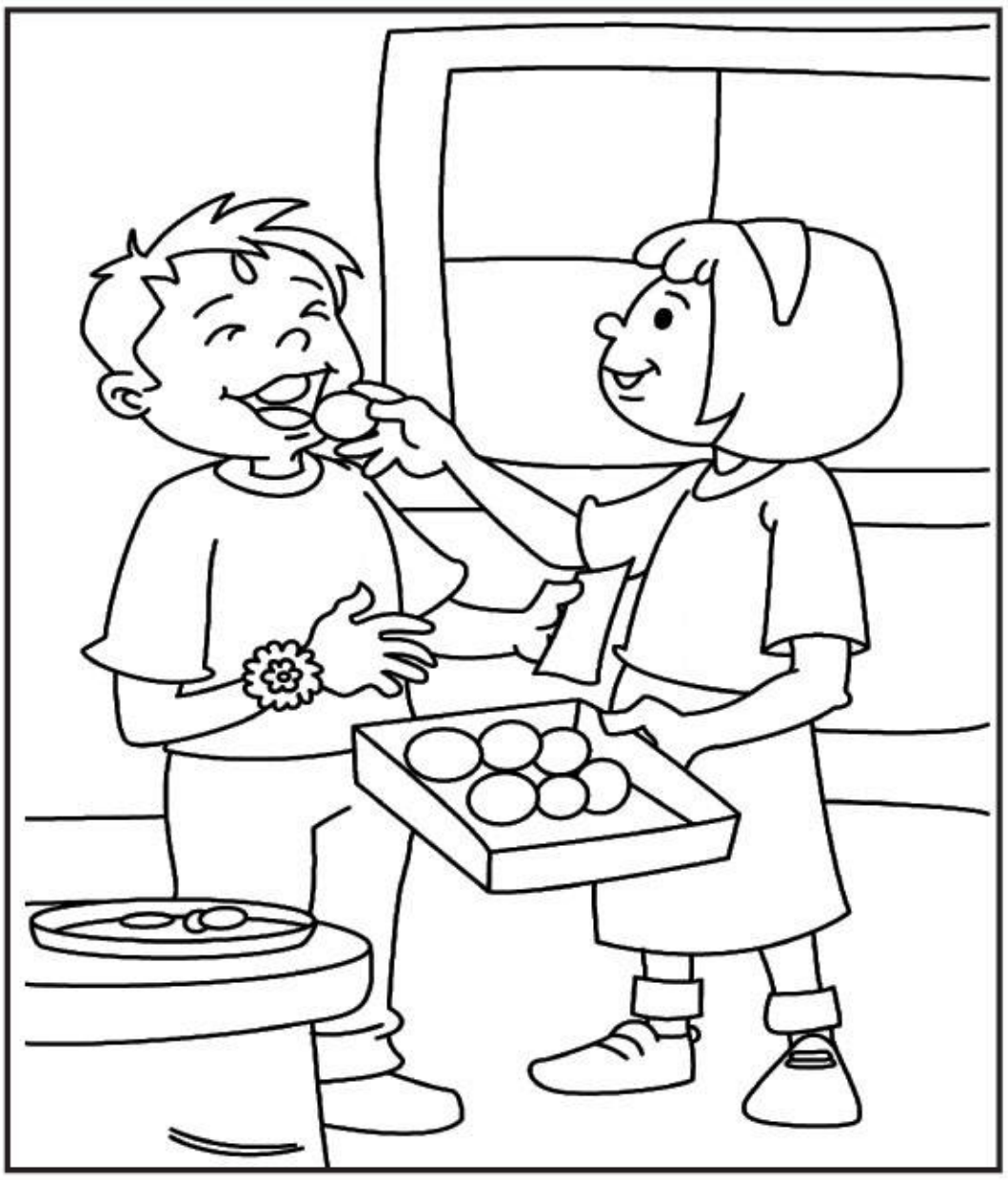

दोस्तो, इस चित्र में आपको भरने हैं, प्यारे-प्यारे रंग। चटख रंगों को भर कर, चित्र को काटकर (बालहंस कार्यालय, राजस्थान पत्रिका प्रकाशन, 5-ई, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर) में दिनांक 10 अगस्त, 2014 तक भिजवाना है। अगर आपकी उम्र 15 वर्ष या इससे कम है, तभी आप इस प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। अपना नाम, आयु व पूरा पता साफ-साफ लिखना। सिर्फ डाक से भेजी गई प्रविष्टियां ही स्वीकार की जाएंगी। चयनित दस प्रविष्टियों को 100-100 रुपए भेजे जाएंगे।

नाम.....

पता.....

.....

.....

पोस्ट.....

जिला व राज्य.....

# ढूंढो तो...

नीचे दी गई आकृतियों को चित्र में ढूंढ़ना है। इतना करके चित्र में रंग भी तो भरो, देखो कितना मजा आता है!

# ई-मैन - 25

प्रस्तुतिः उन्नी कृष्णन किडनगूर

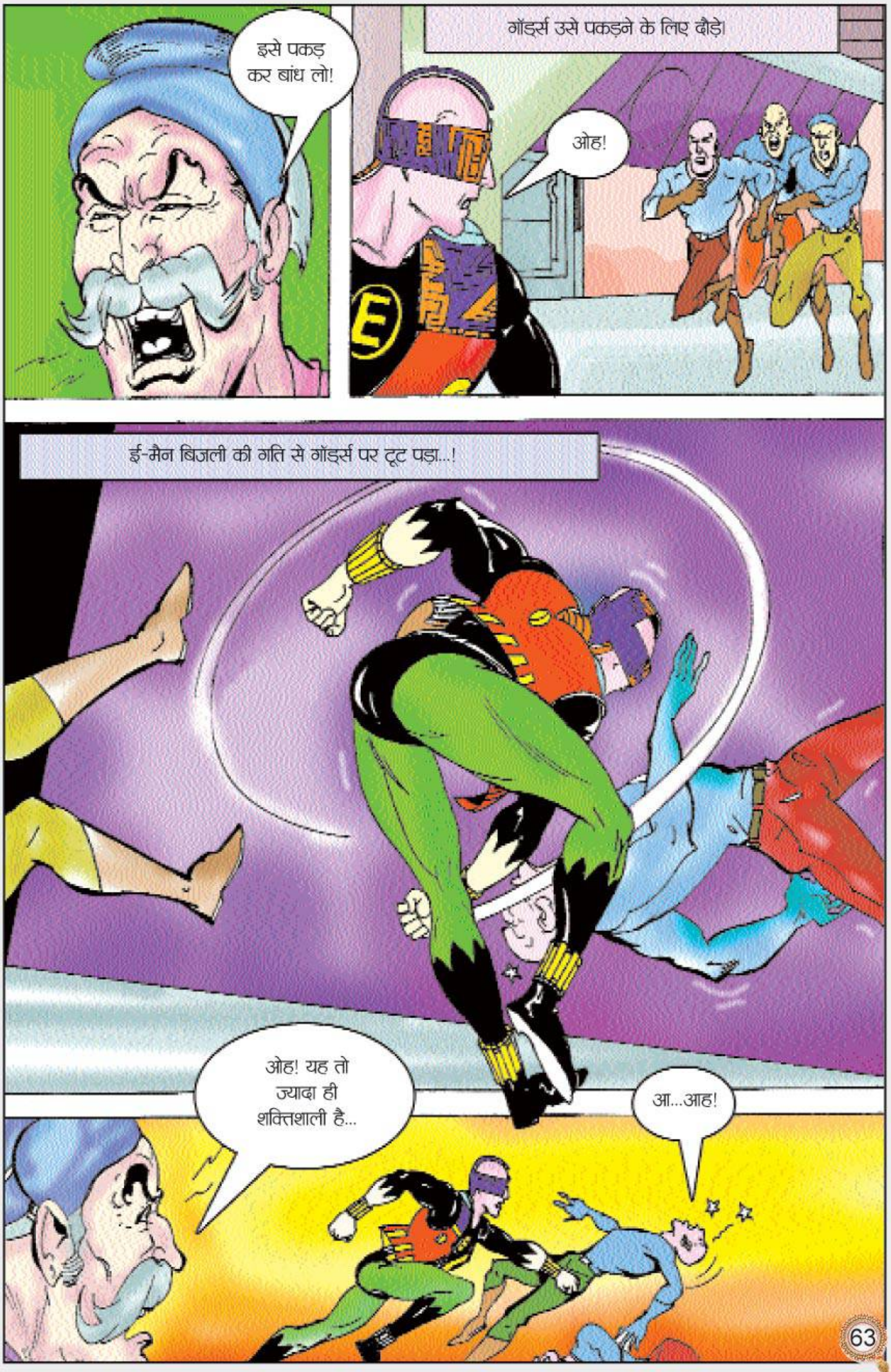
इसे पकड़ कर बांध लो!
गॉड्र्स उसे पकड़ने के लिए दौड़े।
ओह!
ई-मैन बिजली की गति से गॉड्र्स पर टूट पड़ा...!
ओह! यह तो ज्यादा ही शक्तिशाली है...
आ...आह!

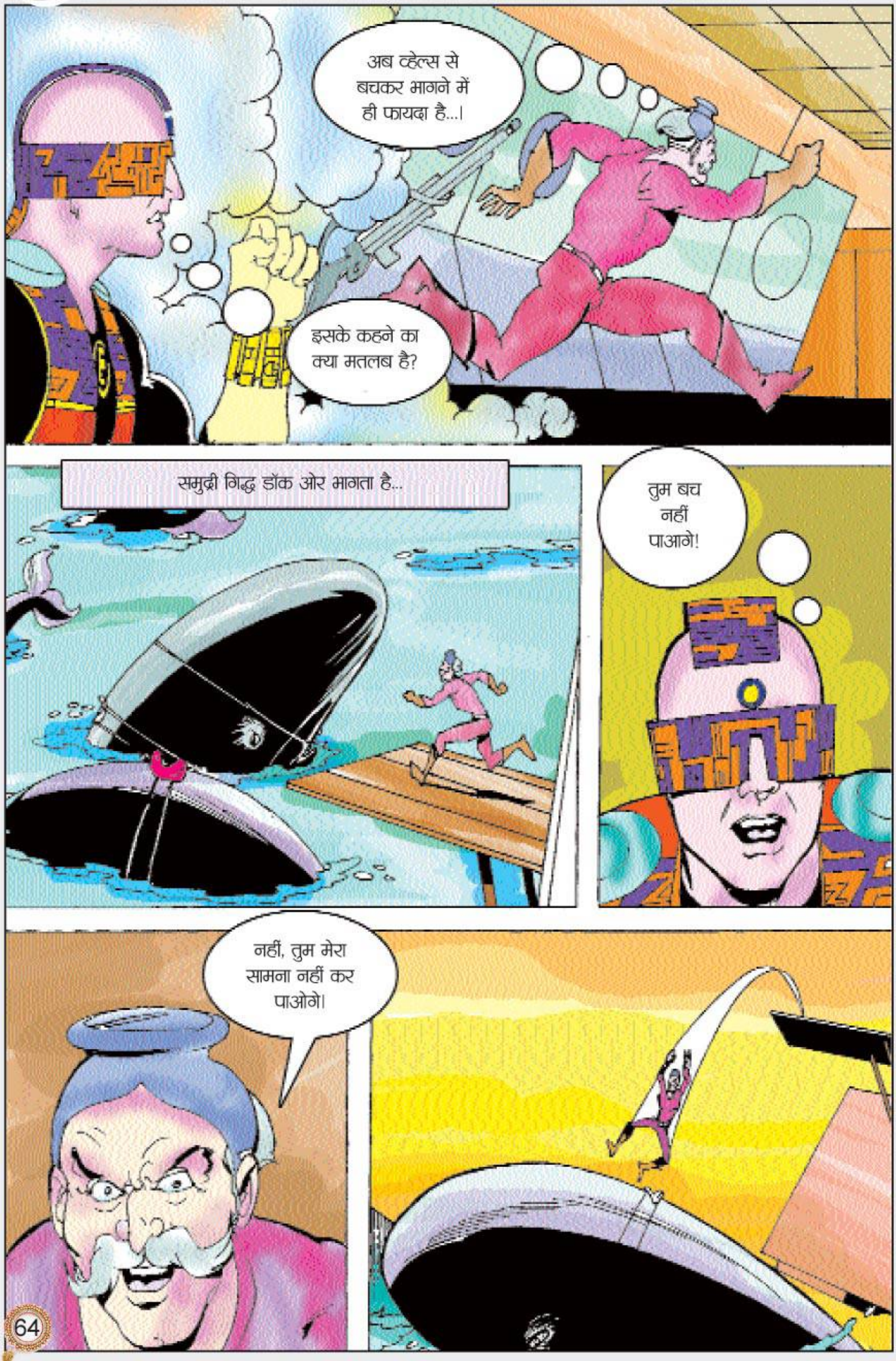
अब व्हेल्स से बचकर भागने में ही फायदा है...।
इसके कहने का क्या मतलब है?
समुद्री गिद्ध डॉक ओर भागता है...
तुम बच नहीं पाओगे!
नहीं, तुम मेरा सामना नहीं कर पाओगे।

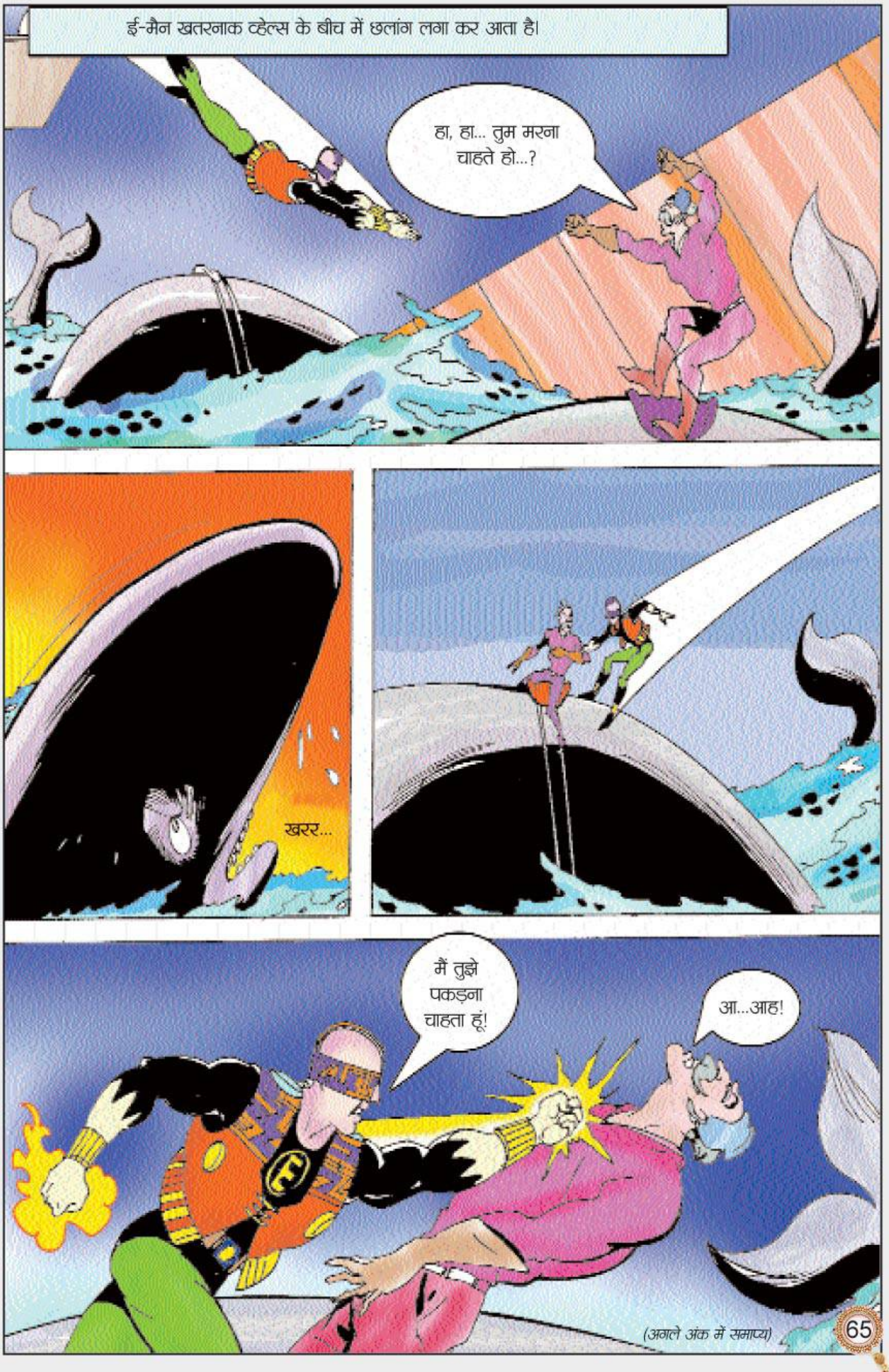
ई-मैन खतरनाक व्हेल्स के बीच में छलांग लगा कर आता है।
हा, हा... तुम मरना चाहते हो...?
खरर...
मैं तुझे पकड़ना चाहता हूं!
आ...आह!
(अगले अंक में समाप्य)

**मैं** और मेरा भाई पिछले चार साल से बालहंस को नियमित पढ़ रहे हैं। इसकी रोचक कहानियां, अनोखे-ज्ञानवर्द्धक तथ्य और नई-नई जानकारियां हमें बहुत लुभाती हैं। हम स□ी प्रतियोगिताओं में नियमित भाग लेते हैं। इस अंक में दी गई सीख सुहानी की कहानियां बहुत अच्छी लगीं। इनसे हमें नैतिक और प्रेरणादायी सीख मिली है। इस अंक को हमारे सारे घरवालों ने पढ़ा है। इस अंक को हमने संभाल कर रख लिया है।

**– ऋतु शर्मा,**
मुरादाबाद (उ.प्र.)

*बालहंस आयी बालहंस आयी*
*सब बच्चों के मन को भायी।*
*महीने में दो बार आयी*
*नई-नई कहानियां लायी।*
*इसमें गुदगुदी भी आयी*
*देश-विदेश की जानकारी लायी।*
*बच्चों के बीच खूब धूम मचायी*
*हम सभी को बालहंस खूब भायी।*

**– वसुंधरा प्रजापत,**
*नारायणपुर (राज.)*

*जुलाई प्रथम, ख्व*

## कैसा लगा

I have been reading Balhans since last seven years. Balhans is a wonderful magazine for all ages. It provides us morel, good, entertainer stories, unique information and superb diction in knowledge bank and spoken. Like facts all column are very interesting for us. We all like it very much. Please add about mythological facts-informations also. With best wishes.

**-Sakul Garg,**
Delapeer, Bareilley (U.P.)

## इनके पत्र भी मिले

- **अंशुमान सूर्या,** लखीसराय (बिहार)
- **भूमिका,** कोटा (राज.)
- **मधुलिका वाजपेयी,** उन्नाव (उ.प्र.)
- **शिवनाथ शु□ल,** भिलाई (छ□ीसगढ़)
- **गौरव आनंद,** भीलवाड़ा (राज.)
- **राजकुमार शर्मा,** उ□ाम नगर (नई दिल्ली)
- **रूपांजी,** ताजपुर (बिहार)
- **सहर अनम,** भानतलैया, जबलपुर (म.प्र.)
- **प्रफल्ल कुमार,** फैजाबाद (उ.प्र.)
- **दक्ष सिंह,** कानपुर (उ.प्र.)
- **गीत सूद,** बीकानेर (राज.)
- **मलय पंत,** नई दिल्ली
- **आले□या बनर्जी,** कुरुक्षेत्र (हरियाणा)
- **रक्षिता,** कपासन, चितौड़गढ़ (राज.)

## सब्सक्रिप्शन फॉर्म

बालहंस

ग्राहक का नाम.....

पता (जिस पते पर बालहंस चाहिए)-

नाम.....पता.....

.....

पोस्ट.....जिला.....राज्य.....

कितने समय के लिए- द्वैवार्षिक (480/-रुपए)..... वार्षिक (240/-रुपए) ..... अर्द्धवार्षिक (120/-रुपए).....

ड्राफ्ट संख्या .....मनीऑर्डर संख्या .....

कृपया ग्राहक शुल्क (सब्सक्रिप्शन) की राशि बैंक ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से **बालहंस, जयपुर** के नाम भिजवाएं। ड्राफ्ट के साथ इस फॉर्म को भी संलग्न कर भेज सकते हैं।

*सब्सक्रिप्शन व वितरण संबंधी पूछताछ के लिए कृपया फोन नं. 0141-3005790 पर संपर्क करें।*

**राशि इस पते पर भेजें-**

बालहंस (पाक्षिक)
वितरण विभाग
राजस्थान पत्रिका प्रकाशन,
5-ई, झालाना संस्थानिक क्षेत्र,
जयपुर (राजस्थान), पिन- 302 004

.....
**ग्राहक का पूरा नाम व हस्ताक्षर**

*नोटः बालहंस पत्रिका साधारण डाक से भेजी जाती है। डाक अव्यवस्था के कारण अंक न मिल पाने की सूचना एक माह के भीतर दे देवें। अंक उपलब्ध होने पर ही दुबारा भेजा जाएगा। देर से भेजी गई आपत्तियां अस्वीकार होंगी।*

स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशकः रघुनाथ सिंह द्वारा राजस्थान पत्रिका प्रा. लि., केसरगढ़, जे.एल.एन. मार्ग/5-ई, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर (राज.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं. 73-74, रीको औद्योगिक क्षेत्र, झोटवाड़ा, जयपुर (राज.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. 46292/86, सम्पादकः आनन्द प्रकाश जोशी

PARLE
पारले क्रीम्स के संग
इनामों की उमंग!
Kreams
BONANZA
Offer
कूपन मिले तो जीतो इनाम*
PARLE
Kreams
ORANGE
BONANZA
5